प्रकाशन का 49 वां वर्ष

R.N.I. NO-29140/77 (स्थापना - 30 नवंबर 1976)

दिव्य प्रकाश

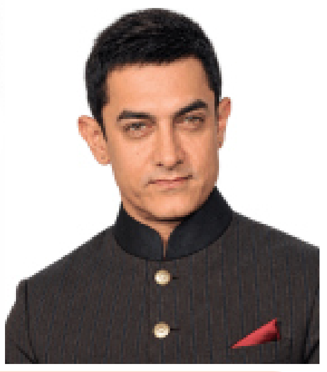

खिलाड़ियों को वर्ल्ड कप से पहले अनुभव देना होगाः ब्रेंडन मैकुलम.....(7)

आमिर खान पर हमला करना चाहते थे शूटर्स, लेकिन टाइगर.....(5)

बरेली,मंगलवार, 28 अक्टूबर, 2026 | पश्चिमी उत्तर प्रदेश का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक | वर्ष 50, अंक 311 | पृष्ठ 8 | मूल्य 3 रूपया

योगी कैबिनेट ने 22 प्रस्तावों को दी मंजूरी

एक गाय पर 50 हजार रुपये का अनुदान, चार लिंक एक्सप्रेसवे के निर्माण पर सहमति

लखनऊ,एजेंसी।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई उत्तर प्रदेश कैबिनेट की बैठक में 22 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक में पशुधन क्षेत्र को मजबूत करने, किसानों की आय बढ़ाने और रोजगार के अवसर पैदा करने से जुड़े प्रस्ताव पर विशेष जोर दिया गया।कैबिनेट में बताया गया कि उत्तर प्रदेश दूध उत्पादन में देश में पहले स्थान पर है। इसके अलावा अंडा, ऊन और मत्स्य पालन के क्षेत्र में भी प्रदेश की स्थिति मजबूत है। हालांकि, इन क्षेत्रों में मूल्य संवर्धन, डिजिटल प्रबंधन और संगठित बाजार व्यवस्था को बेहतर बनाने की जरूरत है।सरकार का उद्देश्य पशुपालन को किसानों की आय

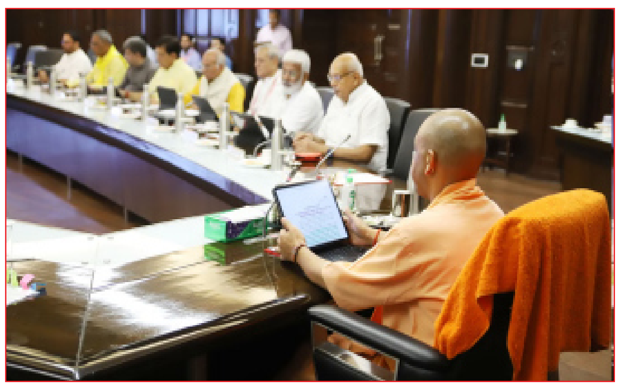

बढ़ाने का प्रमुख माध्यम बनाना है। इसके लिए स्टेट लैब स्टार्ट मिशन के गठन का प्रस्ताव रखा गया है। मिशन के तहत रोजगार सृजन, उद्यमिता विकास, पशुओं की उत्पादकता बढ़ाने और पशु उत्पादों के लिए बाजार उपलब्ध कराने पर ध्यान दिया जाएगा। योजना में उन्नत नस्ल के पशुओं को बढ़ावा देने और गाय की नस्ल सुधारने का भी प्रावधान है। दूध उत्पादन बढ़ाकर प्रति गाय प्रतिदिन 10 लीटर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके साथ ही मुर्गी और बकरी पालन को प्रोत्साहित करने के लिए भी सहायता देने की बात कही गई है।प्रस्ताव के अनुसार, पशुपालकों को आर्थिक सहायता देने के साथ पशुओं का बीमा भी कराया जाएगा। बीमा की कुल लागत का 85 फीसदी हिस्सा सरकार और 15 फीसदी हिस्सा किसान वहन करेंगे। योजना के तहत एक गाय पर 50 हजार रुपये का अनुदान देने का प्रावधान बताया गया है। सरकार का उद्देश्य पशुपालन क्षेत्र में आधुनिक तकनीक, बेहतर नस्ल और बाजार व्यवस्था के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाना तथा ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा करना है।उत्तर प्रदेश में कंपनियों के विलय (मर्जर) और विभाजन (डी-मर्जर) की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए स्टांप ड्यूटी से जुड़ा प्रस्ताव तैयार किया गया है। स्टांप मंत्री रविंद्र जायसवाल ने बताया कि अभी तक प्रदेश में कंपनियों के मर्जर और डी-मर्जर के लिए स्टांप ड्यूटी का स्पष्ट प्रावधान नहीं था। इसके कारण उद्यमियों को प्रक्रिया के दौरान भ्रम और आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था।मंत्री के मुताबिक, प्रस्ताव के तहत कंपनी के मर्जर या डी-मर्जर में शेयर वैल्यू पर 0.50 फीसदी स्टांप ड्यूटी लगाने का प्रावधान किया गया है। यदि संबंधित मामले में संपत्ति शामिल है, तो उस पर दो फीसदी स्टांप ड्यूटी का प्रस्ताव है।

वंदे मातरमः सभी छह छंद गाने की अनिवार्यता पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, केंद्र से मांगा जवाब

नई दिल्ली,एजेंसी।वंदे मातरम के छह छंदों को गाने या बजाने की अनिवार्यता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया है। मामला गृह मंत्रालय के 28 जनवरी और 9 जुलाई 2026 के आदेशों से जुड़ा है, जिनमें निर्धारित अवसरों पर राष्ट्रगीत के छह छंदों वाले संस्करण को गाने या बजाने का प्रावधान किया गया है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि इस व्यवस्था से धार्मिक स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति की आजादी और धर्मनिरपेक्षता के संवैधानिक सिद्धांतों पर असर पड़ सकता है। हालांकि, अदालत ने अभी इन आरोपों पर अंतिम फैसला नहीं सुनाया है।मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी.

मोहना की पीठ ने दो याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए केंद्र से जवाब मांगा है। पहली याचिका अनुसूचित जाति से आने वाले बौद्ध और आंबेडकरवादी कार्यकर्ता बीडी बोरकर ने दायर की है। दूसरी याचिका केरल के पूर्व आईएएस अधिकारी बालकृष्णन सत्यभामा मावोजी की है, जो अनुसूचित जाति समुदाय से आते हैं। याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. जी. मोहन गोपाल पेश हुए। उनका तर्क है कि छह छंदों को अनिवार्य करना नागरिकों की धार्मिक आस्था और अपनी अंतरात्मा के अनुसार निर्णय लेने की स्वतंत्रता के खिलाफ हो सकता है।याचिकाकर्ताओं के मुताबिक, स्वतंत्रता के बाद राष्ट्रीय समारोहों में आम तौर पर वंदे मातरम के पहले दो छंद गाए जाते रहे हैं। उनका दावा है कि पहले दो छंदों में मातृभूमि की प्राकृतिक सुंदरता का वर्णन है, जबकि बाद के चार छंदों में दुर्गा, लक्ष्मी और सरस्वती जैसी हिंदू देवियों का उल्लेख है। याचिका में कहा गया है कि बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के उपन्यास 'आनंदमठ' में शामिल छह छंदों वाले संस्करण का संदर्भ धार्मिक संघर्ष से जुड़ा है।

अभिनेता इमरान खान को बड़ी राहत, भारत छोड़ो नोटिस पर बॉम्बे हाईकोर्ट ने 2 नवंबर तक लगाई रोक

मुंबई,एजेंसी। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर मुंबई के अगस्त क्रांति मैदान में आयोजित प्रदर्शन में हिस्सा लेने के बाद विवादों में आए अभिनेता इमरान खान को अदालत से बड़ी राहत मिली है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) द्वारा उन्हें जारी किए गए लीव इंडिया (भारत छोड़ो) नोटिस पर 2 नवंबर तक के लिए अंतरिम रोक लगा दी है। मंगलवार को चीफ जस्टिस महेश चंद्र त्रिपाठी और जस्टिस अद्वैत सेठना की डिविजन बेंच ने इमरान खान की याचिका पर सुनवाई की। सुनवाई के बाद अदालत ने पुलिस और एफआरआरओ को निर्देश दिया कि 2 नवंबर को होने वाली अगली सुनवाई तक अभिनेता के खिलाफ कोई भी दंडात्मक या निष्कासन से जुड़ी कार्रवाई न की जाए। इससे पहले सोमवार को प्रस्तावित सुनवाई टल गई थी, जिसके बाद 27 अक्टूबर को इस मामले में आदेश आया। इमरान खान भारतीय नागरिक नहीं हैं, बल्कि उनके पास अमेरिकी नागरिकता है और वे ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया (ओसीआई) कार्डधारक हैं। एफआरआरओ का कारण बताओ नोटिसरू एफआरआरओ ने इमरान खान को एक कारण बताओ नोटिस भी जारी किया है, जिसमें पूछा गया है कि भारत विरोधी या राजनीतिक प्रदर्शनों में भाग लेने के कारण उनका ओसीआई कार्ड रद्द क्यों न किया जाए।

ऊपर से हो रही वोट चोरी, दिल्ली में राहुल गांधी की जन सुनवाईः कहा-

सीईसी के इस्तीफे तक नहीं रुकेगा विपक्ष

नई दिल्ली,एजेंसी।लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी मंगलवार को दिल्ली के त्रिलोकपुरी स्थित ब्लॉक 20 में 'वोट अधिकार जीने का अधिकार' जन सुनवाई में शामिल हुए। इस दौरान राहुल गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर हमला तेज करते हुए आरोप लगाया कि देश में ऊपर के स्तर से वोट चोरी की जा रही है और गरीबों के नाम जानबूझकर मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं।राहुल गांधी ने कहा कि इस मुद्दे पर पूरा विपक्ष एकजुट है और जब तक ज्ञानेश कुमार इस्तीफा नहीं देते या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उन्हें पद से नहीं हटाते, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। राहुल गांधी ने कहा, ''इस मुद्दे पर पूरा विपक्ष एकजुट है। वोट भारत के हर

नागरिक का मौलिक अधिकार है। इसके बावजूद देशभर में करोड़ों लोगों से उनका यह अधिकार यानी वोट व्यवस्थित तरीके से छीना जा रहा है।''कांग्रेस सांसद ने आगे कहा, ''हम लंबे समय से यह मुद्दा उठा रहे हैं, लेकिन अब पूरा देश समझने लगा है कि ऊपर के स्तर से वोट चोरी हो रही है।'' कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि गरीबों के नाम मतदाता सूची से जानबूझकर हटाए जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि इससे उनके अधिकार और सुविधाएं भी प्रभावित हो रही हैं।राहुल गांधी ने कहा, ''गरीबों के नाम जानबूझकर मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं और उनके अधिकार तथा सुविधाएं छीनी जा रही हैं। ऐसा क्यों किया जा रहा है? एक ऐसा 'नया हिंदुस्तान' बनाने के लिए, जो कुछ चुने हुए अरबपतियों का हो। जहां आम नागरिकों और गरीबों के अधिकार न हों और देश केवल अरबपतियों के हित में चलाया जाए।''राहुल गांधी ने कहा कि इस जन सुनवाई के जरिए लोगों ने बताया कि चार बूथों से 416 नाम कथित तौर पर अवैध तरीके से हटाए गए हैं।

प्रधानमंत्री मोदी और लिकटेंस्टाइन के युवराज एलोइस ने सहयोग बढ़ाने और द्विपक्षीय संबंधों पर विचार साझा किए

नयी दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को लिकटेंस्टाइन के युवराज एलोइस के साथ दोनों देशों के संबंधों को मजबूत करने और द्विपक्षीय साझेदारी को गति देने के मुद्दे पर बातचीत की। लिकटेंस्टाइन के युवराज एलोइस 25 से 28 अक्टूबर तक भारत की यात्रा पर हैं। इस यात्रा का उद्देश्य व्यापार एवं निवेश, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार सहित विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा देना है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक पोस्ट में कहा, हमारी द्विपक्षीय साझेदारी को और गति देते हुए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज हैदराबाद हाउस में लिकटेंस्टाइन के युवराज एलोइस और राजकुमारी सोफी का गर्मजोशी से स्वागत किया। बातचीत का उद्देश्य हमारे संबंधों को और मजबूत करना है। युवराज एलोइस इस साल दूसरी बार भारत आए हैं। इससे पहले वह फरवरी में कृत्रिम मेधा (एआई) प्रभाव शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए नयी दिल्ली आए थे। वह 2010 और 2018 में भी भारत की यात्रा कर चुके हैं। इससे पहले दिन में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने लिकटेंस्टाइन के युवराज एलोइस से मुलाकात की। जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, भारत और लिकटेंस्टाइन के बीच द्विपक्षीय साझेदारी कई क्षेत्रों में मजबूत गति से आगे बढ़ रही है। इसमें भारत-यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) व्यापार एवं आर्थिक साझेदारी समझौते (टीईपीए) से पैदा हुए अवसरों की अहम भूमिका है।

अखिलेश यादव का निर्वाचन आयोग पर बड़ा हमला, बोले

चुनाव में हेरफेर की हो रही है बड़ी साजिश

लखनऊ,जीएनएस। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को निर्वाचन आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए चुनाव में हेरफेर की साजिश का आरोप लगाया है। उन्होंने निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए मतदाता सूची को आधार से जोड़ने और बायोमेट्रिक सत्यापन लागू करने की मांग की। अखिलेश यादव ने कहा कि निर्वाचन आयोग की ओर से अधिकारियों के खिलाफ हाल में की गई कार्रवाई से उनकी पार्टी की चिंताएं दूर नहीं होंगी। उन्होंने आगामी चुनावों के मद्देनजर लगातार सतर्क रहने पर जोर दिया। उन्होंने कहा, अब निर्वाचन आयोग जागा है और अपनी निष्पक्षता दिखाने के लिए अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई कर रहा है। लेकिन हमें इससे तसल्ली नहीं मिलेगी, हमें

बहुत सतर्क रहना होगा। क्या इन छोटी कार्रवाइयों के पीछे कोई बड़ी साजिश हो सकती है, जिसे हम पहचान नहीं पा रहे हैं? वरना बाद में हम यही कहते रह जाएंगे कि देखिए, क्या हो गया। उन्होंने हालिया विधान परिषद चुनावों का जिक्र करते हुए सवाल उठाया, ष्विधान परिषद चुनावों की मतगणना के दौरान मतपेटियों के अंदर बिना मुड़े हुए मतपत्र कैसे मिल सकते हैं? क्या किसी ने सोचा भी होगा कि मतपेटियों के अंदर खुले हुए, बिना मुड़े हुए मतपत्र मिलेंगे? ऐसा किसने किया होगा? उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन या चुनाव ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों की मिलीभगत के बिना ऐसा होना मुमकिन नहीं है। निर्वाचन आयोग की भूमिका पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा, ष्निर्वाचन आयोग एक संवैधानिक संस्था है और अपनी विश्वसनीयता बनाए रखना उसकी जिम्मेदारी है। लेकिन हमने जो देखा है, उससे लगता है कि उसने अपनी विश्वसनीयता खो दी है। सपा प्रमुख ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि इस दौरान पात्र मतदाताओं, खासकर सपा समर्थकों को निशाना बनाया गया। 2022 के विधानसभा चुनावों का हवाला देते हुए उन्होंने दावा किया कि 2019 में मतदान करने वाले कई लोगों के नाम 2022 की सूची से गायब थे।

मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ सुनवाई टली

सुप्रीम कोर्ट ने दिया 10 दिन का समय, ईसीआई को फिर जारी हुआ नोटिस

नयी दिल्ली,एजेंसी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई मंगलवार को टल गई। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने याचिकाकर्ता राकेश सिंह के वकील के अनुरोध पर यह समय दिया। याचिकाकर्ता पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह ने अदालत को बताया कि निर्वाचन आयोग ने अपना विस्तृत जवाबी हलफनामा बेहद देर से दाखिल किया है, इसलिए उसका अध्ययन कर रिजॉइंडर (जवाबी हलफनामा) दाखिल करने के लिए पर्याप्त समय दिया जाना चाहिए। अदालत ने याचिकाकर्ता की मांग को स्वीकार करते हुए 10 दिन का समय दे दिया है। इस मामले में अगली सुनवाई अब 17 नवंबर 2026 को होने की संभावना है। इस बीच, सुनवाई के दौरान अदालत कक्ष में लाइव स्ट्रीमिंग के ऑडियो-वीडियो को कुछ समय के लिए बंद किए जाने को लेकर भी चर्चा रही। जब कार्यवाही का यह हिस्सा समाप्त हुआ, तब वरिष्ठ वकील डॉ. ए.एम. सिंघवी और मेनका गुरुस्वामी अदालत में मौजूद नजर आए। यह पूरा कानूनी विवाद लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव और अन्य विपक्षी नेताओं द्वारा दाखिल संयुक्त याचिका से जुड़ा है। विपक्षी नेताओं ने निर्वाचन आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान, मतदाता सूची से नाम हटाने, फॉर्म-6 से जुड़ी कथित अनियमितताओं और आयोग के आंतरिक फैसलों में पारदर्शिता की कमी के गंभीर आरोप लगाए हैं। चुनाव आयोग ने अपने हलफनामे में एकतरफा फैसले लेने या फॉर्म-6 में औपचारिक बदलाव करने के सभी आरोपों को खारिज कर दिया है। आयोग का दावा है कि एसआईआर से जुड़े सभी महत्वपूर्ण निर्णय तीनों चुनाव आयुक्तों की सर्वसम्मति से लिए गए हैं। याचिकाकर्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक स्वतंत्र समिति बनाकर म्ब्छमज और म्त्व्छमज जैसी डिजिटल प्रणालियों की तकनीकी जांच कराने की मांग की है। इस मामले का एक सबसे बड़ा केंद्र यह सवाल है कि क्या मुख्य चुनाव आयुक्त अकेले फैसले ले सकते हैं या आयोग के अन्य सदस्यों की सहमति अनिवार्य है। याचिकाकर्ताओं ने संविधान के अनुच्छेद 324 और नए कानून के प्रावधानों का हवाला देते हुए आयोग की फाइलों और बैठकों के मिनट्स की जांच की मांग की है।

कुछ तो तमाशा होगा, अब मेरी बारीः किताब आने से पहले सोनिया गांधी का बयान

नई दिल्ली,एजेंसी।कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी ने अपनी आने वाली किताब को लेकर पोस्ट किया है। उन्होंने कहा, यह किताब जब सामने आएगी, तो कुछ तमाशा होना तय है। उन्होंने कहा, दूसरे लोग दशकों से मेरी 'कहानी' बताते आ रहे हैं। अब मेरी बारी है। सोनिया गांधी की पहली किताब, 'बिलॉन्गिंग - अ जर्नी ऑफ लव' 10 नवंबर को लॉन्च होगी। इसमें उन्होंने राजीव गांधी के साथ अपनी यादें और अपने शुरुआती दिनों से लेकर अब तक के सफर के बारे में बताया है। इससे पहले 24 अक्तूबर अपने लगभग दो मिनट के वीडियो में, उन्होंने बताया था कि कैसे उनकी मुलाकात कैम्ब्रिज में (पूर्व प्रधानमंत्री) राजीव गांधी से हुई थी। उन्होंने अपनी और राजीव गांधी की तस्वीरें दिखाईं, साथ ही उस रेस्तरां की तस्वीर भी दिखाई जहां वे पहली बार मिले थे।अपने पहले 'एक्स' पोस्ट में उन्होंने बताया था, 'कैम्ब्रिज के एक छोटे से ग्रीक रेस्तरां में मेरे प्यार का सफर शुरू हुआ। राजीव और मैंने प्यार, हंसी और यादों से भरी एक दुनिया बनाई। 10 नवंबर को, मैं उस दुनिया को आपके साथ साझा करूंगी।' वीडियो में तस्वीरें दिखाते हुए कांग्रेस नेता ने राजीव गांधी को एक बहुत ही आकर्षक और सौम्य इंसान बताया। जब उनसे पूछा गया कि राजीव गांधी से प्यार होना कैसा था, तो उन्होंने कहा कि उन दिनों इंग्लैंड में खाना बहुत खराब होता था। तब आज की तरह इतने सारे रेस्तरां नहीं हुआ करते थे। इसलिए, मैं हमेशा ऐसी जगह की तलाश में रहती थी जहां मुझे अपने पसंद का खाना मिल सके। यानी इतालवी खाना। फिर हमें यह जगह (वर्सिटी रेस्तरां) मिली। यह एक ग्रीक रेस्तरां था, जहां कई यूरोपीय और भारतीय छात्र खाना खाने आते थे। और इसी रेस्तरां में मेरी मुलाकात राजीव से हुई।

दिवाली पर पटाखों के शोर और प्रदूषण पर बॉम्बे हाईकोर्ट सख्त

राज्य सरकार के कदमों पर जताई संतुष्टि

मुंबई,एजेंसी। बॉम्बे हाईकोर्ट ने दिवाली के दौरान पटाखों से होने वाले शोर और वायु प्रदूषण को लेकर दायर स्वतः संज्ञान जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए महाराष्ट्र सरकार और प्रशासन की ओर से उठाए गए कदमों पर संतुष्टि जताई है। हालांकि, कोर्ट ने कहा कि पहले के आदेशों के पालन में देरी हुई, लेकिन अब प्रशासन ने तेजी दिखाई है। जस्टिस जी. एस. कुलकर्णी और जस्टिस डॉ. नीला गोखले की पीठ ने 26 अक्टूबर के आदेश में यह टिप्पणी की। सुनवाई के दौरान मुंबई पुलिस कमिश्नर देवेन भारती, बीएमसी कमिश्नर अश्विनी भिडे और महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एमपीसीबी) की ओर से हलफनामा दाखिल कर प्रदूषण और

शोर पर नियंत्रण के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी दी गई। बीएमसी ने कोर्ट को बताया कि पर्यावरण विभाग के डिप्टी चीफ इंजीनियर अजय राणे को इस अभियान का नोडल अधिकारी बनाया गया है। 22 अक्टूबर को लोकसत्ता और इंडियन एक्सप्रेस में जन-जागरूकता संबंधी विज्ञापन प्रकाशित किए गए, जबकि 25 अक्टूबर से टीवी विज्ञापनों का प्रसारण शुरू किया गया है। बीएमसी के अनुसार, रेलवे स्टेशनों, बस डिपो, हाईवे और बीएमसी के पोर्टल पर भी जागरूकता के लिए होर्डिंग और डिस्प्ले लगाए गए हैं। स्कूलों में पोस्टर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है और विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई जा रही है। बीएमसी ने बताया कि शोर से संबंधित शिकायतों के लिए हेल्पलाइन नंबर 1916 पर शिकायतें ली जा रही हैं। इन शिकायतों को सीधे पुलिस कंट्रोल रूम को भेजा जाएगा।

वहीं, महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने बताया कि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के निर्देशों के तहत दीपावली 2026 के दौरान हवा और शोर के स्तर की विशेष निगरानी की जाएगी। इसके लिए संबंधित प्रोटोकॉल और मैनुअल तैयार किया गया है। पुलिस कमिश्नर देवेन भारती ने कोर्ट को बताया कि सभी पुलिस थानों के प्रभारियों को हाईकोर्ट के आदेशों की जानकारी दे दी गई है।

अभिषेक शर्मा के शतक और वैभव के तूफान से भारत की धमाकेदार जीत

वेलिंगटन,एजेंसी। भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए छह विकेट से जीत दर्ज की। वेलिंगटन में खेले गए इस मुकाबले में अभिषेक शर्मा के तूफानी शतक और युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की आक्रामक पारी ने भारतीय टीम की जीत आसान बना दी। न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर 198 रन बनाए थे। जवाब में भारतीय टीम ने 13.2 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया। इस जीत के साथ भारत ने पांच मैचों की टी20 सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त बनाते हुए सीरीज अपने नाम कर ली। भारतीय पारी के सबसे बड़े आकर्षण अभिषेक शर्मा रहे, जिन्होंने न्यूजीलैंड के गेंदबाजों की जमकर खबर ली।

दवाओं की कीमतों का मामलाः सुप्रीम कोर्ट बोला- पूरा सिस्टम दवा निर्माताओं की मदद कर रहा

नई दिल्ली,एजेंसी।दवाओं के अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) और खुदरा विक्रेताओं को मिलने वाली कीमत के बीच भारी अंतर को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को केंद्र सरकार से सवाल किया। कोर्ट ने पूछा कि पूरा तंत्र दवा निर्माताओं की मदद करने के लिए क्यों काम कर रहा है? केंद्र सरकार ने शीर्ष अदालत को बताया कि सरकार की नीति पूरे तंत्र को नियंत्रित करने की नहीं है।सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने पूछा, पूरा तंत्र इन लोगों (दवा निर्माताओं) की मदद करने के लिए क्यों काम कर रहा है? कोर्ट ने कहा कि राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) पूरी तरह निष्क्रिय संस्था नजर आती है।पीठ देश में दवाओं की कीमतों से जुड़े

मुद्दे को उठाने वाली दो याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। एमआरपी और खुदरा विक्रेता को मिलने वाली कीमत के बीच भारी अंतर का जिक्र करते हुए पीठ ने कहा, सरकार ऐसा होने दे रही है। यह सब सरकार की अपनी नजरों के सामने हो रहा है। पीठ ने पूछा, क्या इसे मनमाने ढंग से चलने दिया जाना चाहिए?केंद्र सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने पीठ को बताया कि भारत में दवाओं की कीमतें दुनिया में सबसे कम हैं। पीठ ने इस मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया।12 अक्तूबर को सुनवाई के दौरान शीर्ष कोर्ट ने कहा था कि कैंसर रोधी दवाओं की खरीद और बिक्री के बीच के अंतर को अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) के 30 फीसदी तक सीमित करने के मुद्दे पर केंद्र सरकार का जवाब 'खुश होने लायक बिल्कुल नहीं है। कोर्ट ने यह भी सवाल उठाया था कि सरकार अन्य दवाओं की खरीद और बिक्री के बीच के अंतर को सीमित क्यों नहीं कर सकती?इससे पहले, अस्पतालों की ओर से कैंसर की दवाओं की कीमतों में भारी बढ़ोतरी को लेकर शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना की थी। इसके बाद केंद्र ने कहा था कि सरकार ने कैंसर रोधी दवाओं की खरीद और बिक्री के बीच के अंतर को अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) के 30 प्रतिशत तक सीमित करने का महत्वपूर्ण फैसला लिया है।

यातायात पुलिस ने रोडवेज बस स्टैंड पर चलाया जागरूकता अभियान

शाहजहांपुर। पुलिस स्मृति दिवस 21 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक मनाया जा रहा है। जिसके तहत यातायात पुलिस ने रोडवेज बस स्टैंड पर जागरूकता अभियान चलाया और रोडवेज के चालकों, परिचालकों सहित अन्य लोगों को हेलमेट तथा सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करने के प्रति जागरूक किया। क्षेत्राधिकारी यातायात ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा बहुमूल्य जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यातायात नियमों का पालन करना अत्यंत आवश्यक है। दोपहिया वाहन चलाते समय स्वयं एवं पीछे बैठने वाले व्यक्ति को हेलमेट धारण करना चाहिए तथा चार पहिया वाहन में यात्रा करते समय चालक एवं सभी यात्रियों को सीट बेल्ट का प्रयोग करना चाहिए। इसका प्रयोग दुर्घटना के दौरान गंभीर चोटों के जोखिम को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके अलावा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करें, नशे की हालत में वाहन न चलाएं तथा वाहन में निर्धारित क्षमता से अधिक सवारियां न बैठाएं। वाहन चलाते समय निर्धारित गति सीमा का पालन करें, सड़क पर संकेतों एवं यातायात नियमों का ध्यान रखें तथा स्वयं के साथ-साथ अन्य लोगों की सुरक्षा का भी विशेष ध्यान रखें। कहा कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की सहायता करें। घायल को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाएं अथवा समय से चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराएं। इससे आपको पात्रता एवं निर्धारित नियमों के अनुसार राहवीर योजना का लाभ मिल सकता है। अपील की है कि यातायात नियमों का पालन अपनी जिम्मेदारी समझकर करें तथा अपने परिवारजनों एवं परिचितों को भी सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करें। इस दौरान रोडवेज चालक, परिचालक, निरीक्षक यातायात एवं यातायात पुलिस के अन्य कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

झारखण्ड की महिला समेत तीन मादक पदार्थ तस्कर गिरफ्तार

964 ग्राम अफीम, एक मोटरसाइकिल, 02 मोबाइल व 10 हजार 750 रूपए बरामद

शाहजहांपुर। थाना परशुरामपुरी पुलिस टीम ने झारखण्ड की महिला समेत तीन मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया। जिनके कब्जे से पुलिस ने 964 ग्राम अफीम, एक मोटरसाइकिल, 02 मोबाइल फोन और 10 हजार 750 रूपए नकद बरामद किए। बीती रात थाना परशुरामपुरी पुलिस ने चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर परशुरामपुरी-मिर्जापुर मार्ग पर कसारी पुलिया के पास से एक महिला समेत तीन मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया। जिनके कब्जे से पुलिस ने 964 ग्राम अफीम, एक मोटरसाइकिल, 02 मोबाइल फोन और 10 हजार 750 रूपए नकद बरामद किए। पकड़े गए तस्करों में झारखण्ड राज्य के जिला व थाना लातेहर क्षेत्र की रहने वाली जिलवा बीबी पत्नी कबीर अंसारी, हुसैन अंसारी पुत्र अब्दुल अंसारी और थाना परशुरामपुरी क्षेत्र का रहने वाला छविनाथ पुत्र राम सिंह शामिल है। पुलिस पूछताछ में अभियुक्ता जिलवा बीबी ने बताया कि पकड़े गए अभियुक्त छविनाथ को उसका पति कबीर और उसका पुत्र मुस्ताक अंसारी पहले से जानते हैं। इस समय उसका पति कबीर और पुत्र मुस्ताक जेल में निरुद्ध हैं। बताया कि वो झारखंड से सस्ते दामों पर अफीम खरीदकर लाती है तथा यहां वो अफीम छविनाथ को बेच देती है। 26 अक्टूबर को वो अपने भतीजे हुसैन अंसारी के साथ अफीम लेकर यहां छविनाथ को देने आई थी। वहीं, अभियुक्त छविनाथ ने बताया कि वो कबीर की पत्नी से कम दामों पर अफीम खरीदकर आसपास के ट्रक चालकों एवं राह चलते लोगों को थोड़ी-थोड़ी मात्रा में अधिक दामों पर बेचता है और इसी तीनों लोग अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। पुलिस ने तीनों अभियुक्तों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई करते हुए उन्हें जेल भेज दिया है और पूछताछ में आए साक्ष्यों के आधार पर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है। अभियुक्तों को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थाना परशुरामपुरी के उपनिरीक्षक गौरव सिंह के साथ उपनिरीक्षक यशपाल सिंह, महिला उपनिरीक्षक काजल, कांस्टेबल विमल और सूरज मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें...

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर भव्य शोभायात्रा निकली

हरदोई, जीएनएस। आदि कवि महर्षि वाल्मीकि की जयंती पूरे हर्षोल्लास और भक्तिमय माहौल के साथ मनाई गई। इस अवसर पर शहर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जगह-जगह भंडारे का आयोजन हुआ और विभिन्न राजनीतिक दलों के कार्यालयों में भी महर्षि वाल्मीकि को नमन किया गया। इस पावन अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर सुख-समृद्धि की कामना की। शोभायात्रा सोमवार की दोपहर 2.15 बजे शुरू हुई जो शहर के अलग-अलग स्थानों से होते हुए रेलवेगंज में करीब 4.15 बजे समाप्त हुई।

ट्रैक्टर-पिकअप की टक्कर, चालक की मौत

हरदोई, जीएनएस। जिले के टड़ियावां थाना क्षेत्र में इटौली चैराहे पर रविवार रात ट्रैक्टर और पिकअप डाले की टक्कर हो गई। हादसे में पिकअप डाला चालक सुनील बाजपेई की जान चली गई। वह अतरौली गांव के रहने वाले थे। सुनील बाजपेई मंडी में धान उतारकर अपने घर लौट रहे थे। इटौली चैराहे पर ट्रैक्टर को ओवरटेक करने की कोशिश में उनका वाहन सामने से आ रहे ट्रैक्टर से टकरा गया। टक्कर इतनी तेज थी कि सुनील को गंभीर चोटें आईं। खबर मिलने पर होमगार्ड की मदद से घायल चालक को 108 एंबुलेंस से सीएचसी टड़ियावां पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने उन्हें मृत बताया। पुलिस ने कानूनी कार्रवाई करते हुए शव का पंचनामा भरकर सोमवार दोपहर पोस्टमार्टम कराया है।

डीएम ने यूपी पुलिस में चयनित मेधावियों को किया सम्मानित

हरदोई, जीएनएस। जनपद में मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के तहत प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं को एक बड़ी सौगात मिली है। डीएम राहुल पाण्डेय ने सोमवार की दोपहर 1.30 बजे इस योजना के अंतर्गत नवनिर्मित पुस्तकालय का फीता काटकर और मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर भव्य शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने पुस्तकालय की अध्ययन सुविधाओं का जायजा लिया और वहां पढ़ाई कर रहे छात्र-छात्राओं से सीधा संवाद कर उनकी तैयारी की रूपरेखा समझी। कार्यक्रम का सबसे आकर्षक पहलू विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता हासिल करने वाले मेधावी युवाओं का सम्मान रहा। डीएम ने उत्तर प्रदेश पुलिस उपनिरीक्षक (एसआई), कांस्टेबल और होमगार्ड के पदों पर चयनित अभ्यर्थियों को अपने हाथों से प्रशस्ति पत्र एवं शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने सफल अभ्यर्थियों की पीठ थपथपाते हुए कहा कि उनकी यह सफलता अन्य तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का एक बड़ा स्रोत है। विद्यार्थियों से संवाद के दौरान डीएम राहुल पाण्डेय ने उन्हें जीवन और परीक्षा में सफलता हासिल करने के अनमोल मंत्र दिए। उन्होंने महाभारत के अर्जुन का प्रसंग साझा करते हुए विद्यार्थियों को समझाया कि जिस प्रकार अर्जुन का पूरा ध्यान केवल मछली की आंख पर केंद्रित था, उसी प्रकार युवाओं को भी अपने लक्ष्य के प्रति पूरी तरह एकाग्रचित्त रहना चाहिए। उन्होंने 'मन के हारे हार है, मन के जीते जीत' का संदेश देते हुए कहा कि कठिन परिस्थितियों में भी दृढ़ संकल्प और आत्मविश्वास के जरिए ही शिखर को छुआ जा सकता है। समारोह में मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) नेहा ब्याडवाल ने भी विशेष रूप से शिरकत की और बच्चों का हौसला बढ़ाया।

84 कोसी परिक्रमा मार्ग पर हरिशंकरी पौधारोपण अभियान शुरू

हरदोई, जीएनएस। जिले में नैमिषारण्य की 84 कोसी परिक्रमा मार्ग पर धार्मिक परंपराओं को सहेजने और पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से 26 अक्टूबर सोमवार को शाम 4. 30 बजे हरिशंकरी पौधारोपण अभियान चलाया जा रहा है। 24 से 29 अक्टूबर तक आयोजित इस अभियान की शुरुआत 24 अक्टूबर को नैमिषारण्य के चक्रतीर्थ से हुई। इसके तहत हरदोई जिले की सीमा में आने वाले 25 कोस पड़ावों पर पीपल, बरगद और पाकर के पौधे रोपे गए। अभियान के दौरान बालामऊ विधायक एवं पूर्व मंत्री रामपाल वर्मा, अहिरोरी ब्लॉक प्रमुख धर्मवीर सिंह पन्ने, हरदोई क्षेत्र के कोस पड़ाव प्रभारी अभय शंकर गौड़ एडवोकेट, लोक भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री बृजेंद्र पाल सिंह, अवध क्षेत्र अध्यक्ष कमलेश कुमार सिंह और अश्विनी सिंह सहित अन्य लोग शामिल हुए। नैमिषारण्य के संतों और संबंधित गांवों के लोगों की उपस्थिति में मंत्रोच्चार के साथ पौधारोपण किया गया।

सूचना

पहले मेरा नाम IRAFAN था मैने नाम बदलकर IRFAN पुत्र श्री ANWAR HUSAIN पता 170 हाजियापुर बरेली रख लिया है भविष्य मे इसी नाम से जाने।

सूचना

मैने अपना नाम Sonu से बदलकर Sonu Kumar पुत्र श्री Siriya निवासी ग्राम व पोस्ट जलीलपुर, जिला बिजनौर रख लिया है भविष्य मे इसी नाम से जाने।

सूचना

मैनेअपना नाम MOHAMMAD NAFIS से बदलकर NAFEES AHMAD पुत्र श्री CHHUNNU निवासी मौहल्ला कायस्थान, शेरकोट, जिला बिजनौर रख लिया है भविष्य मे इसी नाम से जाने।

संदिग्ध हालात में दो दोस्तों की मौत, दुकान पर बैठे-बैठे हुई उल्टी और गिर पड़े; फिर नहीं उठे

सुल्तानपुर, जीएनएस। सुल्तानपुर में सोमवार रात संदिग्ध हालात में दो दोस्तों की मौत हो गई। दोनों एक दुकान पर बैठे थे। इसी दौरान उन्हें उल्टी हुई और वे गिर पड़े। घटना के बाद इलाके में हलचल मच गई। पुलिस ने दोनों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं। अधिकारियों का कहना है कि मौत की असल वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। घटना कोतवाली देहात क्षेत्र में दूबेपुर ब्लॉक मुख्यालय के पास की है। मृतकों की पहचान डब्लू चौबे (42) और विजय जायसवाल (30) के रूप में हुई है। बताया गया कि दोनों सोमवार रात करीब नौ बजे भंडारे में शामिल होने के बाद दूबेपुर पहुंचे थे। वे एक दुकान पर बैठे हुए थे, तभी अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। दोनों को उल्टी हुई और वे गिर पड़े। विजय जायसवाल की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि डब्लू चौबे को अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने उन्हें भी मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद सोशल मीडिया पर दोनों की मौत सड़क हादसे में होने की खबरें प्रसारित होने लगीं। हालांकि, शुरुआती जानकारी के मुताबिक, उनके शरीर पर चोट के निशान नहीं मिले हैं। ऐसे में मौत की वजह को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। सीओ लंभुआ ऋतिक कपूर ने बताया कि दोनों शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चल सकेगा। कोतवाल धर्मवीर सिंह के मुताबिक, पुलिस मामले की जांच कर रही है। बताया गया कि विजय जायसवाल आर्केस्ट्रा पार्टी से जुड़े थे, जबकि डब्लू चौबे जमीन की खरीद-फरोख्त का काम करते थे। फिलहाल दोनों की अचानक हुई मौत से परिजन और परिचित स्तब्ध हैं। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगी।

गोरखपुर मेडिकल कॉलेज से 1 महीने की बच्ची गायब

मां ने रुपये निकालने के दौरान महिला को सौंपा था, तलाश में जुटी पुलिस

गोरखपुर, जीएनएस। गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज से सोमवार को एक माह की नवजात बच्ची गायब हो गई। बच्ची की तबीयत में सुधार के बाद उसे फीडिंग के लिए एनआईसीयू से कंगारू मदर केयर वार्ड में मां के पास भेजा गया था। करीब दो घंटे बाद डॉक्टर वार्ड में पहुंचे तो मां और बच्ची दोनों गायब मिलीं। कुछ देर बाद माता-पिता मेडिकल चौकी पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। मां और पिता के बयानों में अलग-अलग बातें सामने आई हैं। पुलिस अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर बच्ची और संदिग्ध महिला की तलाश कर रही है। संतकबीरनगर जिले के बेलहर कला थाना क्षेत्र के गोपालपुर निवासी राममनोहर की पत्नी रोशनी ने एक महीने पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ऑपरेशन से बच्ची को जन्म दिया था। तबीयत खराब होने पर 15 अक्टूबर को बच्ची को बीआरडी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। बाल सेवा संस्थान के एनआईसीयू में 500 नंबर बेड पर उसका इलाज चल रहा था। बच्ची की हालत में सुधार होने पर सोमवार सुबह करीब 11:30 बजे उसे फीडिंग के लिए कंगारू मदर केयर वार्ड में मां के पास भेजा गया। करीब दो घंटे बाद जूनियर डॉक्टर वार्ड में पहुंचे तो मां और बच्ची वहां नहीं मिलीं। जानकारी मिलने पर राममनोहर अस्पताल पहुंचे। इसके बाद वह पत्नी रोशनी के साथ मेडिकल चौकी गए और बच्ची के गायब होने की सूचना दी। बच्ची के पिता राममनोहर के मुताबिक, घटना से पहले सुबह से ही उनकी पत्नी की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। वह पत्नी की देखभाल के लिए आई अपनी साली को घर छोड़ने गए थे। उस समय वार्ड में रोशनी बच्ची के साथ अकेली थी। दोपहर में उन्हें फोन पर बच्ची के गायब होने की जानकारी मिली। वहीं, रोशनी का कहना है कि वह खाना खाने के लिए बच्ची को लेकर वार्ड से निकली थी। रुपये निकालने के लिए उसने पास खड़ी एक महिला को बच्ची संभालने के लिए दी थी। उसके मुताबिक, कुछ ही देर बाद महिला बच्ची को लेकर गायब हो गई। बच्ची के गायब होने की सूचना मिलते ही पुलिस सक्रिय हो गई। अस्पताल परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस मां और पिता के बयानों के आधार पर मामले की जांच कर रही है, ताकि बच्ची के गायब होने की स्थिति स्पष्ट हो सके और उसे जल्द बरामद किया जा सके।

सजा-ए-मौत पाए मुस्कान-साहिल की अपील हाईकोर्ट में स्वीकार

मेरठ के बहुचर्चित 'नीले ड्रम' कांड की सुनवाई 30 नवंबर को होगी

मेरठ, जीएनएस। मेरठ के बहुचर्चित 'नीले ड्रम' कांड मामले की मंगलवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई। फांसी की सजा पाए दोषी मुस्कान रस्तोगी और साहिल शुक्ला की याचिका को हाईकोर्ट ने स्वीकार कर लिया है। कोर्ट ने मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए अगली सुनवाई के लिए 30 नवंबर की तारीख तय की है। मुस्कान और साहिल ने मेरठ कोर्ट से मिली फांसी की सजा को इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी है। फांसी की सजा के खिलाफ दोषियों ने इलाहाबाद हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। मृत्युदंड और दोषसिद्धि के खिलाफ अपील मुस्कान रस्तोगी और साहिल शुक्ला ने ट्रायल कोर्ट के मृत्युदंड और दोषसिद्धि के आदेश को हाईकोर्ट में अपील दायर कर चुनौती दी है। दोनो ने अधिवक्ताओं के माध्यम से ये अपील दाखिल करते हुए मेरठ कोर्ट के 30 सितंबर को दोषसिद्धि और 14 अक्टूबर को फांसी की सजा के फैसले को रद्द करने की मांग करते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की है। कोर्ट में दोनों की तरफ से कोर्ट में सीनियर एडवोकेट सुशील शुक्ला, अधिवक्ता निधि त्रिवेदी, संदीप कुमार दुबे और अधिवक्ता रविंद्र प्रताप सिंह चंदेल पेश हुए। जस्टिस सलिल कुमार राय और जस्टिस पदम नारायण मिश्रा की डबल बेंच में मामले की सुनवाई हुई। मेरठ के चर्चित सौरभ राजपूत हत्याकांड यानी 'ब्लू ड्रम मर्डर केस' के दोषियों मुस्कान रस्तोगी और साहिल शुक्ला ने फांसी की सजा को इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी है। दोनों ने मेरठ जिला एवं सत्र न्यायालय के दोषसिद्धि और मृत्युदंड के आदेश को अवैध और मनमाना बताते हुए निरस्त करने की मांग की है। उन्होंने अपील में सभी आरोपों से बरी किए जाने का अनुरोध भी किया है। मेरठ की अदालत ने 30 सितंबर 2026 को दोनों को दोषी ठहराया था। इसके बाद 14 अक्टूबर को मौत की सजा सुनाई गई। अब दोनों ने अपने वकीलों के माध्यम से आपराधिक अपील दायर कर निचली अदालत के फैसले पर सवाल उठाए हैं। मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट की खंडपीठ में अगले सप्ताह सुनवाई होने की संभावना जताई गई है। अपील में कहा गया है कि अभियोजन पक्ष आरोपों को उचित संदेह से परे साबित करने में विफल रहा। दोषियों का तर्क है कि मामला परिस्थितिजन्य साक्ष्यों पर आधारित था, लेकिन निचली अदालत ने कानूनी सिद्धांतों की अनदेखी करते हुए अटकलों और अनुमानों के आधार पर निष्कर्ष निकाला। अपीलकर्ताओं ने हथियार, सीमेंट और ड्रम की खरीद से संबंधित गवाहों के बयानों में कथित विरोधाभास होने का दावा किया है।

सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा, कार्रवाई न होने पर पीड़ित परिवार ने दी आत्मदाह की चेतावनी

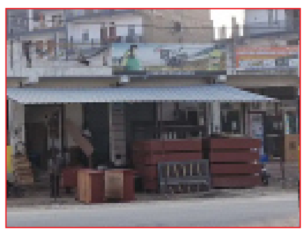

नोएडा, जीएनएस। गौतमबुद्ध नगर के लखनावली गांव में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे का मामला सामने आया है। सिंचाई विभाग और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की जमीन पर बहुमंजिला इमारत व मार्केट बनाने का आरोप है। कार्रवाई न होने पर पीड़ित परिवार ने एक हफ्ते में एक्शन न होने पर आत्मदाह की चेतावनी दी है। लखनावली निवासी दिनेश ने विभाग के अधिकारियों को शिकायत दी है। इसमें खसरा संख्या 186 और पुराने खसरा संख्या 327 की 317.71 वर्गमीटर जमीन सिंचाई परियोजना के लिए ली गई थी। आरोप है कि भू-माफियाओं ने इस सरकारी जमीन पर कब्जा कर लिया है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की खसरा संख्या 366, 367, 368, 369, 107, 109, 364, 493 और 151/870 पर भी अवैध निर्माण जारी है। शिकायत में श्यामवीर, महेश और रवि समेत कुछ लोग नामजद हैं। दिनेश का दावा है कि ये लोग अधिकारियों से मिलकर अवैध निर्माण कर रहे हैं। उन्होंने तुरंत जांच, निर्माण रोकने और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित दिनेश का कहना है कि वह और उसका परिवार पिछले कई वर्षों से सिंचाई विभाग और प्राधिकरण के चक्कर काट रहे हैं और लगातार अधिकारियों को लिखित शिकायतें दे रहे हैं, लेकिन आज तक कोई सुनवाई नहीं हुई। मिलीभगत के चलते आरोपियों के हौसले बुलंद हैं। पीड़ित ने चेतावनी दी है कि यदि एक सप्ताह के भीतर प्रशासन ने इस अवैध कब्जे की जांच कर दोषियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं की, तो वह अपने पूरे परिवार के साथ जिला कलेक्ट्रेट पर आत्मदाह करने के लिए विवश होंगे। अब यह देखना यह है कि जिला प्रशासन, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण और सिंचाई विभाग इस गंभीर मामले पर क्या त्वरित कदम उठाते हैं।

26 सोसायटियों को नोटिस, कहीं जांच में लिफ्ट में कैमरे और अलार्म खराब, कहीं ऑपरेटर नहीं मिले

नोएडा, जीएनएस। नोएडा और ग्रेटर नोएडा की 26 सोसायटियों, मॉल और अन्य परिसरों में लिफ्ट के सुरक्षा मानकों की अनदेखी सामने आई है। विद्युत सुरक्षा विभाग ने जांच के बाद इन सभी परिसरों को नोटिस जारी किए हैं। कहीं लिफ्ट ऑपरेटर और गार्ड नहीं मिले, तो कहीं कैमरे, इंटरकॉम और अलार्म सिस्टम काम नहीं कर रहे थे।

कई जगह मोटर और रोप के रखरखाव में भी कमी मिली। सहायक निदेशक, विद्युत सुरक्षा विभाग रमेश कुमार ने बताया कि शिकायतों के आधार पर सोसायटियों और अन्य परिसरों की जांच कराई गई थी। जांच में सभी जगह किसी न किसी तरह की खामी मिली। इसकी विस्तृत रिपोर्ट प्राधिकरण और प्रशासन को भेज दी गई है। संबंधित परिसरों को नोटिस देकर कमियां दूर करने के निर्देश दिए गए हैं। नोएडा और ग्रेटर नोएडा में लिफ्ट फंसने की घटनाएं लगातार सामने आती हैं। कई मामलों में बिजली सप्लाई बाधित होने को वजह बताया जाता है। विभाग के मुताबिक, बिजली जाने पर लिफ्ट को नजदीकी फ्लोर तक लाने के लिए ऑटोमेटिक रेस्क्यू डिवाइस होनी चाहिए। इससे लिफ्ट में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने में मदद मिलती है। जांच में कई परिसरों में लिफ्ट के लिए अलग बिजली बैकअप नहीं मिला। कुछ जगह बिजली जाने पर जनरेटर को हाथ से चालू करना पड़ता है। इससे लिफ्ट दोबारा शुरू होने में देर हो सकती है। जांच के दौरान कुछ जगह मोटर और रोप का नियमित रखरखाव नहीं होने की बात सामने आई। इससे उपकरणों में घिसावट और खराबी का खतरा बढ़ सकता है। कुछ सोसायटियों में कॉमन एरिया और लिफ्टों के लिए एक ही डीजी सेट लगा मिला। वहीं, कई जगह लिफ्ट के अंदर कैमरे, इंटरकॉम और अलार्म बटन की व्यवस्था में भी कमी मिली। आपात स्थिति में मदद के लिए प्रशिक्षित कर्मचारी भी नहीं मिले। ग्रेटर नोएडा वेस्ट की एम्स ग्रीन एवेन्यू सोसायटी के 10 टावरों में कुल 20 लिफ्ट लगी हैं। जांच के दौरान इनमें से सिर्फ 6 लिफ्ट ही चलती मिलीं। बेसमेंट में पानी भरा होने से भी लिफ्टों के संचालन पर असर पड़ने की बात सामने आई।

सूचना

मैने अपने पुत्र प्रकाश व पुत्रवधु श्रीमती किरन निवासी मोहल्ला भिटौरा फतेहगंज पश्चमी तहसील मीरगंज जिला बरेली को उनके खराब चाल चलन व गलत आचरण के कारण संबंध विच्छेद कर अपनी चल व अचल संपत्ति से सदैव के लिए बेदखल कर दिया है भविष्य मे उनके द्वारा किये किसी कृत्य का मैं सीताराम पुत्र लोचन राम निवासी मोहल्ला भिटौरा फतेहगंज पश्चमी तहसील मीरगंज जिला बरेली व मेरा परिवार जिम्मेदार नही होगा।

फिर टल सकती है कपसाड़ केस की ट्रायल प्रक्रिया

बचाव पक्ष के वकील को नहीं मिली केस फाइल, लेंगे समय

सुनीता, मृतक

मेरठ, जीएनएस। मेरठ के चर्चित कपसाड़ केस की ट्रायल प्रक्रिया उलझकर रह गई है। आज से ट्रायल शुरू होना था, लेकिन आरोपी पारस सोम की तरफ से केस लड़ने का ऐलान करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता नेपाल सिंह सोम को अभी तक केस से जुड़े दस्तावेज हेंडओवर नहीं किए गए हैं। उनका कहना है कि जब तक वह फाइल नहीं पढ़ लेते, तब तक वह केस कैसे लड़ सकते हैं। माना जा रहा है कि वह कोर्ट से फिर नई तिथि का आग्रह कर सकते हैं। मेरठ के सरधना थाना क्षेत्र के कपसाड़ गांव में 8 जनवरी, 2026 को सुनीता जाटव अपनी बेटी रूबी के साथ खेत पर काम करने जा रही थी। आरोप है कि इसी दौरान रूबी को गांव का रहने वाला पारस सोम अपने साथ ले गया। सुनीता ने इसका विरोध किया तो उन पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। घायल सुनीता को परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां उनकी मौत हो गई। दलित बनाम ठाकुर का रूप लेने लगा। बामुश्किल पुलिस ने स्थिति को संभाला। आनन फानन में सुनीता के बेटे नरसी कुमार की तहरीर पर मुकदमा दर्ज हुआ। पुलिस ने रूबी की तलाश शुरू की और आरोपी पारस सोम को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने करीब 48 घंटे के भीतर रूबी को बरामद कर लिया था। बाद में मजिस्ट्रेट के सामने रूबी के बयान दर्ज कराए गए। बयान के बाद रूबी काउंसलिंग के लिए आशा ज्योति केंद्र और आरोपी पारस सोम को जेल भेज दिया गया। मामले की गूंज लखनऊ तक पहुंची, जिसके बाद विपक्ष हावी होने लगा। पुलिस ने गांव को किले में तब्दील कर दिया। ना केवल राजनीतिक दलों बल्कि मीडिया की एंट्री पर रोक लगा दी गई। पीड़ित रूबी के घर के बाहर अस्थाई पिकेट भी तैनात कर दी गई। करीब चार माह तक पुलिस यहां तैनात रही। इसके बाद मामला शांत होता चला गया। दोनों पक्ष ने कोर्ट में लड़ाई शुरू की। पुलिस ने 647 पेज की चार्जशीट दाखिल की और 43 गवाह तैयार कर दिए। 17 अक्टूबर से कपसाड़ कांड का ट्रायल शुरू होना था लेकिन उससे पहले ही नरसी कुमार की तरफ से एडवोकेट राजेंद्र कुमार को हटाकर नये एडवोकेट रियासत अली को केस सौंप दिया गया। भीम आर्मी के संस्थापक व सांसद चंद्रशेखर आजाद के कहने पर एडवोकेट को बदला गया। हड़ताल के कारण 17 को ट्रायल शुरू नहीं हुआ और 23 तारीख लग गई।

जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में ट्रेजरी के माध्यम से 50 लाख रुपये से अधिक की कथित वित्तीय अनियमितता का मामला

ट्रेजरी घोटाले में उच्च न्यायालय सख्त, पुलिस से दस्तावेज लेकर इंक्वारी कमेटी को देने के निर्देश

फूलचंद की जनहित याचिका पर मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली व न्यायमूर्ति क्षितिज शैलेंद्र की खंडपीठ का आदेश

पीलीभीत, दिव्य प्रकाश ब्यूरो। जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में

-पुलिस के पास मौजूद सामग्री उपलब्ध कराने और पत्र अदालत में दाखिल करने को कहा
-चपरासी इल्हाम की बर्खास्तगी, सात महिलाओं की गिरफ्तारी और करोड़ों की रकम फ्रीज होने के बाद भी शासनस्तरीय जांच अधूरी

ट्रेजरी के माध्यम से 50 लाख रुपये से अधिक की कथित वित्तीय अनियमितता का मामला कार्रवाई और जांच के कई चरणों से गुजरने के बाद भी निर्णायक मोड़ तक नहीं पहुंच सका है। प्रकरण के मुख्य आरोपी बताए जा रहे इल्हाम उर्र रहमान शम्सी को चपरासी के पद से बर्खास्त किया जा चुका है, लेकिन शासन स्तर से गठित जांच समिति की अंतिम रिपोर्ट अब तक सामने नहीं आई है। इसी मामले में फूलचंद की ओर से दाखिल जनहित याचिका पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 26 अक्टूबर के ताजा आदेश में जांच के लिए जरूरी दस्तावेज पुलिस से उपलब्ध कराने की प्रक्रिया सुनिश्चित करने और संबंधित पुलिस अधिकारियों को भेजे गए पत्र को न्यायालय के अभिलेख पर रखने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई चार दिसंबर को होगी।

बता दें कि पीलीभीत में कोषागार के माध्यम से जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय से जुड़े करीब 50 करोड़ रुपये से अधिक के कथित सरकारी धन गबन का मामला अब इलाहाबाद हाईकोर्ट की निगरानी में है। जनता टेक्निकल इंटर कॉलेज, बीसलपुर के चपरासी इल्हाम उर्र रहमान शम्सी को नौकरी से बर्खास्त किया जा चुका है। पुलिस इस प्रकरण में सात महिलाओं को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है और जांच के दौरान 53 खातों में संदिग्ध लेनदेन की करीब 5.50 करोड़ रुपये की धनराशि फ्रीज कराए जाने की जानकारी भी सामने आई थी। इसके बावजूद शासन स्तर से गठित जांच समिति की अंतिम रिपोर्ट अब तक नहीं आई है। इसी मामले में फूलचंद की जनहित याचिका पर हाईकोर्ट ने 26 अक्टूबर के ताजा आदेश में जांच के लिए आवश्यक सामग्री पुलिस से उपलब्ध कराने की प्रक्रिया सुनिश्चित करने और संबंधित पुलिस अधिकारियों को भेजे गए पत्र को न्यायालय के अभिलेख पर रखने का निर्देश दिया है। अब चार दिसंबर को होने वाली सुनवाई में जांच की प्रगति महत्वपूर्ण होगी। इलाहाबाद हाईकोर्ट में मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली और न्यायमूर्ति क्षितिज शैलेंद्र की खंडपीठ के समक्ष जनहित याचिका संख्या 1442/2026 पर 26 अक्टूबर को सुनवाई हुई। न्यायालय के आदेश के मुताबिक, जिलाधिकारी के हस्ताक्षर से 24 अक्टूबर को प्रस्तुत निर्देशों के साथ जांच समिति का 23 अक्टूबर का पत्र भी संलग्न था। यह पत्र विशेष सचिव और जिलाधिकारी को भेजा गया था। समिति की अंतरिम रिपोर्ट में जांच के दौरान कामकाज के तरीके को संदिग्ध परिस्थितियों वाला बताया गया। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया कि जांच से संबंधित दस्तावेज पुलिस के पास हैं और जिला विद्यालय निरीक्षक, पीलीभीत से मूल अभिलेख प्रस्तुत कराने को कहा गया है। इस पर हाईकोर्ट ने राज्य सरकार के अधिवक्ता को संबंधित पुलिस अधिकारियों को निर्देशित करने को कहा, ताकि जांच समिति को आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई जा सके। पुलिस अधिकारियों को भेजे जाने वाले पत्र को भी जनहित याचिका के अभिलेख पर रखने का निर्देश दिया गया है। अदालत के आदेश में दस्तावेज उपलब्ध कराने की प्रक्रिया सुनिश्चित करने की बात है; यह नहीं कहा गया है कि सभी दस्तावेज समिति को सौंपे जा चुके हैं।26 अक्टूबर की सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से जांच पूरी करने के लिए और समय मांगा गया। इसके बाद हाईकोर्ट ने याचिका को चार दिसंबर 2026 को फिर सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया। अब अगली सुनवाई में जांच की प्रगति, दस्तावेजों की उपलब्धता और समिति की ओर से आगे की गई कार्रवाई पर नजर रहेगी। करोड़ों रुपये की कथित वित्तीय अनियमितता वाले इस प्रकरण में अंतिम जांच रिपोर्ट और उसके आधार पर होने वाली कार्रवाई का इंतजार बना हुआ है।

बर्खास्तगी और गिरफ्तारी के बाद भी अंतिम निष्कर्ष बाकी

प्रकरण में मुख्य आरोपी बताए गए इल्हाम उर्र रहमान शम्सी की बर्खास्तगी और कई आरोपितों की गिरफ्तारी के बाद भी शासनस्तरीय जांच का निष्कर्ष सामने नहीं आया है। जनहित याचिका के जरिए उठाए गए मुद्दों के बीच अब पुलिस के पास मौजूद दस्तावेज जांच समिति तक पहुंचाने और उनके आधार पर जांच पूरी कराने का सवाल महत्वपूर्ण हो गया है।

पहले भी जांच की धीमी गति पर उठे थे सवाल

इस मामले में हाईकोर्ट पहले भी जांच की प्रगति पर चिंता जता चुका है। 28 जुलाई 2026 के आदेश में न्यायालय ने कहा था कि 12 मार्च 2026 को जांच समिति गठित होने के बावजूद जांच बेहद धीमी गति से चल रही थी। आदेश में जिलाधिकारी के 17 फरवरी 2026 के उस उल्लेख का भी जिक्र था, जिसमें उच्च अधिकारियों की ओर से बड़े पैमाने पर गड़बड़ी की आशंका जताई गई थी। उस समय तक जांच में स्पष्ट प्रगति नहीं दिखाई देने पर अदालत ने जिलाधिकारी, पीलीभीत को व्यक्तिगत रूप से जांच की निगरानी करने और अगली सुनवाई पर अपने हस्ताक्षर से स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था। इसके बाद एक सितंबर के आदेश में न्यायालय ने जिलाधिकारी की ओर से प्रस्तुत अंतरिम रिपोर्ट का उल्लेख किया। इसमें पहले जांच के दायरे में आए तथ्यों से भी अधिक व्यापक गड़बड़ी सामने आने की बात कही गई थी। समिति को साक्ष्य जुटाने के लिए कुछ स्थानों का दौरा करना था। अदालत ने जिलाधिकारी को जांच की निगरानी जारी रखने और आवश्यक कार्रवाई तेजी से पूरी कराने की अपेक्षा जताई थी।

98 लेनदेन से शुरू हुई घोटाले की पड़ताल, सामने आए कई खाते

पुलिस की ओर से फरवरी 2026 में जारी विवरण के अनुसार, जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय से संबद्ध जनता टेक्निकल इंटर कॉलेज, बीसलपुर के चपरासी इल्हाम उर्र रहमान शम्सी पर वेतन बिल और टोकन तैयार करने के काम के दौरान कथित रूप से फर्जी बेनिफिशियरी पहचान बनाकर सरकारी धन गलत खातों में भेजने का आरोप लगाया गया था। प्रारंभिक जांच में 12 सितंबर 2024 से 98 लेनदेन के माध्यम से 1,01,95,135 रुपये पत्नी के खाते में भेजे जाने की बात सामने आई थी। इसी आधार पर कोतवाली सदर में मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस के बाद के विवरण में प्रकरण से जुड़े 53 खातों में संदिग्ध लेनदेन की करीब 5,50,54,594 रुपये की धनराशि फ्रीज कराए जाने की जानकारी दी गई थी। सात महिलाओं को गिरफ्तार किया गया था, जबकि मुख्य आरोपी की पत्नी अर्शी खातून को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका था। प्रारंभिक खबर में सात महिलाओं के खातों में कुल 8,14,93,223 रुपये भेजे जाने का भी उल्लेख किया गया था।

ट्रिपल मर्डर कांड में बड़ी कार्रवाई, थाना प्रभारी और चौकी प्रभारी निलंबित

लखनऊ,जीएनएस। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के सआदतगंज क्षेत्र में कार खड़ी करने को लेकर हुए विवाद में एक परिवार के तीन सदस्यों की गोली मारकर हत्या किए जाने के मामले में पुलिस आयुक्त तरुण गाबा ने संबंधित थाना प्रभारी और चौकी प्रभारी को निलंबित कर दिया है। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी। लखनऊ पुलिस ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि सोमवार को हुई घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस आयुक्त ने थाना प्रभारी संतोष कुमार आर्य और कश्मीरी मोहल्ला चैकी प्रभारी अजय कुमार चैरसिया को निलंबित कर दिया है। पुलिस के मुताबिक, मारे गए लोगों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के जिला सह-कार्यवाह शिवाजी तिवारी भी शामिल थे। उन्होंने बताया कि घटना के बाद भाजपा नेताओं और आरएसएस से जुड़े लोगों ने पीड़ित परिवार से मुलाकात की। परिजनों ने न्याय की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। उसने बताया कि मामले के आरोपी ऋषभ शुक्ला (30) को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके पास से कथित तौर पर वारदात में इस्तेमाल की गई पिस्तौल और चार खोखे बरामद किए गए हैं। आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजने के लिए अदालत में पेश किया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक, सआदतगंज के नौबस्ता स्थित ब्राह्मणी टोला में सोमवार को एक खाली भूखंड पर कार खड़ी करने को लेकर विवाद हुआ था। इस दौरान हुई गोलीबारी में तिवारी परिवार के शिवाजी तिवारी, शिवेंद्र तिवारी (55) और सुयश तिवारी (30) की मौत हो गई। उसने बताया कि शिवेंद्र तिवारी की पत्नी रुचि तिवारी की शिकायत पर आठ लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। घटनास्थल पर पहुंचे भाजपा की उत्तर प्रदेश इकाई के महासचिव अभिजात मिश्रा ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए पूरे थाने के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

मायावती ने राजनीतिक बयानबाजी पर जताई चिंता

बोलीं- नेताओं के बीच बढ़ती कटुता देशहित में नहीं

लखनऊ,जीएनएस।बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने भारतीय राजनीति में बढ़ती कटुता, आपसी अविश्वास और आरोप-प्रत्यारोप पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक बयानबाजी का स्तर अब व्यक्तिगत टिप्पणियों, अमर्यादित भाषा, जातिवाद और हिंसक बयानों तक पहुंचना दुखद है। इससे देश की गरिमा और राजनीतिक व्यवस्था पर जनता के भरोसे को नुकसान पहुंच सकता है।मायावती ने कहा कि शीर्ष पदों पर बैठे नेताओं को एक-दूसरे के प्रति सम्मान बनाए रखना चाहिए। आपत्तिजनक और विषैली राजनीति को किसी भी स्तर पर बढ़ावा नहीं दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि संकीर्ण और गरीब-विरोधी स्वार्थों से प्रेरित राजनीति के कारण लोगों का लोकतांत्रिक व्यवस्था पर विश्वास कमजोर होना देश और जनहित में नहीं है।बसपा प्रमुख ने कहा कि सरकारी स्तर पर भ्रष्टाचार और चुनावी प्रक्रिया को लेकर उठ रहे सवालों के बीच नेताओं के बीच आपसी टकराव से राजनीतिक माहौल और खराब हो रहा है। जनता चाहती है कि राजनीतिक दल गरीबी, बेरोजगारी और महंगाई जैसी गंभीर समस्याओं के समाधान पर ध्यान केंद्रित करें।मायावती ने कहा कि राजनीतिक दलों और उनके नेताओं के बीच अशोभनीय टिप्पणियों और बयानबाजी की बढ़ती होड़ से माहौल और कड़वा होगा। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों और नेताओं से इस पर गंभीरता से विचार करने तथा सार्वजनिक संवाद में मर्यादा बनाए रखने की अपील की।

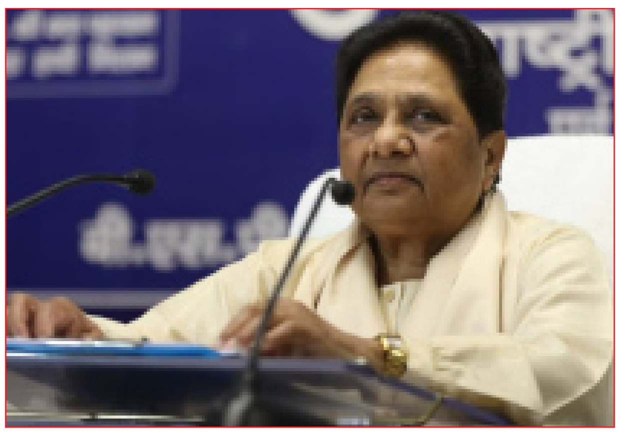

पीएम आवास योजना : पिपरा मुजफ्ता में गरीबों को दुत्कारा और रहीसों को बांट दिए मकान, आक्रोश

जांच टीम की कार्यशैली पर ग्रामीणों ने उठाए सवाल, डीएम से निष्पक्ष जांच की मांग

पीलीभीत, दिव्य प्रकाश ब्यूरो। प्रधानमंत्री आवास योजना में यदि वास्तविक जरूरतमंद ही अपात्र कर

डीएम ने पीडी डीआरडीए को सौंपी जांच, लाभार्थियों के चयन की खुलेगी परतें

दिए जाएं और पक्के मकानों में रहने वालों के चयन पर सवाल उठने लगें, तो सरकारी जांच व्यवस्था पर सवाल उठना लाजिमी है। पूरनपुर ब्लॉक की ग्राम पंचायत पिपरा मुजफ्ता में आवास योजना के लाभार्थियों के चयन को लेकर ऐसा ही विवाद सामने आया है। ग्रामीणों ने अधिकारियों की जांच रिपोर्ट पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया है कि गरीब, बेसहारा और विधवा महिलाओं को योजना से वंचित कर दिया गया, जबकि पक्के मकान और अन्य संपत्ति वाले लोगों को पात्रता का लाभ दे दिया गया। शिकायत पर जिलाधिकारी ने पीडी डीआरडीए को जांच सौंपकर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।ग्राम पंचायत पिपरा मुजफ्ता निवासी परमेश्वर दीन पुत्र कन्हई लाल और अनिल पुत्र कमलेश सहित ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को शिकायती प्रार्थना पत्र देकर आवास योजना में कथित मनमानी की शिकायत की है। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि अधिकारियों की टीम ने घर-घर जाकर जांच की, इसके बावजूद पात्रता निर्धारण में निष्पक्षता नहीं बरती गई। ग्रामीणों ने जांच रिपोर्ट पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि कथित सांठगांठ के चलते कुछ लोगों को पात्र घोषित कर दिया गया, जबकि वास्तविक जरूरतमंद परिवारों को अपात्र कर योजना के लाभ से वंचित कर दिया गया।

इन लोगों के पक्के मकान और जमीन

शिकायतकर्ताओं ने रामदेवी पत्नी अरविंद के दो कमरे और पक्का बरामदा, संध्या पत्नी बाबूराम के पक्के मकान और ट्रैक्टर, निर्मला पत्नी सुरेश के तीन एकड़ जमीन और पक्के मकान तथा प्रीति पत्नी सुस्वेंद्र के चार कमरे और पक्के बरामदे का हवाला दिया है। इसके अलावा निर्मला पत्नी रामपाल के पक्के मकान, गंगालाल पुत्र अर्जुन के पक्के मकान और धनदेवी पत्नी डालचंद के पक्के निर्माण का उल्लेख करते हुए इन लाभार्थियों की पात्रता की जांच कराने की मांग की गई है।

डीएम के निर्देश के बाद जांच पर टिकी निगाहें

शिकायतकर्ताओं ने जिलाधिकारी से पूरे प्रकरण की दोबारा निष्पक्ष जांच कराकर पात्र व्यक्तियों को आवास योजना का लाभ दिलाने और अनियमितता मिलने पर जिम्मेदारों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। जिलाधिकारी ने मामले की जांच पीडी डीआरडीए को सौंपकर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

चिड़ियादाह में सरकारी तालाब पर कब्जा! राजस्व विभाग ने रुकवाया अवैध निर्माण

गाटा संख्या 243 का मामला, रात के अंधेरे में फिर काम शुरू

पीलीभीत, दिव्य प्रकाश ब्यूरो। सरकारी तालाब पर कब्जे का

बरसों से इस तालाब पर दबंगों ने कर रखा है कब्जा

खेल इस कदर बेखौफ होकर चल रहा है कि शिकायत के बाद मौके पर पहुंची राजस्व टीम ने निर्माण रुकवाया, चेतावनी दी, लेकिन इसके बावजूद कथित अतिक्रमणकारियों के हौसले कम नहीं हुए। आरोप है कि दिन में प्रशासन की कार्रवाई के बाद रात के अंधेरे में फिर निर्माण कार्य जारी रहा और जिम्मेदार अमले को इसकी भनक तक नहीं लगी। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि सरकारी तालाब को कब्जामुक्त कराने की कार्रवाई आखिर जमीन पर कितनी प्रभावी है?

विकासखंड मरौरी के ग्राम चिड़ियादाह में सरकारी तालाब गाटा संख्या 243 पर अतिक्रमण का मामला सामने आया है। आरोप है कि कई लोगों ने तालाब पर कब्जा कर उसे मिट्टी से पाट दिया और पक्के मकानों का निर्माण करा लिया। मामले की शिकायत जिलाधिकारी से किए जाने के बाद राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने निरीक्षण के दौरान पाया कि कुछ लोग तालाब को पाटकर भवन निर्माण कर रहे थे।

राजस्व टीम ने तत्काल निर्माण कार्य रुकवाया और दोबारा काम शुरू करने पर कार्रवाई की चेतावनी दी। लेकिन आरोप है कि प्रशासनिक कार्रवाई के बावजूद देर रात निर्माण कार्य जारी रहा।तालाब सार्वजनिक संपत्ति होने के साथ जल संरक्षण का भी महत्वपूर्ण स्रोत हैं। ऐसे में सरकारी तालाब को पाटकर निर्माण किए जाने का आरोप गंभीर है। अब देखना होगा कि जिला प्रशासन गाटा संख्या 243 की पैमाइश कराकर कथित अतिक्रमण की स्थिति स्पष्ट करता है या नहीं और अवैध निर्माण की पुष्टि होने पर उसे हटाने के लिए ठोस कार्रवाई की जाती है या मामला केवल चेतावनी तक ही सीमित रह जाता है।

रिश्वत से इनकार : जाँच टीम ने काट दिया प्रधानमंत्री आवास की सूची से नाम, शिकायत

पक्के मकान वालों को पात्र घोषित करने का आरोप

पीलीभीत, दिव्य प्रकाश ब्यूरो। बरखेड़ा ब्लॉक की ग्राम पंचायत शहपुरा में प्रधानमंत्री आवास योजना की पात्रता सूची को लेकर गंभीर आरोप सामने आए हैं। भूमिहीन शिवकुमार ने जिलाधिकारी को शिकायती प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि आवास सर्वे करने पहुंची टीम ने उनसे दो हजार रुपए की मांग की। रुपये देने से इनकार करने पर उनका नाम आवास सूची से काट दिया गया। शिकायतकर्ता का दावा है कि पक्के मकान और जमीन रखने वाले लोगों को पात्र घोषित कर दिया गया, जबकि बारिश में टपकती छत के नीचे रह रहा उसका परिवार योजना के लाभ से वंचित है। शिवकुमार पुत्र केदारनाथ के अनुसार, ग्राम शहपुरा में आवास योजना के सर्वे के दौरान टीम ने उनसे रुपए मांगे। आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण उन्होंने रुपये देने से इनकार कर दिया। आरोप है कि इसके बाद उनका नाम आवास सूची में शामिल नहीं किया गया। शिकायतकर्ता ने पात्रता निर्धारण की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए हैं। आरोप है कि सुनीता देवी पत्नी महेंद्र पाल के पास पीलीभीत की राजीव कॉलोनी में दो मंजिला मकान और करीब दो एकड़ जमीन है। इसके बावजूद शिकायत के बाद हुई जांच में उन्हें पात्र घोषित कर दिया गया। इसी तरह ममता गोयल पत्नी विष्णु कुमार के पास राजीव कॉलोनी में दो मंजिला मकान और गांव में पक्का आवास होने का दावा किया गया है। शिकायत में शिशुपाल पुत्र टीकाराम का भी उल्लेख है। आरोप है कि उनके पास ट्रैक्टर, करीब दो एकड़ जमीन और टाइल्स-पत्थर लगा पक्का मकान है। शिवकुमार ने इन मामलों की जांच कराकर आवास योजना की पात्रता सूची की निष्पक्ष समीक्षा कराने की मांग की है। हालांकि, आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है।शिवकुमार का आरोप है कि उन्होंने आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद जांच टीम गांव पहुंची, लेकिन उस समय वह घर पर मौजूद नहीं थे। शिकायतकर्ता के मुताबिक, टीम ने उनकी पत्नी को किसी दूसरे मकान के सामने खड़ा कराकर फोटो खींचा और हस्ताक्षर करा लिए। इसके बाद शिकायत का निस्तारण कर दिया गया।पीड़ित के अनुसार, उसके घर की छत बारिश में टपकती है और परिवार को बेहद कठिन परिस्थितियों में रहना पड़ रहा है। उसने खुद को भूमिहीन बताते हुए कहा कि आवास योजना का वास्तविक जरूरतमंद होने के बावजूद उसे लाभ से वंचित किया गया। शिवकुमार ने जिलाधिकारी से मामले की जांच उच्च अधिकारियों से कराने, सर्वे टीम की भूमिका की पड़ताल करने और आईजीआरएस शिकायत के निस्तारण की समीक्षा की मांग की है। उन्होंने पात्रता की पुष्टि होने पर प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने की भी गुहार लगाई है।

आजादी के बाद का इंतजार खत्म! देवहा पर बना घुंडीघाट पुल तैयार

बीसलपुर-खुदागंज के दर्जनों गांवों को मिलेगी राहत, केंद्रीय मंत्री से उद्घाटन की मांग

पीलीभीत, दिव्य प्रकाश ब्यूरो। आजादी के बाद से देवहा नदी पर पुल का इंतजार कर रहे बीसलपुर और खुदागंज क्षेत्र के लोगों के लिए राहत भरी खबर है। शाहबाजपुर-घुंडीघाट पर देवहा नदी के पुल का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है और इंजीनियरों की टीम इसकी क्षमता समेत अन्य तकनीकी पहलुओं की टेस्टिंग कर रही है। टेस्टिंग पूरी होने के बाद दीपावली से पहले पुल पर यातायात शुरू होने की संभावना जताई जा रही है। इससे क्षेत्र के दर्जनों गांवों के किसानों और आम लोगों को आवागमन की बड़ी सुविधा मिलेगी।

(क्रांति विचार मंच के नेता देवसरूप पटेल)

क्रांतिकारी विचार मंच उत्तर प्रदेश के प्रांतीय संरक्षक एवं किसान नेता देव स्वरूप पटेल ने बताया कि भारत सरकार की ओर से नेशनल हाईवे के तहत इस बड़े सड़क मार्ग का निर्माण कराया गया है। लिपुलेख-भिंड अंतरराज्यीय हाईवे के रूप में विकसित हो रहा यह मार्ग उत्तराखंड के टनकपुर स्थित मां पूर्णागिरि धाम से मझोला, पीलीभीत, बरखेड़ा, बीसलपुर, शाहजहांपुर के खुदागंज, कटरा और जलालाबाद होते हुए फर्रुखाबाद तक सीधा संपर्क स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे यात्रियों को कम दूरी में आवागमन की सुविधा मिलने के साथ ही क्षेत्र के विकास को भी गति मिलेगी। देव स्वरूप पटेल ने कहा कि घुंडीघाट पर देवहा नदी के ऊपर पुल नहीं होने से बीसलपुर और खुदागंज क्षेत्र के कई दर्जन गांवों के किसानों को कृषि कार्यों के लिए आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। नदी पर सीधा संपर्क मार्ग उपलब्ध न होने के कारण किसानों को अपने खेतों तक पहुंचने और कृषि संबंधी कार्य करने में परेशानी होती थी। हाईवे और पुल के निर्माण की शुरुआत के बाद से ही क्षेत्र में विकास की उम्मीद बढ़ी है। पुल शुरू होने से किसानों, व्यापारियों और आम यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी तथा आसपास के क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलने की संभावना है।

जितिन प्रसाद से जल्द उद्घाटन कराने का आग्रह

किसान नेता ने कहा कि इस महत्वपूर्ण परियोजना को जल्द जनता को समर्पित कराने के लिए पीलीभीत के सांसद एवं केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से लगातार पैरवी की है। उन्होंने बीसलपुर, पीलीभीत और खुदागंज-कटरा क्षेत्र की जनता की ओर से केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद से आग्रह किया कि घुंडीघाट पुल का जल्द उद्घाटन कराकर हाईवे पर यातायात शुरू कराया जाए।

संपादकीय

उत्तर प्रदेश का निर्णायक प्रश्न

आगामी विधानसभा चुनावों वाले राज्यों में सबसे अधिक चर्चा में है उत्तर प्रदेश, क्योंकि केंद्र की सत्ता का रास्ता इसी राज्य से होकर जाता है। ऐसे में, इस प्रदेश का विधानसभा चुनाव केवल इस आधार पर नहीं होना चाहिए कि कौन-सा दल किन जातियों का बड़ा गठजोड़ बना सकता है। असली प्रश्न यह है कि नागरिक अपनी सरकार से क्या अपेक्षा रखता है: सुरक्षा, अवसर, सम्मान और विकास या फिर शिकायत दर्ज कराने, नौकरी पाने और सरकारी लाभ तक पहुंचने के लिए किसी जातीय संरक्षक की तलाश?योगी आदित्यनाथ के पक्ष में मजबूत तर्क यही है कि उन्होंने राजनीति की दिशा को जातीय संरक्षण से निकालकर कानून के शासन की ओर मोड़ने का प्रयास किया है। अखिलेश यादव की राजनीति का केंद्रीय सूत्र 'पीडीए'-पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक-है। सामाजिक न्याय का प्रश्न महत्वपूर्ण है, प्रतिनिधित्व भी जरूरी है, मगर उत्तर प्रदेश जैसे राज्य को केवल जातियों के जोड़-घटाव से नहीं चलाया जा सकता।राज्य तब आगे बढ़ता है जब हर नागरिक को यह भरोसा हो कि कानून उसकी जाति, पंथ, उपनाम देखकर नहीं बदलेगा। हाल की राजनीतिक भाषा में यह अंतर साफ दिखता है। 2017 से पहले प्रदेश में 'रूल आफ माफिया' था और अब 'रूल आफ ला' है। योगी का यह कथन केवल राजनीतिक नारा नहीं, शासन की स्पष्ट अवधारणा है। दूसरी तरफ अखिलेश यादव अपनी रणनीति को मुस्लिम-यादव आधार, पीडीए और युवाओं की नाराजगी के गठजोड़ के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं। एक ओर राज्य की प्रकृति का प्रश्न है। दूसरी ओर सत्ता तक पहुंचने के लिए सामाजिक समूहों की चुनावी गोलबंदी।जाति का प्रश्न अप्रासंगिक नहीं है। उत्तर प्रदेश में वंचित रहे दलितों, पिछड़ों और कमजोर वर्गों को प्रतिनिधित्व, आरक्षण, सम्मान और सुरक्षा चाहिए, लेकिन सामाजिक न्याय और जातिवादी राजनीतिक संरक्षण एक ही बात नहीं। किसी दलित-पिछड़े परिवार को अन्याय के समय यह आश्वासन नहीं चाहिए कि चुनाव बाद उसकी जाति की राजनीतिक हिस्सेदारी बढ़ेगी। किसी गरीब पिछड़े युवा को सरकारी नौकरी के लिए निष्पक्ष परीक्षा चाहिए, किसी मंत्री या स्थानीय दलाल तक पहुंच नहीं। यदि थाने निष्पक्ष हों, भर्ती पारदर्शी हो, राशन और आवास योजना बिचौलियों के बिना मिले, सड़क और बिजली हर गांव तक पहुंचे, तो जाति की राजनीतिक निर्भरता स्वाभाविक रूप से कमजोर होगी। यह जाति की सामाजिक वास्तविकता से आंख चुराना नहीं। नागरिक को जाति-आधारित राजनीतिक संरक्षकत्व से मुक्त करना है।योगी शासन में 2017 से अब तक 9.5 लाख से अधिक सरकारी नियुक्तियां दी गई हैं और आगे भी बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन का लक्ष्य है। योगी सरकार का गैर-राजपत्रित समूह 'ख', 'ग' और 'घ' के अनेक पदों में साक्षात्कार की व्यवस्था समाप्त करने का फैसला भी महत्वपूर्ण रहा। साक्षात्कार वह स्तर था, जहां सिफारिश, पहचान और प्रभाव की आशंका सबसे अधिक होती थी। प्रतिनिधित्व के आंकड़े भी इस तर्क को बल देते हैं।2024 में उपलब्ध सरकारी आंकड़ों के अनुसार लोक सेवा चयन आयोग की 46,675 नियुक्तियों में 17,929 चयनित अभ्यर्थी ओबीसी वर्ग से थे यानी लगभग 38.41 प्रतिशत। एससी-एसटी के चयनितों को जोड़ दें तो आरक्षित वर्गों की हिस्सेदारी 60 प्रतिशत से अधिक रही। यह आंकड़ा सभी सरकारी नियुक्तियों का समग्र चित्र नहीं है, फिर भी यह उस धारणा को चुनौती देता है कि वंचित समुदायों की प्रगति केवल उन्हीं दलों के माध्यम से संभव है, जो उनकी पहचान पर विशेष राजनीतिक दावा करते हैं।पीडीए के पक्ष में आवाज उठाते हुए सपा को यह भी स्पष्ट करना होगा कि राज्य की संस्थाओं को जातीय प्रभाव से मुक्त कैसे रखा जाएगा? छोटी और अति-पिछड़ी जातियां बड़े सामाजिक समूहों के वर्चस्व से कैसे बचेंगी? भर्ती में प्रभावशाली परिवारों और जातीय नेटवर्क की भूमिका कैसे खत्म होगी? कानून का राज तभी विश्वसनीय बनता है, जब सत्तारूढ़ दल से निकटता भी न्यायिक प्रक्रिया से बचाव की ढाल न बन सके। भाजपा विधायक रहे अशोक चंदेल को 2019 में इलाहाबाद हाई कोर्ट से आजीवन कारावास की सजा मिली थी। कानून का राज विकास की पहली शर्त है।जिस प्रदेश में जमीन पर कब्जे का डर हो, माफिया का दबदबा हो, निवेशक असुरक्षित हो और गरीब को न्याय पाने के लिए सिफारिश खोजनी पड़े, वहां विकास टिकाऊ नहीं हो सकता। कानून की समानता छोटे व्यापारी को भी उतना ही बल देती है, जितना बड़े उद्यमी को देती है। इसी तरह वह जितनी आजादी किसी आम परिवार की महिला देती है, उतनी ही संपन्न घर की नारी को। योगी सरकार का जाति-आधारित राजनीतिक रैलियों और पुलिस दस्तावेजों में अनावश्यक जाति-उल्लेख को सीमित करने का कदम इसी दिशा में देखा जाना चाहिए। इसका अर्थ जातिगत अत्याचार को नकारना नहीं हो सकता-एससी/एसटी अत्याचार निवारण कानून में जाति की पहचान आवश्यक है, पर सामान्य आपराधिक प्रक्रिया में नागरिक की पहचान जाति से पहले उसके अधिकारों और विधिक स्थिति से होनी चाहिए।योगी सरकार के सामने चुनौतियां भी कम नहीं हैं। पेपर लीक, पुलिस की मनमानी जैसी शिकायतों पर उसे संवेदनशील और कठोर, दोनों होना होगा। कानून का शासन केवल कठोर कार्रवाई का नाम नहीं। उसमें न्यायिक प्रक्रिया, संविधान की मर्यादा और निर्दोष के अधिकारों की सुरक्षा अनिवार्य है। यही योगी माडल की विश्वसनीयता की कसौटी भी है। उत्तर प्रदेश के सामने विकल्प जाति को स्वीकार करने या उसे नकारने का नहीं है।विकल्प यह है कि क्या जाति को स्थायी राजनीतिक खांचों में बदल दिया जाए या ऐसी संस्थाएं बनाई जाएं,

स्तरहीनता एवं विरोध की भाषा में उलझती कांग्रेस

ललित गर्ग

लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष एक-दूसरे के विरोधी अवश्य होते हैं, लेकिन उनकी भाषा शत्रुता की नहीं, वैचारिक प्रतिस्पर्धा की होनी चाहिए। राजनीतिक मतभेद लोकतंत्र की शक्ति हैं, पर जब ये मतभेद व्यक्तिगत कटाक्ष, पारिवारिक टिप्पणियों और अपमानजनक शब्दों में बदलने लगते हैं, तब राजनीति का स्तर गिरता है और लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा प्रभावित होती है। भारतीय राजनीति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति कांग्रेस के अनेक नेताओं की आक्रामक टिप्पणियों और अब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के पटना में दिए गए विवादास्पद बयान ने एक बार फिर भाषाई मर्यादा पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। 25 अक्टूबर 2026 को पटना में बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री डॉ. श्रीकृष्ण सिंह की 139वीं जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में खड़गे की एक टिप्पणी राजनीतिक विवाद का कारण बन गई। कार्यक्रम में उपस्थित एक व्यक्ति की टिप्पणी के जवाब में उन्होंने कहा, 'मोदी का बाप भी जाएगा।' इस बयान की भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने तीखी आलोचना की। दूसरी ओर, कांग्रेस ने इस टिप्पणी को वैचारिक संदर्भ में समझाने का प्रयास किया। समाचारों के अनुसार संबंधित व्यक्ति ने भी बाद में कहा कि उसकी पूरी बात नहीं सुनी गई थी। इस घटनाक्रम के विभिन्न पक्ष अपनी-अपनी व्याख्या प्रस्तुत कर रहे हैं, लेकिन विवाद से अलग एक बुनियादी प्रश्न अपनी जगह कायम है-क्या देश के सर्वोच्च राजनीतिक पद पर आसीन व्यक्ति के प्रति विरोध जताने का यही तरीका होना चाहिए?खड़गे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हैं और लंबे राजनीतिक अनुभव के साथ पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। ऐसे व्यक्ति से सार्वजनिक मंच पर अधिक संयम और विवेक की अपेक्षा स्वाभाविक है। राजनीतिक सभा में कोई प्रतिकूल टिप्पणी हो जाए, तो उसका उत्तर तर्क, तथ्य और आत्मविश्वास से दिया जा सकता है। लेकिन जब जवाब व्यक्तिगत

संबंधों और परिवार तक पहुंच जाए, तब मुद्दे की गंभीरता पीछे छूट जाती है और शब्दों का विवाद मुख्य समाचार बन जाता है। राजनीति में शब्द केवल वक्ता की तत्काल प्रतिक्रिया नहीं होते, वे उसकी सार्वजनिक जिम्मेदारी और लोकतांत्रिक संस्कारों की भी परीक्षा लेते हैं। कांग्रेस की राजनीति में नरेंद्र मोदी को लेकर तीखे और विवादास्पद वक्तव्यों का इतिहास भी इस बहस को व्यापक संदर्भ देता है। वर्ष 2007 में सोनिया गांधी ने गुजरात विधानसभा चुनाव के दौरान मोदी के लिए 'मौत का सौदागर' शब्द का प्रयोग किया था। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में मणिशंकर अय्यर की 'चायवाला' संबंधी टिप्पणी ने भी बड़ा राजनीतिक विवाद पैदा किया। बाद के वर्षों में राहुल गांधी के 'चौकीदार चोर है' नारे ने राजनीतिक बहस को व्यक्तिगत आरोपों की दिशा में मोड़ा। इन बयानों के पीछे अपने-अपने राजनीतिक संदर्भ और वक्ताओं की दलीलें रही हैं, लेकिन इनका सार्वजनिक प्रभाव इस प्रश्न को सामने लाता है कि क्या किसी नेता की आलोचना उसके कामकाज तक सीमित रखी जा सकती है, अथवा उसे व्यक्तिगत उपहास का विषय बनाना आवश्यक समझा जाने लगा है?प्रियंका गांधी सहित कांग्रेस के अन्य नेताओं ने भी मोदी और उनकी सरकार के विरुद्ध कई अवसरों पर तीखे राजनीतिक हमले किए हैं। यह ध्यान रखना जरूरी है कि तीखी आलोचना अपने आप में अमर्यादित नहीं होती। सरकार की नीतियों, बेरोजगारी, महंगाई, सामाजिक सद्भाव, लोकतांत्रिक संस्थाओं और प्रशासनिक निर्णयों पर कठोर सवाल उठाना विपक्ष का संवैधानिक दायित्व है। समस्या तब उत्पन्न होती है, जब नीतिगत असहमति को व्यक्तिगत अपमान से जोड़ दिया जाता है और तर्क के स्थान पर कटाक्ष को राजनीतिक प्रभाव का माध्यम बनाया जाने लगता है। किसी नेता के प्रत्येक बयान को एक ही श्रेणी में रखना उचित नहीं, लेकिन बार-बार होने वाले विवादों से राजनीतिक भाषा के स्तर पर विचार करने की आवश्यकता अवश्य पैदा होती है। यहां कांग्रेस के सामने एक बड़ी चुनौती है। विपक्ष के रूप में उसकी सार्थकता इस बात से तय होगी कि वह जनता के जीवन से जुड़े प्रश्नों पर कितना प्रभावी विमर्श खड़ा करती है। किसानों की समस्याएं, युवाओं के रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक असमानता और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों पर ठोस विकल्प प्रस्तुत करना उसकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। यदि सार्वजनिक चर्चा बार-बार प्रधानमंत्री पर व्यक्तिगत टिप्पणियों तक सिमट जाती है, तो नीतिगत बहस पीछे छूटने का खतरा रहता है। इससे विपक्ष की आलोचना का वास्तविक आधार भी कमजोर पड़ सकता है। राजनीतिक विमर्श में मुद्दों की जगह व्यक्तियों को केंद्र में रख देने से लोकतंत्र को अपेक्षित लाभ नहीं मिलता।दूसरी ओर नरेंद्र मोदी का व्यक्तित्व और उनकी वैश्विक सक्रियता भारतीय राजनीति के महत्वपूर्ण पहलू हैं। प्रधानमंत्री के रूप में उनकी विदेश यात्राएं, विभिन्न देशों के नेतृत्व के साथ संवाद, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की भागीदारी और आर्थिक एवं रणनीतिक साझेदारियों को आगे बढ़ाने के प्रयास देश की वैश्विक भूमिका से जुड़े हैं। उनके समर्थक इन गतिविधियों को भारत की प्रतिष्ठा और प्रभाव में वृद्धि के रूप में देखते हैं। साथ ही, किसी भी प्रधानमंत्री के कार्यकाल का निष्पक्ष आकलन केवल अंतरराष्ट्रीय छवि से नहीं, बल्कि घरेलू नीतियों, आर्थिक परिणामों, सामाजिक समावेशन और शासन के रिकॉर्ड से भी किया जाना चाहिए। लोकतंत्र की सुंदरता इसी में है कि नेतृत्व की उपलब्धियों का सम्मान हो और उसके निर्णयों की आलोचनात्मक समीक्षा भी संभव बनी रहे। यह भी विचारणीय है कि किसी नेता के विरुद्ध जितनी अधिक व्यक्तिगत और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल होता है, उतना ही उसके समर्थकों में प्रतिक्रिया की भावना पैदा हो सकती है। नरेंद्र मोदी के संदर्भ में कांग्रेस की आलोचना का राजनीतिक असर हमेशा एक जैसा रहा हो, ऐसा निष्कर्ष निकालना तथ्यों से परे होगा। चुनावी परिणाम अनेक कारणों से प्रभावित होते हैं-नेतृत्व, संगठन, स्थानीय मुद्दे, उम्मीदवार, गठबंधन और मतदाताओं की अपेक्षाएं। फिर भी, यह एक महत्वपूर्ण राजनीतिक जोखिम है कि यदि विपक्ष अपनी आलोचना को प्रमाण और नीतिगत विकल्पों के बजाय व्यक्तिगत टिप्पणियों पर आधारित करता है, तो वह अपनी बात जनता तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने का अवसर खो सकता है। इसके विपरीत भाजपा को भी केवल विरोधियों के विवादास्पद बयानों पर प्रतिक्रिया देने के बजाय अपने कामकाज और नीतियों के आधार पर जनता के सामने जवाबदेह रहना चाहिए।राजनीति की भाषा समाज के व्यवहार को प्रभावित करती है। जब शीर्ष नेता सार्वजनिक मंचों पर संयम खोते हैं, तब उनके समर्थकों और राजनीतिक कार्यकर्ताओं के बीच भी कटुता बढ़ने की आशंका रहती है। सोशल मीडिया इस प्रवृत्ति को और तेज कर देता है, जहां किसी बयान का छोटा-सा अंश पूरे विमर्श पर हावी हो सकता है। इसलिए नेताओं को बोलने से पहले शब्दों के सामाजिक प्रभाव और पद की गरिमा पर विचार करना चाहिए। राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी को अपमानित करना और उसके तर्क को पराजित करना दो अलग बातें हैं, लोकतंत्र में दूसरी बात अधिक महत्वपूर्ण है। अंततः कांग्रेस हो या भाजपा, किसी भी दल की वास्तविक राजनीतिक शक्ति उसकी भाषा की आक्रामकता से नहीं, बल्कि उसके विचारों, नीतियों, जनसेवा और जनता के विश्वास से निर्धारित होनी चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी की आलोचना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन आलोचना तथ्यों और तर्कों पर आधारित होनी चाहिए। इसी प्रकार कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे हों या सत्तापक्ष के अन्य नेता सभी से अपेक्षा है कि वे असहमति को अपमान में न बदलें। राजनीति में शब्दों की मर्यादा कोई औपचारिक शिष्टाचार नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा है। सत्ता बदलेगी, नेता बदलेंगे और दलों की स्थितियां बदलेंगी, लेकिन सार्वजनिक जीवन में बोले गए शब्द लंबे समय तक समाज की स्मृति में रहते हैं। इसलिए राजनीति को कटुता की नहीं, संवाद की भाषा चाहिए, क्योंकि लोकतंत्र में विचारों की विजय होनी चाहिए, व्यक्तिगत अपमान की नहीं।

विश्व सम्मेलन में प्रधानमंत्री द्वारा विपक्ष के नेता का उपहास करना हास्यास्पद

डॉ. ज्ञान पाठक

प्रधानमंत्री को विपक्ष के नेता की जोरदार आलोचना करने का अधिकार है, लेकिन पद की गरिमा कड़ी राजनीतिक आलोचना और व्यक्तिगत उपहास के बीच अंतर की मांग करती है। फिर भी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22 अक्टूबर 2026 को एनडीटीवी द्वारा आयोजित एक विश्व सम्मेलन में अपने प्रतिद्वंद्वी लोक सभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी का उपहास किया, जहां दर्शक मुख्य रूप से भारत की वैश्विक स्थिति में रुचि रखते थे और एक सामान्य भारतीय चुनावी रैली में भाग नहीं ले रहे थे। स्पष्ट रूप से, प्रधानमंत्री मोदी ने राजनेता के रूप में चूक की, जब उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी को श्असफल उत्पादश् कहकर व्यक्तिगत उपहास किया, अव्यवस्था का सपना देखने का आरोप लगाया, अपने मुख्य प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक दल कांग्रेस को श्परजीवीश् कहा और कहा कि उस पर दिमागी नक्सलियों का प्रभुत्व है, जो भारत को बदनाम करने और नष्ट करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने और भी बहुत कुछ कहा जिसे उनके पद की गरिमा और अवसर के आधार पर अनुचित कहा जायेगा। यह आश्चर्य की बात थी कि एक विश्व सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने अपने प्रतिद्वंद्वी नेता और राजनीतिक

दल की आलोचना करते हुए सत्तारूढ़ भाजपा के नेता के रूप में बात की और ऐसा लगा कि वह भूल गए थे कि वह भारत की सरकार के चुने हुए प्रमुख हैं और उन दर्शकों के सामने बोल रहे थे जो उन मुद्दों में रुचि रखते थे जिनका दुनिया आज सामना कर रही है, न कि भारत के अन्दर की उस राजनीति में जो घटिया स्तर की मानी जाती है। किसी देश की प्रतिष्ठा के लिए खासकर विश्व सम्मेलन में प्रधानमंत्री की भाषा मायने रखती है। किसी राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी को श्विफल उत्पादश् कहना उसके राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ लक्षित एक प्रभावी राजनीतिक कटाक्ष हो सकता है, लेकिन यह नेतृत्व, नीति और लोकतांत्रिक जवाबदेही के बारे में बहस को उपहास के रूप में बहुत ही छोटा कर देता है। मोदी तर्क देते रहे हैं कि कांग्रेस वैश्विक दर्शकों के सामने विदेशों में भारत की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाती रही है। फिर भी, वह स्वयं वैश्विक दर्शकों के सामने अपने प्रतिद्वंद्वी की छवि खराब कर रहे थे, केवल इसलिए क्योंकि उनके प्रतिद्वंद्वी राहुल गांधी उनकी सरकार के खिलाफ निर्मम आलोचना कर रहे हैं जो उनके लिए बहुत शर्मनाक है, जैसे कि चुनाव जीतने के लिए वोट की चोरी। लेकिन लोकतंत्र में किसी सरकार की आलोचना स्वतरू ही देश की आलोचना नहीं होती। प्रधानमंत्री के पास एक बड़ा सार्वजनिक मंच और एक सामान्य सत्तारूढ़ पार्टी के प्रवक्ता की तुलना में अधिक संस्थागत अधिकार होता है। यह एक उचित उम्मीद पैदा करता है कि वह राजनीतिक विरोधियों को किसी विश्व सम्मेलन में नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय सभा में ही दांव पर लगे मुद्दों के महत्व के प्रश्नों पर अनुपातिक तर्कों के साथ जवाब दें न कि किसी भी उल-जुलूल उपहास के शब्दों से। राहुल गांधी भी विशेष रूप से 2024 के बाद से आक्रामक रहे हैं और आरोप लगाते रहे हैं कि प्रधानमंत्री मोदी मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के साथ मिले हुए हैं और वोट चोरी से चुनाव जीत रहे हैं। 2 अक्टूबर 2026 से, राहुल गांधी ने सरकार के प्रति अपना विरोध तेज कर दिया है और सीईसी ज्ञानेश कुमार को हटाने और 13 करोड़ से अधिक मतदाताओं को मतदाता सूची से हटाने वाले एसआईआर को रद्द करने की मांग कर रहे हैं। इसी पृष्ठभूमि में, प्रधानमंत्री मोदी ने बदलती विश्व व्यवस्था को समर्पित एक विश्व सम्मेलन में राहुल गांधी और कांग्रेस का मजाक उड़ाते हुए उन्हें भारत का दुश्मन बताया है। प्रधानमंत्री द्वारा अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी विपक्ष के नेता का उपहास भारत की राजनीतिक परिपक्वता को प्रदर्शित नहीं करता है, और इसलिए उन्होंने खुद को हास्यास्पद बना लिया। अंततः, एक प्रधानमंत्री का कद इस बात से नहीं मापा जाता है कि वह अपने प्रतिद्वंद्वी का कितने प्रभावी ढंग से उपहास करता है, बल्कि इससे मापा जाता है कि वह अपने पद की गरिमा के प्रति सचेत रहते हुए उस प्रतिद्वंद्वी के तर्कों और प्रश्नों का कितनी दृढ़ता और सटीकता से जवाब देता है। अपनी आलोचना में प्रधानमंत्री मोदी आम तौर पर अपनी सरकार के रिकॉर्ड का बचाव करते हैं, कांग्रेस की विश्वसनीयता को चुनौती देते हैं, भाजपा को राष्ट्रीय विकास, स्थिरता और हिंदू सांस्कृतिक पहचान की पार्टी के रूप में पेश करते हैं। वह और उनकी पार्टी राहुल गांधी का उपहास भी उड़ाते रहे हैं, लेकिन राहुल गांधी के सवालों का जवाब देने से बचते रहे हैं जबकि विपक्ष के नेता लगातार सवाल उठाते रहे हैं। यह ध्यान देने योग्य है कि राहुल गांधी ने अपनी आलोचनाओं में अक्सर ऐसे मुद्दे उठाए हैं जो प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा के लिए काफी शर्मिंदगी का कारण बने हैं। वे आमतौर पर सरकार के कामकाज की समीक्षा करते हैं, आर्थिक लाभों के वितरण पर सवाल उठाते हैं, और भाजपा के सांप्रदायिक एजंडे, संवैधानिक सुरक्षा उपायों, सामाजिक असमानता और संस्थागत जवाबदेही जैसे मुद्दों को उजागर करते हैं। विपक्ष के नेता के रूप में, वे सरकार के कामकाज के रिकॉर्ड को चुनौती देते हैं और जवाबदेही की मांग करते हैं। राहुल गांधी, मोदी के शासन, सत्ता के केंद्रीकरण, आर्थिक असमानता और भाजपा के राजनीतिक दृष्टिकोण पर सवाल उठाते हैं। वे मोदी सरकार द्वारा संवैधानिक प्रावधानों के उल्लंघन पर सवाल उठाते हैं और कहते हैं कि भारत के चुनाव आयोग सहित हर संवैधानिक संस्था को कमजोर किया गया है। देश की संपत्ति कुछ ही हाथों में सिमटती जा रही है, और लोग बढ़ती असमानता तथा बड़े पैमाने पर बेरोजगारी से जूझ रहे हैं। वे किसानों और मजदूरों से जुड़े मुद्दे भी उठाते हैं। वे अक्सर अपनी आलोचना को संवैधानिक बहुलवाद, अल्पसंख्यकों के अधिकारों और सरकार तथा राष्ट्र के बीच के अंतर से जोड़ते हैं। दूसरी ओर, प्रधानमंत्री मोदी अक्सर राहुल गांधी द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब देने से बचते हैं। इसके बजाय, वे राहुल गांधी की आलोचना करते हैं, वंशवादी राजनीति और उनके नेतृत्व की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हैं,

खतरे में देश की सुरक्षा और विकास

पिछले तीन सालों से मणिपुर में जारी हिंसा पर मोदी सरकार अब तक रोक नहीं लगा पाई है। मुख्यमंत्री का इस्तीफा, राष्ट्रपति शासन और फिर नए मुख्यमंत्री के आने के बावजूद कुकी और मैतेई समुदायों के बीच जो जातीय हिंसा शुरु हुई, वो किसी भी तरह रुकने का नाम नहीं ले रही है। अभी अक्टूबर महीने में ही कम से कम 14 लोगों की जान इस हिंसा में चली गई है। लेकिन पुलिस का कहना है कि लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी जरूरी उपाय किए जा रहे हैं। मुमकिन है पुलिस अपनी हद में संभव सारे उपायों को आजमा भी रही हो, लेकिन जब तक सरकार नहीं चाहेगी, शांति कायम नहीं होगी, यह तथ्य है। राज्य और देश में पुलिस का नहीं भाजपा का शासन है, लिहाजा पहली जिम्मेदारी उसी की बनती है। मगर नरेन्द्र मोदी और अमित शाह ने पूर्वोत्तर राज्यों को उनके हाल पर छोड़ दिया है, यह लगातार नजर आ रहा है। मणिपुर के बाद अब अरुणाचल प्रदेश के हालात बिगड़ रहे हैं। एक तरफ चीन की तरफ से अतिक्रमण रुक नहीं रहा है और दूसरी तरफ सियांग बांध परियोजना के विरोध में स्थानीय लोग उतर आए हैं। देश के मीडिया का वह हिस्सा जो खुद को मुख्यधारा कहता है, उसका भी रवैया पूर्वोत्तर को लेकर सरकार से अलग नहीं है। यहां की खबरें उसके लिए तभी मायने रखती हैं, जब उनसे कुछ सनसनी फैलाने की गुंजाइश उसे नजर आए। वर्ना क्या कारण है कि अरुणाचल प्रदेश के लोग जब लगातार चीन की घुसपैठ को लेकर आवाज उठा रहे थे, यहां तक कह रहे थे कि कुछ दिन में हम चीनी कहलाएंगे, भारतीय नहीं, तब भी मीडिया में इन खबरों को प्रमुखता से दिखाकर सरकार से सवाल नहीं पूछे गए। किसी भाजपा प्रवक्ता को बिठाकर एंकर्स ने यह नहीं कहा कि जो ऐसे वीडियो आ रहे हैं, उन पर आपका क्या कहना है। पाकिस्तान ने कब, कहां से घुसपैठ की योजना बनाई, देश में कौन लोग हैं जो पाकिस्तान का प बोलते हैं, इन सब पर तो मीडिया खूब खबरें चलाता है और खबरें न हों तो किसी न किसी तरह बनवा लेता है। अभी छात्र आंदोलन या वोट चोरी के खिलाफ हो रहे आंदोलन में भी पाकिस्तानी मदद का षड्यंत्र इस तथाकथित मुख्यधारा के मीडिया ने पकड़ लिया है।

लेकिन चीन किस तरह अरुणाचल प्रदेश पर अपना कब्जा बढ़ाता जा रहा है, यह अरुणाचल प्रदेश के लोग लगातार बता रहे हैं, वहां का मीडिया इस पर खबरें बना रहा है, मगर उन पर न दिल्ली में बैठे सेलिब्रिटी एंकर्स बात कर रहे हैं, न उनकी मालिक सरकार कुछ कह रही है। लेकिन सच बहुत वक्त तक छिपता नहीं है। हाल ही में आईटीबीपी के महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने बताया है कि अरुणाचल प्रदेश में चीन के साथ लगातार मुठभेड़ हो रही है। उन्होंने यह भी कहा कि अब पारंपरिक तरीकों से चीन का मुकाबला करना संभव नहीं है। कायदे से इस भाषण के बाद रक्षा मंत्री, गृहमंत्री और प्रधानमंत्री तीनों को वस्तुस्थिति बतानी चाहिए थी। संसद सत्र में तो विपक्ष इस पर सवाल पूछेगा ही, लेकिन देश की सीमा पर क्या चीन से खतरा बढ़ा है, यह जानकारी देने के लिए सत्र का इंतजार नहीं किया जा सकता। मगर बजाए स्पष्टीकरण देने के सरकार ने इस भाषण को ही आईटीबीपी के हैंडल से हटवा दिया है। याद कीजिए जब राहुल गांधी ने लोकसभा में पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की आत्मकथा श्फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी्य का जिक्र कर बताया था कि 31 अगस्त 2020 को लद्दाख के रेचिन ला पास पर चीनी सेना के चार टैंकों और सैनिक आगे बढ़ रहे थे, तो कार्रवाई के लिए जनरल नरवणे ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से बात की थी, तब उन्हें ऊपर यानी प्रधानमंत्री कार्यालय से यह निर्देश मिला था कि-श्जो उचित समझो, वो करो्य। राहुल गांधी के इस खुलासे पर भाजपा फंस गई तो उसने फिर इस मुद्दे पर राहुल को बोलने ही नहीं दिया और न ही नरवणे की किताब को प्रकाशन की अनुमति मिली। मोदी सरकार का तरीका यही है कि न खुद सच बताओ, न किसी और को बताने दो। लेकिन सच फिर भी सामने आ जाए, तो उसे दबा दो। सच को दफ्न कर-कर के ही पिछले 12 सालों से मोदी सरकार चली जा रही है। लेकिन इसका खामियाजा अब उन राज्यों को ज्यादा भुगतना पड़ रहा है, जो पहले दिल्ली से भौगोलिक तौर पर दूर थे और अब भावनात्मक तौर पर भी अलग-थलग किए जा रहे हैं। इन राज्यों में भाजपा को सत्ता तो चाहिए, लेकिन केवल इसलिए ताकि यहां की प्रचुर प्राकृतिक संपदा का मनचाहा दोहन उसके चहेते उद्योगपति कर सकें। लद्दाख को भी जम्मू-कश्मीर से अलग कर केंद्र शासित प्रदेश बना दिया गया, वहां भी विशिष्ट खनिज पदार्थों की लूट का खतरा बढ़ा है। इधर अरुणाचल प्रदेश में स्थानीय लोगों को भरोसे में लिए बिना 11,200 मेगावाट की सियांग अपर बहुउद्देशीय परियोजना शुरु की गई।

आज का राशिफल

मेषः- समय के साथ समझौता करके चलने का प्रयास करें। कार्यक्षेत्र को ही अपनी पूजा समझें और स्वयं को उसी ओर केंद्रित करें। पत्नी के साथ मधुर वणी का प्रयोग करें। रोजगार में लाभकारी स्थिति रहेगी।

वृषभः- हर घटना से आपको सीख लेने की जरूरत है। नये क्षेत्र में निवेश से पूर्व जानकार लोगों से विचार-विमर्श करें। भविष्य के प्रति निराशाजनक विचारों को मन पर हावी न होने दें। नये व्यावसायिक यात्राओं का योग है।

मिथुनः- निकट संबंधों में मधुर संवाद से अपनी सुंदर छबि बनायें। कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओं की पूर्ति होने के आसार हैं। सामान्य दिनर्चया के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा। घर में खुशहाली होगी।

कर्कः- भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं उत्पन्न होंगी। किसी कार्य को छोटा-बड़ा समझने के बजाए अपने कर्त्तव्यों का सही ढ़ंग से निर्वहन करें। वर्तमान कार्य से मन असंतुष्ट रहेगा। जरूरी कायरे में आलस्य का त्याग करें।

सिंहः- पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति हेतु चिंता उत्पन्न होगी। अपने स्वास्य के प्रति लापरवाही न बरतें एवं जीवन साथी के स्वास्य के प्रति भी ध्यान दें। किसी बड़े आयोजन हेतु समुचित साधन लिए मन प्रयत्नशील होगा।

कन्याः- परिवार की छोटी-छोटी बातों बाहरी लोगों से न कहें। भावना से उद्वेलित मन संबंधियों के सुख-दुख के प्रति चिंतित होगा। किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। रोजगार में व्यस्तता रहेगी।

तुलाः- कोई छोटी बात भी परिवार में तनाव का कारण बन सकती है। महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता हेतु नये उत्साह का संचार होगा। सामाजिक गतिविधियों में क्रियाशीलता बढ़ेगी। भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंध मधुरत होंगे।

वृश्चिकः- स्वयं को सही दिशा और लक्ष्य की ओर केंद्रित करें तभी जीवन में सही प्रगति कर सकते हैं। किसी पुराने संबंध के प्रति विशेष निकटता की अनुभूति करेंगे। ग्रहों की अनुकूलता से अवरोधित कार्य हल होंगे।

धनुः- किसी भी प्रयास में आर्थिक अभाव अवरोधक होगा। साहस व बुध्मित्ता से पुरानी समस्याओं पर विजय प्राप्त कर सुख की अनुभूति करेंगे। विषम स्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति की ओर अग्रसर होंगे।

मकरः- बुद्धिमत्ता व परिश्रम का मिले-जुले संयोग का भरपूर लाभ उठाएंगे। आर्थिक क्षेत्र में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। सफलताएं आंतरिक क्षमताओं का एहसास कराएंगी। संतान संबंधी दायित्वों की पूर्ति होगी।

कुंभः- शासन-सत्ता में व्यस्तता बढ़ेगी। मन आर्थिक सुदृढ़ता हेतु चिंतित होगा। सामाजिक सक्रियता से मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। राजनीति को ग्रहों की अनुकूलता का लाभ मिलेगा। परिजनों के सुख-दुख के प्रति मन चिंतित होगा।

मीनः- महत्वाकांक्षी अभिलाषाएं मन में असन्तुिष्ट पैदा करेंगी। तामसिक विचारों को मन से दूर ही रखें। विपरीतलिंगी संबंधों के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में व्यय अपेक्षित है।

शानः दुबई में दिखा गायक का अलग अंदाज, माइकल जैक्सन के गाने 'बिली जीन' पर किया मूनवॉक

बॉलीवुड के जाने-माने सिंगर शान अपनी सुरीली आवाज और रोमांटिक गानों के जरिए वर्षों से दर्शकों के दिलों पर राज कर रहे हैं। हालांकि, हाल ही में उन्होंने अपने हुनर का ऐसा रूप दिखाया, जिसे देखकर उनके फैंस और अन्य लोग हैरान रह गए। दुबई में आयोजित अपने कॉन्सर्ट में शान ने पॉप संगीत के बादशाह माइकल जैक्सन को खास अंदाज में श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उन्होंने माइकल जैक्सन के लोकप्रिय गाने गाने के साथ उनके मशहूर डांस मूव्स भी दोहराए। अब इस शानदार परफॉर्मेंस के वीडियो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। सोशल मीडिया यूजर्स शान के इस नए अवतार की तारीफ करते हुए उन्हें पॉप स्टार बता रहे हैं।दुबई के कोका-कोला एरिना में आयोजित 'ऑल ऑफ मी टूर' के दौरान शान ने यह खास प्रस्तुति दी। आमतौर पर अपनी मधुर आवाज और रोमांटिक नगमों के लिए पहचाने जाने वाले शान इस बार अलग ही अंदाज में नजर आए। गायक ने हिंदी गानों से हटकर अंग्रेजी पॉप म्यूजिक पर परफॉर्म किया। इस दौरान माइकल जैक्सन का सुपरहिट गाना 'बिली जीन' भी उनकी परफॉर्मेंस का हिस्सा रहा।शान ने इस मशहूर गाने को अपनी आवाज में पेश करने के साथ ही माइकल जैक्सन के आइकॉनिक स्टेप्स भी करके दिखाए। स्टेज पर उनके शानदार फुटवर्क और मूनवॉक ने दर्शकों का ध्यान अपनी तरफ खींच लिया। उनकी इस परफॉर्मेंस के वीडियो सोशल मीडिया पर खूब शेयर हो रहे हैं। कई फैंस ने हैरानी जताते हुए कहा कि शान का ऐसा रूप उन्होंने पहले कभी नहीं देखा।शान के इस अनोखे अंदाज के वीडियो वायरल होते ही सोशल मीडिया पर कमेंट्स की बाढ़ आ गई। एक्स पर एक यूजर ने वीडियो साझा करते हुए लिखा, 'इसे देखकर मैं सीधे अपने टीनएज के दिनों में पहुंच गई, जब मुझे शान पर बहुत बड़ा क्रश था और अब पता चला कि वह क्रश आज भी है।वहीं, दूसरे फैन ने शान की परफॉर्मेंस का वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा, 'शान को माइकल जैक्सन की तरह परफॉर्म करते देखना मेरी 2026 की उम्मीदों में बिल्कुल भी शामिल नहीं था, लेकिन अब ये भी देख लिया।कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने शान के इस अंदाज की तुलना दूसरे मशहूर पॉप कलाकारों से भी की। एक यूजर ने लिखा, 'ओएमजी, मुझे तो सच में लगा कि ये ब्रूनो मार्स हैं। मैं इंतजार नहीं कर सकती कि काजी बिग बॉस के घर से बाहर आएं और परफॉर्म करें।शान का असली नाम शांतनु मुखर्जी है और उनकी गिनती हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के सबसे लोकप्रिय प्लेबैक सिंगर्स में होती है। उन्होंने अपने करियर में कई यादगार गानों को आवाज दी है। इनमें 'तन्हा दिल', 'वो पहली बार', 'चांद सिफारिश', 'जब से तेरे नैना' और 'बहती हवा सा था वो' जैसे सुपरहिट गाने शामिल हैं।शान ने अपने लंबे संगीत सफर में सिर्फ रोमांटिक गानों तक खुद को सीमित नहीं रखा। उन्होंने तेज रफ्तार बीट्स वाले गानों से लेकर पॉप म्यूजिक तक अलग-अलग तरह के संगीत में अपना टैलेंट दिखाया।

आमिर खान पर हमला करना चाहते थे शूटर्स, लेकिन टाइगर श्रॉफ पर चली गोलियां, फायरिंग केस में सामने आया नया खुलासा

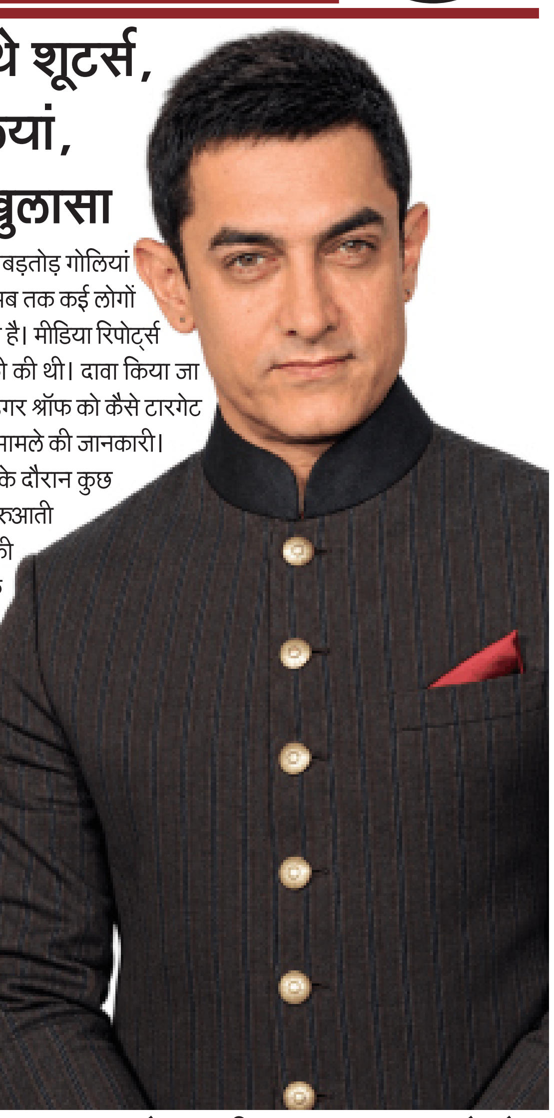

18 अक्टूबर को बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ की गाड़ी पर कुछ हमलावरों ने ताबड़तोड़ गोलियां चलाई थीं। इस घटना में टाइगर बाल-बाल बच गए। मामले की जांच के दौरान पुलिस अब तक कई लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। वहीं, इस केस में एक नया और चैंकाने वाला एंगल सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, टाइगर श्रॉफ से पहले हमलावरों ने अभिनेता आमिर खान के घर की रेकी की थी। दावा किया जा रहा है कि इस पूरे मामले में आमिर खान पहले निशाने पर थे। आखिर हमलावरों ने टाइगर श्रॉफ को कैसे टारगेट किया और इस मामले में आमिर खान का नाम कैसे सामने आया ? आइए जानते हैं पूरे मामले की जानकारी। एक रिपोर्ट के अनुसार, टाइगर श्रॉफ फायरिंग मामले की जांच में पुलिस को पूछताछ के दौरान कुछ अहम जानकारियां मिली हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि टाइगर श्रॉफ हमलवारों के शुरुआती निशाने पर नहीं थे बल्कि इससे पहले उन्होंने अभिनेता आमिर खान को टारगेट करने की योजना बनाई थी। हालांकि, इस दावे की अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं है। इसके अलावा हमलावरों ने आमिर ने आमिर खान के मुंबई स्थित घर की कथित तौर पर तीन बार रेकी की थी। इस दौरान उन्होंने अभिनेता की गतिविधियों पर नजर रखने और उनके आने-जाने के बारे में जानकारी जुटाने की कोशिश की। हालांकि, हमला करने का अनुकूल मौका नहीं मिल पाने के कारण वे कथित तौर पर अपनी योजना को अंजाम नहीं दे सके। जांच में सामने आई जानकारी के मुताबिक, आमिर खान पर हमला करने की कथित योजना नाकाम रहने के बाद हमलावरों ने टाइगर श्रॉफ को निशाना बनाने का प्लान बनाया। बताया जा रहा है कि टाइगर जुहू स्थित एक पार्क में फुटबॉल खेलने के लिए आते थे। हमलावरों ने इसी बात का फायदा उठाया और मौका मिलने पर उनकी कार पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाईं। हालांकि, इस मामले में टाइगर श्रॉफ बाल-बाल बच गए। इससे पहले भी टाइगर श्रॉफ फायरिंग मामले की जांच के दौरान कुछ अन्य बॉलीवुड सितारों के नाम संभावित निशाने के तौर पर सामने आने की खबरें आई थीं। इनमें रणबीर कपूर, सलमान खान और अक्षय कुमार के नाम भी शामिल बताए गए थे। हालांकि, इन दावों की आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है।

अपने साउथ इंडियन एक्सेंट पर ट्रोल हुई रश्मिका मंदाना, सपोर्ट में उतरीं एक्ट्रेस मधु, कही दिल छूने वाली बात

हाल ही में कॉफी विद करण शो के एक एपिसोड में रश्मिका मंदाना ने अपने दक्षिण भारतीय लहजे के बारे में बात की थी, जिसके बाद अभिनेत्री मधु उनके समर्थन में सामने आई हैं। मधु ने रश्मिका की इस बात के लिए तारीफ की कि उन्होंने अपनी पहचान को अपनाया और आलोचनाओं का सामना पूरे आत्मविश्वास के साथ किया। सोशल मीडिया पर अपनी आई एम इन लव सीरीज के तहत शेयर किए गए एक वीडियो में, मधु ने बताया कि उन्होंने फिल्म निर्माता करण जौहर के टॉक शो कॉफी विद करणश् में रश्मिका को देखा और जिस तरह से उन्होंने अपने लहजे को लेकर हुई आलोचनाओं का जवाब दिया, उसकी काफी सराहना की। मधु ने कहा, मैंने हाल ही में रश्मिका मंदाना का कॉफी विद करण शो देखा। अपने लहजे को लेकर हुई आलोचनाओं को उन्होंने जिस तरह से संभाला, वह मुझे बहुत अच्छा लगा। वह इस पर हंसती हैं, इसे स्वीकार करती हैं और गर्व से कहती हैं कि वह दक्षिण भारतीय हैं। वह कहती हैं, श्हां, मैं दक्षिण भारतीय हूं और मेरा लहजा भी दक्षिण भारतीय है। वह इसे लेकर बहुत सहज हैं और मुझे उनका यह अंदाज बहुत पसंद आया। उन्होंने आगे कहा, ष्कई साल पहले, जब मैं हिंदी फिल्मों में अभिनेत्री बनी थी, तो मुझे इस बात का बहुत डर था कि दक्षिण भारतीय होने की वजह से लोग मेरे बारे में क्या सोचेंगे या क्या कहेंगे। मैंने बहुत ज्यादा मेहनत की। मैंने उर्दू सीखने के लिए एक टीचर रखा और अपनी हिंदी को बेहतर बनाया। मैंने हर मुमकिन कोशिश की ताकि मेरे लहजे की वजह से कोई मुझे पकड़ न सके या मुझ पर सवाल न उठाए। मधु ने कहा, 'अगर कोई मेरी बोली में थोड़ा सा भी लहजा पकड़ लेता, तो मैं बहुत परेशान हो जाती और उसे सुधारने के लिए और ज्यादा मेहनत करती। मुझे बहुत गर्व महसूस होता था जब लोग कहते थे कि मेरी हिंदी, हिंदी बोलने वालों से भी बेहतर है। यह मेरा सफर था। आज, मुझे यह कहते हुए बहुत गर्व होता है कि मैं एक दक्षिण भारतीय हूं। अगर मुझसे हिंदी बोलने में कोई गलती हो जाती है या मेरी बोली में दक्षिण भारतीय लहजा आ जाता है, तो मुझे इससे कोई दिक्कत नहीं है। लेकिन यहां तक पहुंचने में मुझे 30 से 35 साल लग गए। उन्होंने आगे कहा, 'रश्मिका, तुम बहुत मजबूत हो! मुझे बहुत अच्छा लगा कि तुम इसे अपनाती हो, इस पर हंसती होकृतुम सच में एक स्टार हो।वीडियो के साथ अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, 'मुझे दक्षिण भारतीय होने और अपने दक्षिण भारतीय लहजे पर गर्व है। मुझे यहां तक पहुंचने में 30 साल लग गए, लेकिन रश्मिका, तुम पहले ही उस मुकाम पर हो। हाल ही में तुम्हारा एक इंटरव्यू देखा, जिसमें तुम्हारी यह बात मुझे बहुत अच्छी लगी। तुम बहुत मजबूत हो, बस ऐसी ही स्टार बनी रहो...' अभिनेत्री की यह टिप्पणी तब आई है, जब हिंदी उच्चारण को लेकर हो रही आलोचनाओं के बीच जाने-माने गीतकार और पटकथा लेखक जावेद अख्तर ने रश्मिका का समर्थन किया है। एक्स (पहले ट्विटर) पर जावेद अख्तर ने लिखा, 'जिन्हें तमिल अभिनेत्री रश्मिका के उच्चारण से कोई दिक्कत है, उन्हें तमिल भाषा की कुछ पंक्तियां पढ़ने के लिए दी जानी चाहिए। तमिल दुनिया की सबसे पुरानी बोली जाने वाली भाषाओं में से एक है, देखते हैं कि वे इसे कितनी अच्छी तरह बोल पाते हैं। भाषा को लेकर यह बनावटी और बेबुनियाद श्रेष्ठता की भावना बिल्कुल स्वीकार्य नहीं है। यह चर्चा तब शुरू हुई जब रश्मिका कॉफी विद करण शो में शामिल हुईं, जहां उन्होंने अपने लहजे, भाषा और अभिनय को लेकर हुए ट्रोलिंग के बारे में बात की। अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें अपने दक्षिण भारतीय लहजे से कोई दिक्कत क्यों नहीं है। उन्होंने कहा, 'मुझे इससे कोई परेशानी नहीं थी क्योंकि लोगों का कहना था कि मेरी बोली में दक्षिण भारतीय लहजा है। लेकिन मैं तो दक्षिण भारत से ही हूं, तो जाहिर है कि मेरी बोली में ऐसा लहजा होगा ही। इसके अलावा कुछ और सोचना ही बेतुका है।

भगवान राम का किरदार निभाकर बदले रणबीर कपूर, कहा, ये रोल निभाने के बाद उन्हें राहा के लिए बेहतर पिता बनने में मदद मिली

बॉलीवुड स्टार रणबीर कपूर ने बताया कि आने वाली महाकाव्य फिल्म श्रामायणश् में भगवान राम का किरदार निभाना सिर्फ एक रोल नहीं, बल्कि एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। अभिनेता ने यह भी स्वीकार किया कि जब उन्हें यह रोल ऑफर हुआ, तो सबसे पहले उनके मन में डर और खुद पर संदेह पैदा हुआ। अभिनेता ने मेगास्टार अमिताभ बच्चन द्वारा होस्ट किए जाने वाले लोकप्रिय क्विज रियलिटी शो कौन बनेगा करोड़पति के दिवाली स्पेशल एपिसोड में इस खास किरदार की तैयारी के अपने सफर के बारे में बात की। इस अहम रोल के मिलने और अपनी शुरुआती घबराहट के बारे में बताते हुए, रणबीर कपूर ने होस्ट अमिताभ बच्चन से कहा, सर, जब मुझे यह रोल ऑफर हुआ, तो मैं जानता था कि यह सिर्फ एक रोल नहीं है, बल्कि एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। मेरे मन में सबसे पहले डर आया क्या मैं इसके काबिल हूं ? क्या मैं यह कर पाऊंगा? क्योंकि करोड़ों लोगों की आस्था प्रभु श्री राम से जुड़ी हुई है... उन्होंने बताया कि कैसे उनकी शुरुआती घबराहट बाद में गहरी कृतज्ञता में बदल गई। उन्होंने आगे कहा, पर बहुत जल्दी सर ये, ये जो डर था वो आभार में बदला, कि मुझे इस मुकाम में, मेरी जिंदगी की इस उम्र में, मुझे ये मौका मिल रहा है, एक अच्छा एक्टर बनने का। एक्टर सर को भूल जाइए, एक अच्छा इंसान बनने का मौका, उसी दौरन सर, मैं पहली बार पिता बना। मेरी बेटी राहा का जन्म हुआ, तो मैं यही मानता हूं कि यह भगवान का उपहार था सर, मुझे एक बेहतर इंसान बनने का मौका मिला, गहरी से रामायण को समझने का मौका मिला, इन सब लोगों के साथ, खूबसूरत लोगों के साथ काम करने का मौका मिला। महाकाव्य के मूल्यों को आत्मसात करने पर अपने हार्दिक विचारों को समाप्त करते हुए, रणबीर ने कहा, 'सर हम। प्रभु श्री राम के जैसा बनना तो संभव नहीं है, लेकिन उनके आदर्शों से कुछ सीखना मेरे ख्याल से हम सभी के लिए बहुत बड़ी बात है।

यशराज फिल्म्स की नई पेशकश 'बेपरवाह', पहली बार साथ नजर आएंगे अहान पांडे और शरवरी

यशराज फिल्म्स ने अपनी आगामी रोमांटिक एक्शन-ड्रामा फिल्म 'बेपरवाह' के टाइटल की घोषणा कर दी है।

अली अब्बास जफर के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में अहान पांडे और शरवरी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण आदित्य चोपड़ा कर रहे हैं। मेकर्स ने फिल्म के टाइटल के साथ इसका टीजर पोस्टर भी जारी किया है। सिनेमाघरों में रिलीज होने से पांच महीने पहले किए गए इस ऐलान ने फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा दी है। 'सैयारा' से लोकप्रियता हासिल करने वाले अहान पांडे और शरवरी पहली बार इस फिल्म के जरिए बड़े पर्दे पर एक साथ दिखाई देंगे। निर्देशक अली अब्बास जफर एक बार फिर यशराज फिल्म्स के साथ काम कर रहे हैं। इससे पहले वह इस प्रतिष्ठित प्रोडक्शन हाउस के लिए 'सुल्तान' और 'टाइगर जिंदा है' जैसी सफल फिल्मों का निर्देशन कर चुके हैं। अब 'बेपरवाह' के जरिए वह एक नई रोमांटिक एक्शन-ड्रामा कहानी लेकर आ रहे हैं। फिल्म के टाइटल और टीजर पोस्टर की घोषणा के साथ ही दर्शकों को अहान पांडे और शरवरी की नई ऑनस्क्रीन जोड़ी देखने का इंतजार है। रोमांस और एक्शन के मेल से सजी इस फिल्म में दोनों कलाकारों की केमिस्ट्री कहानी का अहम हिस्सा होने की उम्मीद है। आदित्य चोपड़ा के निर्माण और अली अब्बास जफर के निर्देशन में बन रही 'बेपरवाह' 26 मार्च 2027 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कृष्ण दास के कीर्तन में भक्ति में डूबे नजर आए विराट कोहली और अभिनेत्री अनुष्का शर्मा

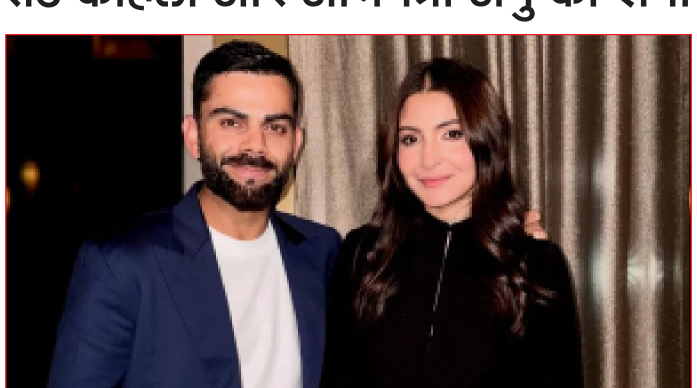

भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली और अभिनेत्री अनुष्का शर्मा रविवार को मुंबई में अमेरिकी संगीतकार और गायक कृष्ण दास के लाइव कीर्तन में पहुंचे। दोनों कीर्तन के दौरान भक्ति संगीत में डूबे नजर आए। कीर्तन में विराट और अनुष्का की कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए हैं। इनमें दोनों भक्ति गीतों का आनंद लेते दिखाई दे रहे हैं।एक वीडियो में अनुष्का तालियां बजाती और भक्ति गीतों के साथ गाती नजर आ रही हैं। वह पूरे समय कीर्तन में डूबी हुई दिखाई दीं। वहीं, विराट कुछ देर कैमरे की तरफ देखते हैं और फिर अपना ध्यान वापस कीर्तन की ओर कर लेते हैं। इसके बाद वह भी भक्ति गीतों में शामिल होते नजर आए।यह कार्यक्रम कृष्ण दास के भारत दौरे का हिस्सा था। सामने आए दूसरे वीडियो में विराट और अनुष्का को कीर्तन में पहुंचने से पहले गेटवे ऑफ इंडिया पर भी देखा गया।यह पहली बार नहीं है जब विराट और अनुष्का कृष्ण दास के कीर्तन में पहुंचे हैं। जुलाई 2026 में दोनों लंदन के यूनियन चैपल में आयोजित एक कार्यक्रम में भी शामिल हुए थे। विराट और अनुष्का को भारत और विदेशों में ऐसे भक्ति और आध्यात्मिक कार्यक्रमों में कई बार देखा गया है। दोनों नीम करोली बाबा से जुड़ी शिक्षाओं में भी गहरी आस्था रखते हैं। इसके अलावा, वे वृंदावन में आध्यात्मिक गुरु प्रेमानंद महाराज से भी नियमित रूप से मिलने जाते हैं।रविवार को मुंबई में कृष्ण दास के कीर्तन में दोनों की मौजूदगी ने एक बार फिर लोगों का ध्यान खींचा। सामने आए वीडियो में कपल भक्ति संगीत का आनंद लेते और कार्यक्रम में शामिल होते नजर आ रहा है।

आंखों को स्वस्थ रखने के लिए अपनाएं ये 5 आदतें, उम्र बढ़ने के साथ भी बनी रहेगी रोशनी

आंखें हमारे शरीर के सबसे महत्वपूर्ण अंगों में से एक हैं। इनके जरिए हम दुनिया को देखते और अपने आसपास की चीजों को महसूस करते हैं। लेकिन आजकल मोबाइल, लैपटॉप और टीवी के बढ़ते इस्तेमाल के कारण आंखों पर दबाव बढ़ रहा है। वहीं, खराब खानपान, धूम्रपान और कुछ बीमारियां भी आंखों की सेहत को प्रभावित कर सकती हैं। अक्सर लोग आंखों की जांच तभी करवाते हैं, जब उन्हें धुंधला दिखाई देने लगे या कोई दूसरी परेशानी महसूस हो। जबकि आंखों की बेहतर देखभाल के लिए रोजमर्रा की कुछ आदतों में बदलाव करना जरूरी है। आइए जानते हैं ऐसी 5 आदतों के बारे में, जो आपकी आंखों को स्वस्थ रखने में मदद कर सकती हैं।

संतुलित आहार और विटामिन-ए युक्त फूड्स का सेवन

आंखों की सेहत के लिए विटामिन-ए बेहद जरूरी है। हरी सब्जियां, गाजर, अंडे और सैल्मन मछली जैसी चीजें आपकी डाइट का हिस्सा होनी चाहिए। इसके साथ ही ओमेगा-3 फैटी एसिड, विटामिन सी और ई युक्त फूड्स का भी सेवन करें। ये तत्व आंखों की दृष्टि को तेज रखने और उम्र के साथ आने वाली समस्याओं से बचाने में मदद करते हैं।

सन डैमेज से बचाव करें

सूरज की हानिकारक अल्ट्रावायलेट (यूवी) किरणें आपकी आंखों के लिए नुकसानदायक हो सकती हैं। धूप में जाते समय सनग्लासेस पहनना जरूरी है। यूवी प्रोटेक्शन वाले चश्मे का इस्तेमाल करके आप अपनी आंखों को सुरक्षित रख सकते हैं। सीधे सूरज की तरफ बिना चश्मा पहने देखने से बचें।

ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल पर नजर रखें

स्वस्थ आंखों के लिए शरीर में ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल का संतुलित रहना बेहद जरूरी है। डायबिटीज के मरीजों में आंखों की समस्याएं ज्यादा देखने को मिलती हैं। इसलिए ब्लड शुगर को नियंत्रित रखने के लिए रोजाना 30 मिनट की वॉक करें और हेल्दी डाइट लें।

धूम्रपान से बचें

स्मोकिंग सिर्फ फेफड़ों के लिए ही नहीं, बल्कि आंखों के लिए भी हानिकारक होती है। धूम्रपान से आंखों में धुंधलापन और दोहरी दृष्टि जैसी समस्याएं हो सकती हैं। साथ ही यह उम्र से पहले ही आंखों की क्षमता को कम कर सकता है। इसलिए आंखों की सेहत के लिए धूम्रपान से परहेज करना बेहद जरूरी है।

कॉन्टैक्ट लेंस पहनने वालों के लिए खास टिप्स

बचे हुए चावल दोबारा गर्म करके खाना पड़ सकता है भारी, जानें कब बनते हैं सेहत के लिए खतरनाक

चावल भारतीय रसोई का अहम हिस्सा हैं। कई घरों में रात के बचे हुए चावल सुबह दोबारा गर्म करके खा लिए जाते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि पके हुए चावल को रातभर कमरे के तापमान पर छोड़ना सेहत के लिए जोखिम भरा हो सकता है? चावल में मौजूद कुछ बैक्टीरिया पकने के बाद भी बीजाणुओं के रूप में बचे रह सकते हैं। अगर चावल को सही तरीके से स्टोर न किया जाए, तो ये बैक्टीरिया बढ़कर ऐसे टॉक्सिन बना सकते हैं, जिन्हें दोबारा गर्म करने से पूरी तरह नष्ट करना मुश्किल होता है। इससे उल्टी, दस्त और पेट में ऐंठन जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

चावल में कौन-सा बैक्टीरिया बन सकता है परेशानी की वजह?

फूड सेफ्टी से जुड़ी जानकारी के मुताबिक, कच्चे चावल में ठंबपससने बमतमने नाम का बैक्टीरिया मौजूद हो सकता है। इसके बीजाणु सामान्य खाना पकाने के दौरान भी बच सकते हैं। जब पके हुए चावल को लंबे समय तक कमरे के तापमान पर छोड़ दिया जाता है, तो बैक्टीरिया बढ़ सकते हैं और कुछ परिस्थितियों में टॉक्सिन पैदा कर सकते हैं। इसी वजह से चावल को पकाने के बाद सही तरीके से ठंडा करना और फ्रिज में रखना जरूरी है। यह समस्या केवल चावल तक सीमित नहीं है, बल्कि पास्ता और कुछ अन्य स्टार्च वाले खाद्य पदार्थों में भी हो सकती है।

दोबारा गर्म करने पर भी क्यों नहीं हटता खतरा?

ठंबपससने बमतमने से जुड़ा एक टॉक्सिन सेर्यूलाइड है, जो उल्टी और मतली का कारण बन सकता है। यह टॉक्सिन गर्मी के प्रति काफी प्रतिरोधी होता है। इसलिए अगर गलत तरीके से रखे गए चावलों में यह बन चुका है, तो उन्हें दोबारा उबालना या गर्म करना उन्हें सुरक्षित बनाने की गारंटी नहीं देता। इसका मतलब यह नहीं है कि हर बार दोबारा गर्म किए गए चावल नुकसान पहुंचाते हैं। सही तरीके से फ्रिज में रखे गए चावलों को अच्छी तरह गर्म करके खाया जा सकता है। असली जोखिम चावल को लंबे समय तक कमरे के तापमान पर छोड़ने से बढ़ता है।

फूड पॉइजनिंग के क्या हो सकते हैं लक्षण?

दूषित चावल खाने के बाद कुछ लोगों में कुछ घंटों के भीतर लक्षण दिखाई दे सकते हैं।

इनमें शामिल हैंरू मतली और उल्टी

पेट में ऐंठन या दर्द

दस्त, शरीर में पानी की कमी

अधिकतर मामलों में लक्षण सीमित समय में ठीक हो जाते हैं, लेकिन गंभीर उल्टी या दस्त से डिहाइड्रेशन हो सकता है। यदि व्यक्ति पानी भी नहीं रोक पा रहा हो, पेशाब बहुत कम हो रहा हो, तेज कमजोरी हो या हालत बिगड़ रही हो, तो तुरंत चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए। गंभीर जटिलताएं दुर्लभ हैं, लेकिन उन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

पके हुए चावल को सुरक्षित रखने का सही तरीका

एक घंटे के भीतर फ्रिज में रखेंः चावल पकने के बाद उन्हें जल्दी ठंडा करें और आदर्श रूप से एक घंटे के भीतर फ्रिज में रख दें।

छोटे हिस्सों में बांटेंरू चावल को बड़े बर्तन में छोड़ने के बजाय साफ, उथले कंटेनरों में रखें। इससे वे जल्दी ठंडे होंगे।

रातभर बाहर न छोड़ेंरू पके हुए चावल को कमरे के तापमान पर पूरी रात छोड़ने के बाद खाने से बचें। केवल दोबारा गर्म करने पर भरोसा न करें।

24 घंटे के भीतर इस्तेमाल करेंः ब्रिटेन की फूड स्टैंडर्ड्स एजेंसी की सलाह के अनुसार, फ्रिज में रखे पके चावल को 24 घंटे के भीतर इस्तेमाल करना बेहतर है।

दोबारा गर्म करते समय सावधानी रखेंः चावल को पूरे हिस्से में भाप निकलने तक अच्छी तरह गर्म करें और दोबारा गर्म करने से बचें।

ई20 पेट्रोल के खिलाफ पैसे देकर चलाया गया अभियान

नितिन गडकरी ने किया बड़ा दावा, कहा- अब खत्म हो गया शोर

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिलाने को लेकर बड़ा बयान दिया है। केंद्रीय मंत्री ने मंगलवार को बताया कि पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिलाने को लेकर हुआ विरोध एक पेड कैंपेन (पैसे देकर चलाया गया अभियान) था। यह बयान सरकार द्वारा 'केंद्रीय मोटर वाहन नियम 1989' में बदलाव की अधिसूचना जारी करने के एक दिन बाद आया है। इन बदलावों के तहत अब ऐसे 'फ्लेक्स-फ्यूल' वाहनों को अनुमति दी गई है, जो ई100 (लगभग शुद्ध इथेनॉल) तक पर चल सकते हैं। उद्योग संगठन सीआआइ द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए, गडकरी ने कहा कि भारत जीवाश्म ईंधन के आयात को कम करके अपनी कीमती विदेशी मुद्रा बचा सकता है। उन्होंने कहा, 'तीन महीने पहले, ई20 (20 प्रतिशत इथेनॉल मिला हुआ पेट्रोल) ईंधन के खिलाफ काफी हंगामा किया गया था; अब ई20 ईंधन के खिलाफ सारा विरोध खत्म हो गया है। यह एक 'पेड कैंपेन' था।' मंत्री ने यह भी बताया कि सोशल मीडिया पर कुछ राजमार्गों की खराब हालत को लेकर आई शिकायतों पर ध्यान देते हुए, उन्होंने हाल ही में 700-800 परियोजनाओं की समीक्षा की है। उन्होंने कहा, 'मैं राजमार्गों की गुणवत्ता के मामले में कोई समझौता नहीं करने वाला हूं।' गडकरी ने भरोसा दिलाया कि अगले दो वर्षों में, राजमार्गों का इस्तेमाल करने वालों को किसी भी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को कहा कि केंद्र सरकार की पेट्रोल में इथेनॉल मिलाने की मौजूदा 20 प्रतिशत की सीमा को बढ़ाने की फिलहाल कोई योजना नहीं है। दक्षिण गोवा में '29वें एनर्जी टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन मीट' के उद्घाटन के दौरान, पुरी ने यह भी कहा कि बायोफ्यूल (जैव ईंधन) के बारे में गलत जानकारी फैलाई जा रही है। उन्होंने कहा कि ई20 (20 प्रतिशत इथेनॉल मिला हुआ पेट्रोल) के बारे में फैलाई जा रही गलत जानकारी एक सोची-समझी कहानी (नैरेटिव) है। ई20 ईंधन से जुड़ी चर्चाओं पर एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, 'जहां तक बायोफ्यूल की बात है, तो हमारा लक्ष्य 20 प्रतिशत (इथेनॉल मिलाना) ही था और अभी इसे 20 प्रतिशत से अधिक बढ़ाने की कोई इच्छा नहीं है।' उन्होंने आगे कहा कि इस मुद्दे पर गलत जानकारी फैलाई जा रही है। उन्होंन कहा कि सरकार आयातित कच्चे तेल पर अपनी निर्भरता कम करने की रणनीति के तहत इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल को बढ़ावा दे रही है।

हरिद्वारः सनावर की गिरफ्तारी पर बोले एसएसपी-

नार्को टेस्ट से कोई संबंध नहीं, सेशन ट्रायल के तहत हुई कार्रवाई

देहरादून,एजेंसी। उर्मिला सनावर की गिरफ्तारी को अंकिता भंडारी हत्याकांड में नार्को टेस्ट से बचाने की कार्रवाई बताने वाली सोशल मीडिया पोस्ट को हरिद्वार पुलिस ने भ्रामक बताया है। एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर ने स्पष्ट किया कि उर्मिला की गिरफ्तारी रानीपुर कोतवाली में दर्ज एक अलग प्राथमिकी में कानूनी प्रक्रिया के तहत की गई है। इसका अंकिता भंडारी हत्याकांड की सीबीआई जांच और नार्को टेस्ट की प्रक्रिया से कोई संबंध नहीं है। मंगलवार को मीडिया से बातचीत में एसएसपी ने बताया कि उर्मिला सनावर के खिलाफ रानीपुर कोतवाली में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 308(5), 308(7), 79, 356(3), 356(2) और स्त्री अशिष्ट रूपण (प्रतिषेध) अधिनियम, 1986 की धारा 4/10 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि इस मामले में धारा 308 की उपधाराएं पांच और सात महत्वपूर्ण हैं। उनके अनुसार, इस मामले में सेशन ट्रायल का प्रावधान होने के कारण गिरफ्तारी की कार्रवाई की गई। एसएसपी ने बताया कि 24 अक्टूबर को प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पुलिस टीम को सहारनपुर भेजा गया था। टीम ने उर्मिला सनावर को उनके घर से गिरफ्तार किया। इसके बाद उन्हें हरिद्वार जिला एवं सत्र न्यायालय में पेश किया गया, जहां से 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। एसएसपी ने कहा कि अंकिता भंडारी हत्याकांड में नार्को टेस्ट का मामला अलग है और इसकी जांच दूसरी एजेंसी कर रही है। संबंधित जांच एजेंसी कानूनी प्रक्रिया पूरी कर नार्को टेस्ट करा सकती है। उन्होंने बताया कि इसके लिए संबंधित व्यक्ति की सहमति और न्यायालय का आदेश जरूरी है। न्यायालय का आदेश रोशनाबाद जिला कारागार पहुंचने पर महिला पुलिसकर्मियों के साथ उर्मिला सनावर को नार्को टेस्ट के लिए भेज दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति के खिलाफ एक मामले में कार्रवाई होने से दूसरे मामले की जांच प्रभावित नहीं होती। यदि कोई व्यक्ति किसी मामले में वादी, गवाह, पीड़ित या आरोपी है और उसके खिलाफ किसी अन्य मामले में प्राथमिकी दर्ज होती है, तो दोनों मामलों की कानूनी प्रक्रिया स्वतंत्र रहती है। ऐसे में उर्मिला की गिरफ्तारी को नार्को टेस्ट से जोड़कर देखना सही नहीं है। एक सवाल के जवाब में एसएसपी ने बताया कि उर्मिला सनावर के खिलाफ पहले से नौ मामले दर्ज हैं। रानीपुर कोतवाली में दर्ज यह दसवां मामला है। वर्ष 2025 में दर्ज एक अन्य प्राथमिकी में गिरफ्तारी नहीं होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि उस मामले में बीएनएस की धारा 308(2) लगाई गई थी,

उत्तराखंडः खानपुर विधायक उमेश कुमार का बड़ा एलान, आज सदन से देंगे इस्तीफा

देहरादून,एजेंसी। खानपुर से निर्दलीय विधायक उमेश कुमार ने अपने पद से इस्तीफे की घोषणा की है। कल बुधवार को सदन से इस्तीफा देंगे। उन्होंने कहा कि विपक्ष के साथ हमने कंधे से कंधा मिलाया लेकिन राज्य के भ्रष्टाचार से लेकर हरिद्वार में किसानों की समस्या तक विपक्ष ने कभी साथ नहीं दिया। अगली बार खुद जैसे दो-चार चेहरों के साथ सदन में पहुंचने की ख्वाहिश जताई। मीडिया से बातचीत में उमेश कुमार ने कहा कि एक निर्दलीय के तौर पर मुझे खानपुर की जनता ने हरिद्वार जनपद से चुनकर भेजा था। साढ़े चार साल तक हम जब भी भ्रष्टाचार के मुद्दे पर, किसानों की लड़ाई को लेकर हमने विपक्ष की तरफ उम्मीदों से देखा कि शायद अब ये बेंच बजाएंगे, हमारे साथ खड़े होंगे, हमारा समर्थन करेंगे तो हमारे हाथ सिर्फ निराशा लगी। विपक्ष के हर मुद्दे पर वेल में बैठने से लेकर सदन के भीतर उनके साथ रात को सोने तक, हम उनके साथ रहे। उमेश कुमार ने कहा कि साढ़े चार साल में कौन सा दिन था, जब विपक्ष हमारे साथ एक दिन भी खड़ा रहा हो। इस सदन से मैं इस्तीफे की घोषणा करता हूं। मैं प्रयास करूंगा कि अगली बार हमारे साथ कुछ लोग हमारे और आएं ताकि हम आज इकबालपुर शुगर मिल की बात करें तो 118 करोड़ का भुगतान दो साल से बकाया है। कितने किसानों की मौत हो गई है बीमारी में। पैसा न होने के कारण इलाज नहीं हुआ। 2023 में आपदा में पूरा हरिद्वार जनपद डूब गया। फसलें खत्म हो गईं। किसानों की आरसी काट दी गई। किसान क्रेडिट कार्ड का ब्याज माफ नहीं किया गया। बिजली के बिलों का बकाया माफ नहीं किया गया। कनेक्शन काट दिए। बिजली बंद कर दी। विधायक उमेश कुमार ने कहा कि वह बुधवार को सदन से इस्तीफा देंगे। अगली बार ईश्वर ने चाहा तो हमारे साथ दो-चार लोग और आएंगे। हर किसी को अच्छी सड़क, भ्रष्टाचार मुक्त शासन, अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं चाहिएं। भगत सिंह पड़ोसी के घर में पैदा हो। यही विपक्ष का हाल है। मैं कांग्रेस में कभी नहीं जा रहा। मैं उन नेताओं के नारे नहीं लगा सकता जो कल तक मेरे घर के दरवाजे के बाहर बैठे थे। भाजपा में जाकर क्या मैं त्रिवेंद्र रावत के नारे लगाऊंगा या कांग्रेस में हरीश रावत जिंदाबाद के नारे लगाऊंगा।

यूएनः भारत ने वीटो पावर के इस्तेमाल पर उठाए सवाल

कहा- शांति के लिए हो उपयोग, सियासी फायदे के लिए नहीं

न्यूयॉर्क,एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पर्वतनेनी हरीश ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के पूर्ण सत्र में वीटो पावर के इस्तेमाल को लेकर भारत का पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि वीटो का इस्तेमाल बेहद संयम के साथ किया जाना चाहिए, खासकर उन मामलों में जो अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने से जुड़े हैं। पी. हरीश ने कहा, ''वीटो का अधिकार फिलहाल संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी सदस्यों के पास है। भारत का हमेशा से मानना रहा है कि यह अधिकार एक जिम्मेदारी भी है और इसका इस्तेमाल सीमित राजनीतिक हितों को साधने के लिए नहीं किया जाना चाहिए।'' भारतीय प्रतिनिधि ने कहा कि वीटो के इस्तेमाल का रिकॉर्ड स्पष्ट तस्वीर पेश करता है। संयुक्त राष्ट्र के अस्तित्व में आने के बाद से करीब 200 प्रस्तावों पर 331 बार वीटो का इस्तेमाल किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी सदस्यों में से दो ने साढ़े तीन दशक से अधिक समय से वीटो का इस्तेमाल नहीं किया है। वहीं, वीटो के अधिकांश इस्तेमाल या इसकी धमकी केवल तीन स्थायी सदस्यों की ओर से आई है।

हरीश ने कहा, ''2022 में शुरू की गई वीटो पहल को बदलाव की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना गया था। इसके तहत वीटो का इस्तेमाल किए जाने पर संयुक्त राष्ट्र महासभा में बहस अनिवार्य की गई, ताकि संबंधित देशों की जवाबदेही तय हो सके।'' हालांकि, उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा के प्रस्ताव 76/262 को अपनाए जाने के बाद वीटो के बड़े पैमाने पर इस्तेमाल का रिकॉर्ड इस पहल से जुड़ी उम्मीदों के विपरीत तस्वीर दिखाता है। भारतीय प्रतिनिधि ने कहा कि वीटो का मुद्दा सुरक्षा परिषद में सुधार से जुड़े पांच प्रमुख विषयों में शामिल है, जिन पर अंतरसरकारी वार्ता यानी आईजीएन के तहत चर्चा होती है।

संक्षिप्त खबरें...

इस्राइल में मतदान जारीः अब तक 12 लाख वोट पड़े, 1996 के बाद सबसे ज्यादा शुरुआती वोटिंग

येरूशलम,एजेंसी। इस्राइल में संसद के चुनाव के लिए मतदान के शुरुआती घंटों में मतदाताओं की अच्छी भागीदारी दर्ज की गई है। स्थानीय समय के अनुसार, सुबह 10 बजे तक 16.7 प्रतिशत मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर चुके थे। यह 2022 के चुनाव में इसी समय तक दर्ज 15.9 प्रतिशत मतदान से अधिक है। शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक, इस बार मतदान को लेकर लोगों में ज्यादा उत्साह दिखाई दिया है। चुनाव में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के सामने प्रमुख चुनौती पेश कर रहे गादी आइजेनकोट भी मतदान के दिन सक्रिय नजर आए। केंद्रीय चुनाव समिति के अनुसार, सुबह 10 बजे तक करीब 12 लाख वोट डाले जा चुके थे। यह आंकड़ा 1996 के बाद से इस समय तक दर्ज सबसे ज्यादा मतदान बताया गया है। 1996 में नेतन्याहू ने पहली बार प्रधानमंत्री पद हासिल किया था। इस चुनाव में मतदान के शुरुआती आंकड़े इसलिए भी अहम हैं, क्योंकि इनके जरिए मतदाताओं की भागीदारी का अंदाजा लगाया जा रहा है। हालांकि, केवल शुरुआती मतदान प्रतिशत से चुनाव के नतीजों या किसी पार्टी की जीत का अनुमान नहीं लगाया जा सकता। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपने संदेश में विपक्षी दलों को वामपंथी गठबंधन बताया। उन्होंने कहा कि अगर विपक्ष सत्ता में आता है तो उसे अरब पार्टियों के समर्थन पर निर्भर रहना पड़ सकता है। नेतन्याहू ने मतदाताओं से उनकी लिकुड पार्टी को वोट देने की अपील की। वह अपने चुनाव प्रचार में खुद को देश की सुरक्षा के लिए मजबूत नेता के रूप में पेश कर रहे हैं। यिसराइल बेतेनु पार्टी के नेता एविगडोर लिबरमैन ने कहा कि नेतन्याहू के खिलाफ वोट देना इस्राइल को मजबूत बनाने के पक्ष में वोट देना है। उन्होंने अनिवार्य सैन्य या नागरिक सेवा, कानून के सामने समानता और नागरिक स्वतंत्रता जैसे मुद्दे उठाए। वहीं, डेमोक्रेट्स पार्टी के यायर गोलान ने भी सरकार बदलने की अपील की। उन्होंने कहा कि नेतन्याहू सरकार 7 अक्तूबर के हमले की जांच के लिए स्वतंत्र आयोग बनाने का विरोध करती रही है। मतगणना के बाद राष्ट्रपति इसाक हर्जोग चुनाव जीतने वाली पार्टियों के नेताओं से चर्चा करेंगे। इसके बाद वह उस सांसद को सरकार बनाने का मौका देंगे, जिसके पास बहुमत जुटाने की सबसे अच्छी संभावना होगी। उसे गठबंधन बनाने के लिए 28 दिन मिलेंगे। जरूरत पड़ने पर 14 दिन की अतिरिक्त मोहलत भी दी जा सकती है। यदि पहला प्रयास विफल रहता है, तो दूसरे नेता को 28 दिन का समय दिया जा सकता है। आगे भी सरकार बनाने की कोशिशें नाकाम रहने पर देश में फिर चुनाव हो सकते हैं। नई सरकार बनने तक नेतन्याहू कार्यवाहक प्रधानमंत्री बने रहेंगे। इस्राइल में संसदीय चुनाव के लिए बड़े पैमाने पर तैयारियां की गई हैं। देश में 73 लाख से अधिक मतदाता 120 सदस्यीय संसद (नेसेट) चुनने के लिए मतदान कर रहे हैं। चुनाव को निष्पक्ष और सुरक्षित बनाने के लिए हजारों मतदान केंद्र, कैमरे और कर्मचारियों की तैनाती की गई है। मतदाताओं की सुविधा के लिए चुनाव के दिन इंटरसिटी सार्वजनिक परिवहन और रेल सेवाओं में मुफ्त यात्रा की व्यवस्था भी की गई है। केंद्रीय चुनाव समिति के कार्यवाहक महानिदेशक डीन लिवने के मुताबिक, देशभर में 12,018 मतदान केंद्र और 18,000 मतपेटियां तैयार की गई हैं। इनमें से 6,209 मतदान केंद्र दिव्यांगों और विशेष जरूरत वाले मतदाताओं के लिए सुलभ बनाए गए हैं। चुनाव की तैयारियों में करीब 1.5 लाख कर्मचारी और अधिकारी शामिल रहे हैं, जिनमें मतदान के दिन तैनात लगभग एक लाख कर्मी भी शामिल हैं। मतदान और मतगणना की निगरानी के लिए करीब 15,000 कैमरे लगाए गए हैं।

रूस-यूक्रेन युद्धः मेलानिया ट्रंप की पहल पर ओलेश्की में स्थानीय संघर्षविराम लागू, 2000 लोगों तक पहुंचेगी मदद

रूस,एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच मंगलवार तड़के स्थानीय स्तर पर संघर्षविराम लागू हो गया। यह कदम अमेरिकी प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप के नेतृत्व में चलाए जा रहे मानवीय सहायता अभियान से पहले उठाया गया है। यूक्रेन के समयानुसार संघर्षविराम सुबह तीन बजे शुरू हुआ। इसका उद्देश्य इस सप्ताह के अंत में दक्षिणी यूक्रेन के रूस के कब्जे वाले ओलेश्की शहर में राहत सामग्री पहुंचाने का रास्ता तैयार करना है। मेलानिया ट्रंप के कार्यालय के मुताबिक, संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों से मुलाकात के बाद उन्होंने रूस और यूक्रेन के नागरिक वार्ताकारों के साथ बातचीत का नेतृत्व किया। संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों ने उन्हें शहर के हालात की जानकारी दी थी। संघर्षविराम शनिवार तक जारी रहने की उम्मीद है। जरूरत पड़ने पर इसे आगे भी बढ़ाया जा सकता है। हालांकि, रूस और यूक्रेन के बीच गहरे अविश्वास के कारण पहले भी संघर्षविराम की कोशिशें सफल नहीं हो सकी हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, ओलेश्की में करीब 2000 लोग फंसे हुए हैं। वहां भोजन और दवाओं का भंडार लगातार कम हो रहा है। इलाके में बारूदी सुरंगों और ड्रोन हमलों के खतरे के कारण लोग शहर छोड़कर नहीं जा पा रहे हैं। राहत अभियान से जुड़े वार्ताकारों ने बताया कि लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए गलियारे खोलने से पहले ओलेश्की में डॉक्टरों, दवाओं, भोजन और पानी की आपूर्ति पहुंचाई जाएगी। ओलेश्की आंशिक रूप से रूस के कब्जे वाले खेरसॉन क्षेत्र में स्थित है। यह यूक्रेन की राजधानी कीव से करीब 550 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में है। यहां नीपर नदी रूस और यूक्रेन की सेनाओं के बीच सीमा का काम करती है। रूस की सेना ने 2022 में यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर हमला शुरू करने के पहले ही दिन ओलेश्की पर कब्जा कर लिया था। जून 2023 में बांध टूटने के कारण आई बाढ़ ने शहर में तबाही मचाई थी।

जॉर्डन का सीरिया में बड़ा हवाई हमलाः कई आतंकी मारे गए, तीन संदिग्ध गिरफ्तार

जॉर्डन,एजेंसी। जॉर्डन की वायुसेना ने सीरिया में कुछ ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं। जॉर्डन के सरकारी मीडिया के मुताबिक, यह कार्रवाई शुक्रवार को कराक शहर के ग्रीक ऑर्थोडॉक्स चर्च पर हुए हमले के जवाब में की गई। इस हमले में नौ लोगों की मौत हो गई थी, जबकि दो दर्जन से अधिक लोग घायल हुए थे। जॉर्डन के अधिकारियों ने बताया कि सीरिया में की गई कार्रवाई में कई संदिग्ध आतंकियों के मारे जाने या घायल होने की खबर है। हालांकि, हमले में निशाना बनाए गए समूहों और ठिकानों की सटीक जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। जॉर्डन के सरकारी मीडिया के अनुसार, वायुसेना की कार्रवाई में कथित आतंकवादी समूहों के कई सदस्य मारे गए या घायल हुए। उनके कई वाहन भी नष्ट किए गए। हालांकि, सीरिया की ओर से इस कार्रवाई पर तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई। शुक्रवार को कराक शहर में एक अंतिम संस्कार के दौरान ग्रीक ऑर्थोडॉक्स चर्च पर हमला हुआ था। यह शहर राजधानी अम्मान से करीब 90 किलोमीटर दक्षिण में स्थित है। यहां ईसाई समुदाय के लोग भी रहते हैं। घटना के बाद पूरे जॉर्डन में शोक की लहर फैल गई और सरकार ने मृतकों के सम्मान में तीन दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की। जॉर्डन के अधिकारियों ने सोमवार को चर्च हमले के सिलसिले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया। अधिकारियों के मुताबिक, गिरफ्तारी से पहले तड़के गोलीबारी हुई, जिसमें तीनों संदिग्ध घायल हो गए। जॉर्डन के सार्वजनिक सुरक्षा निदेशालय ने आरोपियों की पहचान हज्जा जैदान मोहम्मद, मिशाल जैदान मोहम्मद और अहमद सामी हुसैन के रूप में की है। हज्जा और मिशाल भाई हैं, जबकि अहमद उनका बहनोई है। तीनों जॉर्डन के नागरिक हैं और उन्हें कराक क्षेत्र से हिरासत में लिया गया। अधिकारियों के मुताबिक, जिस खाली मकान में सुरक्षा बलों ने आरोपियों को पकड़ा, वहां से बड़ी मात्रा में गोला-बारूद भी बरामद हुआ।

लूला समर्थकों का संदेश- ट्रंप का दखल मंजूर नहीं

सर्बिया में आंदोलन से सत्ता बदलने वाले जेन-जी पर नजर

साओ पाउलो। ब्राजील के मतदाताओं ने रविवार को वामपंथी राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा को चौथी बार सत्ता सौंपकर कहीं न कहीं यह संकेत दे दिया कि उन्हें अपनी नीतियों में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का दखल स्वीकार नहीं है। उन्होंने दूसरे दौर के मतदान में ट्रंप समर्थक दक्षिणपंथी उम्मीदवार फ्लेवियो बोल्सोनारो को अप्रत्याशित रूप से हरा दिया। फ्लेवियो, दक्षिणपंथी नेता और पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो के बड़े बेटे हैं। लूला ने चार वर्ष पहले जायर बोल्सोनारो को हराया था। इस बार उनकी जीत को लैटिन अमेरिका में दक्षिणपंथी राजनीति के बढ़ते प्रभाव के खिलाफ बड़े झटके के रूप में देखा जा रहा है। बोल्सोनारो ने चुनाव परिणाम स्वीकार करने से इन्कार कर दिया। इससे चुनाव परिणाम को लेकर अशांति की आशंका बढ़ गई है। फ्लेवियो की हार ट्रंप के लिए झटका है। ट्रंप ने बोल्सोनारो परिवार और क्षेत्र में उभरती दक्षिणपंथी राजनीति का समर्थन किया था। इसके उलट लूला ने कई मुद्दों पर ट्रंप का खुलकर विरोध किया है। उनकी जीत बताती है कि पूरे क्षेत्र में लगातार हार के बावजूद वामपंथी ताकतों का प्रभाव बना हुआ है। महीने की शुरुआत में हुए पहले दौर के मतदान में लूला अपने प्रतिद्वंद्वी से दो प्रतिशत अंक पीछे रहे थे। रविवार को उन्होंने शानदार वापसी की। लगभग सभी मतों की गिनती के बाद लूला को 51.8इ और बोल्सोनारो को 48.2% वोट मिले। जीत के बाद अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए? लूला ने कहा, हम अधिक गणित, अधिक इंजीनियरिंग पढ़ाएंगे, क्योंकि मैं चीनी या अमेरिकी कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर निर्भर नहीं रहना चाहता। मैं ब्राजीलियाई एआई बनाना चाहता हूं। लूला का बयान इस बात का संकेत है कि ब्राजील अब अमेरिका और चीन जैसी महाशक्तियों पर निर्भर नहीं रहना चाहता। उन्होंने कहा कि अब दो ब्राजील नहीं हैं। वह केवल उन लोगों के राष्ट्रपति नहीं हैं जिन्होंने उन्हें वोट दिया, बल्कि सभी 21.5 करोड़ ब्राजीलियाई लोगों के राष्ट्रपति हैं। उन्होंने कहा, हमें एक ऐसे देश को फिर से जोड़ना है, जो विभाजित हो गया था। पहले दौर के मतदान में उन्हें पीछे छोड़ने वाले बोल्सोनारो ने यूट्यूब के माध्यम से खूब प्रचार किया था। दूसरी तरफ, लूला ने 80 वर्ष की उम्र में अब स्मार्टफोन थामा है। दशकों तक मजदूरों के बीच राजनीति करने वाले लूला ने इस बार मोबाइल फोन के साथ सोशल मीडिया के मैदान में उतरे। पहले दौर के चुनावी नतीजों के बाद 21 साल की कानून की छात्रा एना एलिसा सिल्वा उनकी करीबी टीम में शामिल हुईं।

रूसी डीजल आयातः अमेरिकी सांसदों की बैंकों, बंदरगाहों और कंपनियों को चेतावनी

कहा- हो सकती है कानूनी कार्रवाई

वॉशिंगटन,एजेंसी। अमेरिकी सांसदों के एक द्विदलीय समूह ने बैंकों, बंदरगाह प्राधिकरणों और ईंधन वितरकों को चेतावनी दी है कि रूस से डीजल आयात की सुविधा देने पर उन्हें कानूनी कार्रवाई और कांग्रेस की जांच का सामना करना पड़ सकता है। सांसदों ने प्रमुख वित्तीय संस्थानों, बंदरगाहों और ईंधन वितरक कंपनियों के प्रमुखों को लिखे पत्रों में कहा कि अमेरिकी कानून का उल्लंघन करते हुए आयात में मदद करने वाली कंपनियों पर आपराधिक और दीवानी कार्रवाई हो सकती है। यह चेतावनी ऐसी खबरों के बीच आई है कि रूसी डीजल की खेप अमेरिकी तटों की ओर बढ़ रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसी महीने की शुरुआत में रूस को अमेरिका समेत वैश्विक बाजारों में डीजल की आपूर्ति करने की छूट दी थी। सांसदों ने 2022 के 'एंडिंग इंपोर्टेशन ऑफ रशियन ऑयल एक्ट' की धारा 2 का हवाला दिया। इस कानून के तहत रूस में बने ऊर्जा उत्पादों, जिनमें डीजल ईंधन भी शामिल है, के आयात पर आम तौर पर रोक है। कानून के मुताबिक, आयात की अनुमति तभी दी जा सकती है, जब राष्ट्रपति कांग्रेस को प्रमाणित करें कि रूस ने यूक्रेन में सभी सैन्य शत्रुताएं रोक दी हैं और नाटो के सदस्य देशों के लिए कोई तत्काल खतरा नहीं है। पत्र पर हस्ताक्षर करने वालों में डेमोक्रेटिक पार्टी के सीनेटर जीन शाहीन, रॉन वाइडन, शेल्डन व्हाइटहाउस, क्रिस कून्स और एलिजाबेथ वॉरेन के साथ रिपब्लिकन सीनेटर थॉम टिलिस शामिल हैं। न्यूयॉर्क के पांचवें कांग्रेसनल जिले का प्रतिनिधित्व करने वाले सांसद ग्रेगरी मीक्स ने भी पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। ये पत्र जेपीमॉर्गन चेज, बैंक ऑफ अमेरिका, सिटीग्रुप, वेल्स फार्गो, गोल्डमैन सैक्स और मॉर्गन स्टेनली के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों को भेजे गए हैं। इसके अलावा टेक्सास के ह्यूस्टन, कॉर्पस क्रिस्टी और ब्यूमोंट बंदरगाह प्राधिकरणों तथा न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी के बंदरगाह प्राधिकरणों को भी पत्र लिखे गए हैं।

अमेरिकी मध्यावधि चुनावः सर्वे में डेमोक्रेट को बढ़त

न्यूयॉर्क। अमेरिका में मध्यावधि चुनाव की सरगर्मी के बीच भारतीय मूल के मतदाताओं की पसंद पर भी सबकी नजर है। कार्नेगी व यूगोव के इंडियन अमेरिकन एटीट्यूड्स सर्वे में 46इ भारतीय-अमेरिकियों ने डेमोक्रेट को अपनी पसंदीदा पार्टी बताया। 19इ ने खुद को रिपब्लिकन और 29इ ने दोनों का विरोधी बताया। डेमोक्रेटिक प्रतिनिधि रो खन्ना कैलिफोर्निया के 17वें जिले से दोबारा जीतने की कोशिश में हैं। उनके सामने रिपब्लिकन रितेश टंडन हैं, जिससे भारतीय मूल के दो उम्मीदवारों के बीच मुकाबला हो गया है। डेमोक्रेटिक प्रतिनिधि प्रमिला जयपाल वॉशिंगटन के 7वें जिले से एक और कार्यकाल के लिए चुनावी मैदान में हैं। उन्हें चुनौती दे रहे रिपब्लिकन उम्मीदवार नीरव सेठ भी भारतीय मूल के ही हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मध्यावधि चुनाव में अपनी पार्टी के उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित करने के लिए आक्रामक और विवादित बयानों का सहारा लेने में जुटे हैं। उन्होंने रविवार को मिशिगन में एक चुनावी रैली के दौरान इस्लाम विरोधी बयान देकर रिपब्लिकन मतदाताओं को लामबंद करने की कोशिश की। उन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी के सीनेट उम्मीदवार डॉ. अब्दुल अल-सईद पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी जीत से अमेरिका में जिहादियों की बाढ़ आ जाएगी। ट्रंप ने कहा कि अल-सईद और डेमोक्रेट जीतते हैं तो अमेरिका के दरवाजे जिहादियों के लिए खुल जाएंगे। वहीं, फ्रांस में हालिया हिंसा के लिए एक बार फिर मुस्लिम प्रवासियों को जिम्मेदार ठहराया। ट्रंप ने अल-सईद को मुस्लिम ब्रदरहुड का सदस्य भी बताया। हालांकि, इस आरोप के समर्थन में कोई आधार नहीं दिया। अमेरिका में जन्मे अल-सईद इन आरोपों को पहले ही खारिज कर चुके हैं। उनके सहयोगियों ने ट्रंप के बयानों को इस्लाम विरोधी और नस्लवादी बताया। ट्रंप ने नोबेल पुरस्कार ने मिलने पर न केवल नार्वे पर निशाना साधा, बल्कि उसके लिए अपशब्दों का भी इस्तेमाल किया। ट्रंप ने कहा-मैंने आठ जंग रुकवाई। फिर भी मुझे नोबेल नहीं मिला। मैं नॉर्वे से किसी को यहां आने देना नहीं चाहता। उन्होंने ट्रंप को घटिया देश करार दिया।

खिलाड़ियों को वर्ल्ड कप से पहले अनुभव देना होगाः ब्रेंडन मैकुलम

लाहौर,एजेंसी। इंग्लैंड के हेड कोच ब्रेंडन मैकुलम ने पाकिस्तान की धरती पर खेली जा रही ट्राई-सीरीज में टीम की लगातार हार के बाद कहा कि खिलाड़ियों को दबाव के समय बेहतर फैसले लेने की जरूरत है। उन्होंने माना कि टीम में अनुभव की कमी अभी भी चिंता का विषय है, खासकर तब, जब अगले साल साउथ अफ्रीका में होने वाला वनडे वर्ल्ड कप धीरे-धीरे करीब आ रहा है। इंग्लैंड को सबसे ताजा झटका लाहौर में पाकिस्तान के खिलाफ लगा, जहां वे मेजबान टीम के 9 विकेट पर 154 रन बनाने के बावजूद 241 रन का बचाव नहीं कर सकी। शादाब खान के नाबाद 113 रन और हारिस रऊफ के साथ की गई 10वें विकेट के लिए अटूट 89 रनों की शानदार साझेदारी ने इंग्लैंड को एक और दर्दनाक हार दी। इससे पहले, टीम को रावलपिंडी में 429 रन बनाने के बावजूद श्रीलंका के खिलाफ 2 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। लगातार हार पर विचार करते हुए मैकुलम ने माना कि इंग्लैंड तब पीछे रह गया जब सबसे ज्यादा जरूरत थी और उसे मुश्किल स्थितियों से निपटने के बेहतर तरीके खोजने की आवश्यकता है। पत्रकारों से बातचीत में मैकुलम ने कहा, जब आप हारते हैं तो इसका मतलब है कि उस दिन आप जीतने के लिए पर्याप्त अच्छे नहीं थे। ऐसे में आपको अपनी कमियों पर काम करना पड़ता है। ये दोनों मैच अलग तरह के रहे हैं। एक कोच के तौर पर मुझे लगता है कि खिलाड़ियों को ऐसे मुकाबले खेलने का मौका मिला, जहां दबाव अपने चरम पर था। उन्होंने आगे कहा, ऐसे मौकों पर हमें यह सोचना होगा कि खिलाड़ियों को बेहतर विकल्प कैसे दिए जाएं। बात सिर्फ बल्लेबाजी, गेंदबाजी या फील्डिंग की नहीं है, बल्कि यह भी है कि दबाव में शांत कैसे रहा जाए, संतुलन कैसे बनाए रखा जाए और सही योजनाओं के साथ उन मुश्किल परिस्थितियों से कैसे निपटा जाए। आने वाले कुछ दिनों में हम इन पहलुओं पर विस्तार से चर्चा करेंगे। इंग्लैंड के कोच ने अपनी टीम के वर्ल्ड कप के कम अनुभव को भी एक ऐसा एरिया बताया जिस पर ध्यान देने की जरूरत है। रविवार की प्लेइंग इलेवन में से सिर्फ जो रूट, सैम करन, गस एटकिंसन और कप्तान हैरी ब्रूक ने ही वनडे वर्ल्ड कप में हिस्सा लिया था, जिससे टीम को अगले ग्लोबल टूर्नामेंट से पहले सीखने के लिए कीमती सबक मिले। इंग्लिश हेड कोच ने कहा, मुझे लगता है कि हमारे खिलाड़ियों को अनुभव नहीं है। हम जानते हैं कि 12 महीने बाद कैलेंडर में एक बड़ा वर्ल्ड कप है, जिसमें हम सीरियस चैलेंजर बनने के लिए यह मानने के लिए तैयार हैं कि हमें बेहतर होने की आवश्यकता है। हम इन खिलाड़ियों को जितनी जल्दी हो सके अनुभव देना होगा। निराशा के बावजूद, मैकुलम का मानना है कि दो हार ने ऐसे हालात सामने लाए हैं, जिनसे इंग्लैंड को वनडे क्रिकेट के लिए एक मजबूत नजरिया बनाने में मदद मिल सकती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जब मैच हाथ से निकलने लगें, खासकर चेज के आखिरी स्टेज में, तो हल ढूंढना कितना जरूरी है। मैकुलम ने आगे कहा, मुझे लगा कि यह हमारे लिए एक और बड़ा सबक था। अगर आप गेम में पीछे हैं और चेज कर रहे हैं, तो आप अपने सेट बल्लेबाज के लिए बॉल तक ज्यादा से ज्यादा पहुंच बनाने और फिर भी शांत रहने और आखिर में गेम के अंत में विरोधी टीम पर दबाव डालने का तरीका कैसे बना सकते हैं। वहां कुछ अच्छे सबक हैं। सीखने के कुछ अच्छे मौके हैं और हम इससे सीखेंगे। हम साउथ अफ्रीका जाने और उस वर्ल्ड कप के लिए चुनौती देने का एक असली मौका पाने के लिए बेताब हैं। शादाब की मैच जिताने वाली इनिंग्स ने इंग्लैंड के युवा खिलाड़ियों के लिए सीखने का एक और मौका दिया, जिसमें पाकिस्तान के ऑलराउंडर ने दिखाया कि कैसे एक बैटर लोअर ऑर्डर के बल्लेबाज के साथ बैटिंग करते हुए चेज पर कंट्रोल रख सकता है। मैकुलम ने कहा, मुझे लगा कि यह बहुत संतुलित और समझदारी भरी पारी थी। जिस तरह उन्होंने गेम तक पहुंचने के लिए अपने खेल को परिस्थितियों के अनुसार बदला और निचले क्रम के बल्लेबाजों के साथ साझेदारी की, वह हमारे युवा और कम अनुभवी खिलाड़ियों के लिए सीखने लायक उदाहरण है। इंग्लैंड की टीम ट्राई-सीरीज में अब तक अपने तीनों मैच हार चुकी है।

पाकिस्तानः इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी के लिए 14 सदस्यीय टीम घोषित

नई दिल्ली,एजेंसी। पाकिस्तान ने आगामी आईसीसी महिला इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी 2026 के लिए अपनी 14 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। विकेटकीपर-बल्लेबाज मुनीबा अली को टीम की कमान सौंपी गई है, जबकि आयशा जफर उपकप्तान की जिम्मेदारी निभाएंगी। मुनीबा को फातिमा सना की गैरमौजूदगी में कप्तानी मिली है। फातिमा ऑस्ट्रेलिया की घरेलू बिग बैश लीग में अपने पहले सीजन की प्रतिबद्धताओं के कारण इस टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले पाएंगी। मुनीबा अली इससे पहले पाकिस्तान के लिए चार टी20 अंतरराष्ट्रीय और एक वनडे मुकाबले में कप्तानी कर चुकी हैं। अब उन्हें इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी में टीम का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी दी गई है। आयशा जफर उपकप्तान के रूप में उनकी मदद करेंगी। टीम के बल्लेबाजी समूह में ईमान नसीर, ईमान फातिमा, सदफ शमास, सायरा जबीन, शवाल जुल्फिकार और गुल फिरोजा शामिल हैं। गुल फिरोजा को हाल ही में पाकिस्तान की आयोजित राष्ट्रीय महिला टी20 टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपर-बल्लेबाज चुना गया था। वह टीम को विकेटकीपिंग के लिए एक और विकल्प देंगी। पाकिस्तान की गेंदबाजी की अगुआई नशरा संधू करेंगी। स्पिन विभाग में उनके साथ मोमिना रियासत, तुबा हसन और उम्म-ए-हानी शामिल हैं। इस तरह टीम के पास चार स्पिन विकल्प हैं। तेज गेंदबाजी में तस्मिया रुबाब और वहीदा अख्तर प्रमुख गेंदबाज होंगी। टीम का संयोजन बल्लेबाजी, स्पिन और तेज गेंदबाजी के बीच संतुलन बनाने की कोशिश को दर्शाता है। महिला इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी के पिछले संस्करण में थाईलैंड ने खिताब जीता था। पिछली बार टूर्नामेंट में आठ टीमों ने हिस्सा लिया था, जबकि 2026 के संस्करण में कुल 10 टीमें प्रतिस्पर्धा करेंगी।

सीएसके में जारी बदलावों का दौरः माइक हसी ने दिया पद से इस्तीफा, जहीर खान की टीम में नए सहायक कोच की एंट्री

नई दिल्ली,एजेंसी।आईपीएल 2027 से पहले चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने अपने कोचिंग स्टाफ में बड़े बदलाव किए हैं। पांच बार की चैंपियन टीम ने लंबे समय तक बल्लेबाजी कोच की जिम्मेदारी संभालने वाले ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर माइक हसी से अलग होने का फैसला किया है। वहीं, इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर गैरेथ बैटी को टीम का नया सहायक कोच नियुक्त किया गया है। बैटी अब टीम के नए मुख्य कोच जहीर खान के साथ काम करेंगे। यह बदलाव ऐसे समय में हुआ है, जब चेन्नई सुपर किंग्स पिछले तीन आईपीएल सत्र में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी है। चेन्नई सुपर किंग्स ने इससे पहले लंबे समय तक मुख्य कोच रहे स्टीफन फ्लेमिंग से भी अपना नाता तोड़ लिया था। फ्लेमिंग के नेतृत्व में टीम ने कई सफलताएं हासिल कीं, लेकिन हाल के सत्रों में प्रदर्शन में गिरावट के बाद फ्रेंचाइजी ने नए नेतृत्व के साथ आगे बढ़ने का फैसला किया। फ्लेमिंग अब इंग्लैंड की टेस्ट टीम की जिम्मेदारी संभालने जा रहे हैं। उनकी जगह भारत के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान को चेन्नई सुपर किंग्स का नया मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। आईपीएल 2027 जहीर खान का चेन्नई सुपर किंग्स के साथ पहला सत्र होगा। ऐसे में टीम प्रबंधन को उम्मीद होगी कि नए कोचिंग स्टाफ के साथ टीम अपने प्रदर्शन में सुधार करेगी और खिताब जीतने की दौड़ में मजबूती से वापसी करेगी। चेन्नई सुपर किंग्स ने इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर गैरेथ बैटी को नया सहायक कोच नियुक्त किया है। 49 वर्षीय बैटी इंग्लैंड के लिए 9 टेस्ट, 10 वनडे और 1 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं। बैटी और जहीर खान एक-दूसरे को पहले से जानते हैं।

मोर्ने मोर्कल ने किया भुवनेश्वर का बचाव

वेलिंगटन,एजेंसी। भारत के बॉलिंग कोच मोर्ने मोर्कल ने सीनियर तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार का बचाव किया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले दो टी20 मैचों में भुवनेश्वर काफी महंगे साबित हुए थे, लेकिन मोर्कल का कहना है कि उन्हें बाहरी शोर के बारे में नहीं सोचना चाहिए और बस अपने स्वाभाविक खेल पर ध्यान देना चाहिए। चार साल बाद टी20 टीम में भुवनेश्वर की वापसी वैसी नहीं रही जैसी उन्होंने सोची होगी। उन्होंने अपने कोटे के ओवरों में क्रमशः 49 और 50 रन दिए हैं। उनका इकॉनमी रेट 12.37 रहा, जो भारतीय गेंदबाजों में सबसे खराब था। मोर्कल ने बताया कि उन्होंने भुवनेश्वर को सलाह दी है कि वे किसी चीज के पीछे न भागें और उम्मीदों के दबाव को पूरी तरह से भूल जाएं। मंगलवार को होने वाले तीसरे टी20 मैच से पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मोर्कल ने कहा, भुवनेश्वर की वापसी को लेकर मुझे काफी सहानुभूति है। ऐसा इसलिए है क्योंकि चार साल बाद वापसी करने पर लोगों की उम्मीदें होना स्वाभाविक है। उन्होंने आईपीएल में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है और शानदार गेंदबाजी की है। सबसे पहली बात तो यह है कि उन्हें उम्मीदों के दबाव को नजरअंदाज कर देना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, दूसरी बात, उनके चयन से पहले उन्होंने एक महीने तक ट्रेनिंग की थी, लेकिन इंटरनेशनल क्रिकेट का स्तर बिल्कुल अलग होता है, जहां छोटी-छोटी गलतियों का भी बड़ा असर पड़ता है। शेड्यूल की वजह से उन्हें बहुत कम ट्रेनिंग के साथ ही खुद को तैयार करना पड़ा। इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी से पहले 36 वर्षीय भुवनेश्वर ने आखिरी बार नवंबर 2022 में एडिलेड ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। पिछले दो सीजन में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शानदार प्रदर्शन की बदौलत इस अनुभवी तेज गेंदबाज ने नेशनल टीम में अपनी जगह फिर से बनाई। भुवनेश्वर ने पिछले दो आईपीएल सीजन में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए कुल 45 विकेट लिए और टीम को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई। नई गेंद के साथ लगातार अच्छा प्रदर्शन करने और अपने भरपूर अनुभव के दम पर उन्हें भारत की टी20 टीम में एक और मौका मिला है। मोर्कल ने कहा, उनके पास कौशल और अनुभव - सब कुछ है। मगर अंत में हमें क्रिकेट के खेल का सम्मान करना चाहिए और उन्हें कुछ मैचों में खुद को ढालने का समय देना चाहिए। जब से वह टीम से जुड़े हैं, तब से मेरा संदेश यही रहा है कि किसी चीज के पीछे भागने की जरूरत नहीं है। बस आप जैसे हैं, वैसे ही रहें। हां, उम्मीदें तो होंगी ही।

डब्ल्यूबीबीएल 12 के लिए होबार्ट हरिकेन्स में शामिल हुईं चमारी अटापट्टू

होबार्ट,एजेंसी। होबार्ट हरिकेन्स ने महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल 12) के लिए श्रीलंकाई कप्तान चमारी अटापट्टू को अपनी टीम में शामिल किया है। वह इंग्लैंड की खिलाड़ी डैनी व्याट-हॉज की जगह लेंगी, जो चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं। डब्ल्यूबीबीएल 11 में टीम के खिताब जीतने पर डैनी व्याट-हॉज टीम की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज रही थीं। उन्होंने 48.00 की औसत से 432 रन बनाए और शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें टीम का डब्ल्यूबीबीएल प्लेयर ऑफ द ईयर भी चुना गया था। इंग्लैंड की इस ओपनर ने टूर्नामेंट की शुरुआत ही दमदार अंदाज में की थी। टीम के पहले मैच में उन्होंने सिर्फ 52 गेंदों पर 90 रन की शानदार पारी खेली थी। पूरे सीजन में उन्होंने चार अर्धशतक लगाए और लगभग 50 की औसत से रन बनाते हुए टीम को खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। आईसीसी महिला टी20 में बल्लेबाजों की रैंकिंग में छठे स्थान पर मौजूद अटापट्टू पिछले सात डब्ल्यूबीबीएल सीजन में पर्थ स्कॉर्चर्स, मेलबर्न रेनेगेड्स और सिडनी थंडर जैसी टीमों के लिए खेल चुकी हैं। 36 वर्षीय अटापट्टू का डब्ल्यूबीबीएल 9 में सिडनी थंडर के साथ प्रदर्शन बहुत शानदार रहा था। उन्होंने 42.46 के औसत से 552 रन बनाए, जिसमें पांच अर्धशतक शामिल थे, और उन्हें श्प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंटश् चुना गया था। उस सीजन में उन्होंने 9 विकेट भी लिए, जो यह दिखाता है कि वह बल्ले और गेंद दोनों से मैच का रुख बदलने की क्षमता रखती हैं। हरिकेन्स की श्हेड ऑफ हाई परफॉरमेंसश् सैलिएन बीम्स ने कहा, हम डैनी के लिए बहुत निराश हैं। वह हमारी टीम का एक अहम हिस्सा रही हैं और पिछले साल हमारी पहली खिताबी जीत में उन्होंने बहुत बड़ा योगदान दिया था।

व्यापार

वैश्विक अनिश्चितताओं के चलते लाल निशान में खुला बाजार

मुंबई। वैश्विक अनिश्चितताओं के चलते हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ लाल निशान में खुला। यह लगातार पांचवां दिन है जब घरेलू बाजार के प्रमुख बेंचमार्क में गिरावट दर्ज की गई है। सेंसेक्स 72,990.04 पर खुला, जो अपने पिछले बंद भाव 73,123.83 से 133.79 अंक यानी 0.18 प्रतिशत की गिरावट को दर्शाता है। वहीं निफ्टी 50 अपने पिछले बंद 22,600.00 से 75.59 अंक यानी 0.33 प्रतिशत लुढ़ककर 22,524.40 पर खुला। वहीं दिन के कारोबार में सेंसेक्स ने 609.25 अंकों यानी 0.83 प्रतिशत की गिरावट के साथ 72,514.57 का निम्नतम स्तर छुआ, जबकि निफ्टी 50 212.65 अंक या 0.94 प्रतिशत फिसलकर 22387.35 के दिन के निम्नतम स्तर पर पहुंच गया। व्यापक बाजार में निफ्टी मिड-कैप 100 और स्मॉल कैप दोनों में क्रमशः 0.81 प्रतिशत और 0.91 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। वहीं सेक्टरवार देखें तो, एनएसई पर अधिकांश सूचकांकों में गिरावट देखी गई, जिनमें निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी ऑटो, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज और निफ्टी आईटी शीर्ष गिरावट वाले सूचकांक रहे, जिनमें 1 प्रतिशत से ज्यादा तक की गिरावट दर्ज की गई। हालांकि, निजी बैंकिंग शेयरों में कुछ मजबूती देखने को मिली। निफ्टी प्राइवेट बैंक लगभग 0.49 प्रतिशत चढ़ा, जबकि फार्मा और हेल्थकेयर क्षेत्र के शेयरों ने भी अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन किया और बाजार को कुछ सहारा दिया। बाजार की दिशा का अंदाजा लगाने के लिए निवेशक अमेरिकी फेडरल रिजर्व की 27-28 अक्टूबर को होने वाली नीतिगत बैठक और सितंबर तिमाही के नतीजों पर नजर रखेंगे। व्यापक रूप से यह उम्मीद की जा रही है कि फेड ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं करेगा, लेकिन भविष्य की नीतिगत दिशा पर उसका मार्गदर्शन अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड, डॉलर और उभरते बाजारों में विदेशी पोर्टफोलियो प्रवाह को प्रभावित कर सकता है। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, ब्रेंट क्रूड की कीमतों में हाल के दिनों में मामूली नरमी जरूर आई है, लेकिन वे अब भी ऊंचे स्तर पर बनी हुई हैं। ऐसे में शेयर बाजार में किसी मजबूत और टिकाऊ तेजी की संभावना फिलहाल सीमित दिखाई देती है। उनका मानना है कि हालिया गिरावट के बाद कई शेयर आकर्षक वैल्यूएशन पर उपलब्ध हुए हैं, लेकिन निवेशकों को कच्चे तेल की ऊंची कीमतों से जुड़े व्यापक आर्थिक जोखिमों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। विश्लेषकों ने यह भी कहा कि पिछले सप्ताह मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में आई तेज गिरावट का प्रमुख कारण मार्जिन फंडिंग पर आधारित ट्रेडों का अनवाइंड होना रहा। हालांकि इस करेक्शन के बाद कुछ चुनिंदा उच्च-विकास वाले क्षेत्रों में निवेश के नए अवसर उभर सकते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक स्तर पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) थीम में आई ठंडक भारत के लिए अपेक्षाकृत सकारात्मक साबित हो सकती है। हाल के महीनों में दक्षिण कोरिया और ताइवान से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की निकासी भारत की तुलना में अधिक रही है, जो भारतीय बाजार की अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति को दर्शाती है। पिछले कारोबारी सत्र, 23 अक्टूबर को विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 887 करोड़ रुपए के शेयरों की शुद्ध खरीदारी की थी। वहीं घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने लगातार चौथे सत्र में भी खरीदारी जारी रखते हुए 3,236 करोड़ रुपए की इक्विटी खरीदी थी। कमोडिटी बाजार में ब्रेंट क्रूड 2 प्रतिशत से अधिक गिरकर लगभग 114 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार करता दिखाई दिया।

लगातार गिरावट के बाद सोने-चांदी में लौटी चमक

नई दिल्ली,एजेंसी। कई दिनों की लगातार गिरावट के बाद हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को सोने और चांदी की कीमतों में रिकवरी देखने को मिली। पिछले सप्ताह सोना और चांदी दोनों तेज दबाव में रहे थे, लेकिन कारोबारी सप्ताह के पहले दिन अंतरराष्ट्रीय और घरेलू बाजारों में खरीदारी लौटने से दोनों कीमती धातुओं के भाव में तेजी दर्ज की गई। हालांकि बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि यह फिलहाल तकनीकी रिकवरी है और निवेशकों की नजर अमेरिकी फेडरल रिजर्व की 27-28 अक्टूबर को होने वाली नीतिगत बैठक और अमेरिका के पीसीई मुद्रास्फीति आंकड़ों पर बनी हुई है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का दिसंबर वायदा भाव करीब 0.50 प्रतिशत यानी 761 रुपए चढ़कर 1,42,733 रुपए प्रति 10 ग्राम के आसपास कारोबार करता दिखाई दिया। वहीं चांदी का दिसंबर वायदा भाव 0.49 प्रतिशत यानी 968 रुपए की तेजी के साथ 1,96,687 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गया। वहीं दिन के कारोबार में सोना एक समय अपने पिछले बंद भाव 1,42,024 रुपए से 864 रुपए यानी 0.60 प्रतिशत उछलकर 1,42,888 रुपए प्रति 10 ग्राम के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था, तो वहीं चांदी एक समय अपने पिछले बंद 1,95,719 रुपए से 1,467 रुपए यानी 0.74 प्रतिशत उछलकर 1,97,186 रुपए के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई थी। पिछले सप्ताह सोना करीब 4 प्रतिशत और चांदी 7 प्रतिशत से अधिक टूट गई थी, ऐसे में निवेशकों ने निचले स्तरों पर खरीदारी दिखाई। अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर भी सोना और चांदी दोनों में सुधार देखा गया। सोमवार सुबह के कारोबार में सोना 0.48 प्रतिशत चढ़कर 4,027 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखाई दिया, हालांकि इसने 0.50 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त के साथ 4,032.90 डॉलर प्रति औंस का उच्चतम स्तर छुआ। वहीं, सुबह के कारोबार में चांदी 0.74 प्रतिशत की बढ़त के साथ 54.35 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करती नजर आई। हालांकि कारोबारी सत्र में इसने 0.90 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी के साथ 54.47 डॉलर प्रति औंस का उच्चतम स्तर छुआ। गौरतलब है कि पिछले सप्ताह स्पॉट गोल्ड पहली बार जुलाई के बाद 4,000 डॉलर प्रति औंस के नीचे फिसल गया था, जिससे बाजार में भारी दबाव बन गया था। विश्लेषकों के अनुसार, 4,000 डॉलर का स्तर सोने के लिए एक महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक समर्थन (सपोर्ट) क्षेत्र साबित हो रहा है। हालिया गिरावट के बाद इस स्तर पर खरीदारी लौटने से कीमतों को सहारा मिला है। हालांकि अभी भी बाजार में सावधानी बनी हुई है क्योंकि ऊंची ऊर्जा कीमतें महंगाई संबंधी चिंताओं को बढ़ा रही हैं। बाजार की सबसे बड़ी नजर अब अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक पर है। विशेषज्ञों के अनुमानों के मुताबिक, अक्टूबर की बैठक में ब्याज दर बढ़ने की संभावना सीमित है, लेकिन दिसंबर में दर बढ़ोतरी की आशंका अभी भी बनी हुई है। यही वजह है कि सोने और चांदी में बड़े निवेशक फिलहाल सतर्क रुख अपना रहे हैं। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि इस सप्ताह जारी होने वाले अमेरिकी पर्सनल कंजम्पशन एक्सपेंडिचर (पीसीई) मुद्रास्फीति आंकड़े बाजार की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएंगे। यदि महंगाई उम्मीद से अधिक रहती है तो ब्याज दरों को लंबे समय तक ऊंचा बनाए रखने की संभावना बढ़ सकती है, जो सोने और चांदी के लिए नकारात्मक संकेत माना जाएगा। बाजार विश्लेषकों के मुताबिक, चांदी ने सोने की तुलना में बेहतर रिकवरी दिखाई है। कॉमेक्स और एमसीएक्स दोनों में चांदी के भाव में अपेक्षाकृत अधिक तेजी दर्ज की गई। इसके बावजूद तकनीकी संकेत बताते हैं कि चांदी अभी भी ओवरसोल्ड जोन से पूरी तरह बाहर नहीं निकली है। एमसीएक्स पर चांदी के लिए 2 लाख रुपए से 2.02 लाख रुपए प्रति किलोग्राम का स्तर महत्वपूर्ण प्रतिरोध (रेजिस्टेंस) माना जा रहा है, जबकि नीचे की ओर 1.92 लाख रुपए से 1.94 लाख का क्षेत्र मजबूत समर्थन के रूप में देखा जा रहा है। इस बीच, कच्चे तेल की चाल भी कीमती धातुओं पर असर डाल सकती है। ब्रेंट क्रूड हाल के दिनों में 110 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गया था। ऊंचे तेल दाम महंगाई बढ़ाने का जोखिम पैदा करते हैं, जिससे केंद्रीय बैंक ब्याज दरों में कटौती को टाल सकते हैं। यही कारण है कि ऊर्जा बाजार, डॉलर इंडेक्स और बॉन्ड यील्ड पर निवेशकों की नजर बनी हुई है।

सरकार ने फ्लेक्स-फ्यूल वाहनों के नियमों में किया बदलाव, शुद्ध एथनॉल ईंधन के इस्तेमाल पर जोर

नयी दिल्ली,एजेंसी। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने सोमवार को केंद्रीय मोटर वाहन नियमों में संशोधन अधिसूचित कर दिए, जिससे शुद्ध रूप से एथनॉल वाले ईंधन ई-100 पर चलने वाले फ्लेक्स-फ्यूल वाहनों का रास्ता साफ हो गया है। फ्लेक्स-फ्यूल वाहन ई85 (85 प्रतिशत एथनॉल मिश्रित पेट्रोल) तथा ई100 जैसे उच्च एथनॉल मिश्रण वाले ईंधन पर चलने के लिए भी सक्षम बनाए जाते हैं। मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि ई20 (पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनॉल का मिश्रण) से अधिक और ई100 तक के ईंधन विकल्पों का इस्तेमाल केवल उन्हीं वाहनों में किया जा सकेगा, जिन्हें इसके लिए डिजाइन और प्रमाणित किया गया है। इसका मतलब है कि ई20 या सामान्य पेट्रोल पर चलने वाले वाहन ई85 या ई100 ईंधन का इस्तेमाल नहीं कर सकेंगे। नियमों में किए गए संशोधन के तहत वाहन वर्गीकरण की कुछ सीमाओं, ईंधन विनिर्देशों और उत्सर्जन संबंधी परीक्षणों में इस्तेमाल होने वाले तकनीकी संदर्भों में भी बदलाव किया गया है। इसके अलावा, इन बदलावों से प्रभावित हल्के पेट्रोल और डीजल वाहनों के लिए वजन की सीमा 3,000 किलोग्राम से बढ़ाकर 3,500 किलोग्राम कर दी गई है। सरकार कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता घटाने के लिए पेट्रोल में एथनॉल के मिश्रण को बढ़ावा दे रही है। देश में ई20 ईंधन की शुरुआत हो चुकी है, जिसमें 20 प्रतिशत एथनॉल और 80 प्रतिशत पेट्रोल होता है। मारुति सुजुकी इंडिया ने इस साल जून में देश का पहला फ्लेक्स-फ्यूल यात्री वाहन वैगनआर पेश किया था, जो ई20 से लेकर ई100 तक के एथनॉल-पेट्रोल मिश्रण वाले ईंधन पर चल सकता है। इसके अलावा, टोयोटा, टाटा मोटर्स और हुंडै समेत अन्य वाहन विनिर्माता भी भारतीय बाजार के लिए फ्लेक्स-फ्यूल वाहन विकसित कर रहे हैं।

एचडीएफसी बैंक ने इलेक्ट्रिक गाड़ियों के लिए नया फ्लेक्सी इलेक्ट्रिक कार लोन प्रोडक्ट लॉन्च किया

नयी दिल्ली,एजेंसी। भारत के प्राइवेट सेक्टर के बड़े बैंक, एचडीएफसी बैंक ने अपनी तरह का पहला फ्लेक्सी इलेक्ट्रिक कार लोन लॉन्च किया है। यह इलेक्ट्रिक गाड़ियों (ईवी) की खरीद को फाइनेंस करने के लिए एक नया ऑटो लोन प्रोडक्ट है। फ्लेक्सी इलेक्ट्रिक कार लोन, ईवी गाड़ी की बॉडी और बैटरी के लिए अलग-अलग लोन देगा। बैटरी लोन को लंबे समय में चुकाया जा सकता है। इससे ईएमआई आउटफ्लो को कस्टमाइज करने की फ्लेक्सिबिलिटी मिलेगी। यह लोन अब देश भर में बैंक की 9700 से ज्यादा ब्रांच में लाइव है। ईवीज का मौजूदा कॉस्ट स्ट्रक्चर, इंटरनल कम्बशन इंजन (आईसीई) गाड़ियों की तुलना में गाड़ियों को खरीदने की कॉस्ट को ज्यादा बनाता है, क्योंकि बैटरी इलेक्ट्रिक गाड़ी का सबसे महंगा हिस्सा होती है। बैटरी के लिए ईएमआई का हिस्सा आईसीई गाड़ी की रनिंग कॉस्ट के बराबर होगा। यह तरीका बदलते बैटरी सब्सक्रिप्शन मॉडल से भी मेल खाता है, जो ईवी ओनरशिप को ज्यादा आसान और कॉस्ट-इफेक्टिव बना रहे हैं। एचडीएफसी बैंक के एचडीएफसी बैंक के रिटेल एसेट्स और रूरल बैंकिंग के ग्रुप हेड, श्री अरविंद वोहरा ने नए ऑफर के लॉन्च पर कमेंट करते हुए कहा' कि 'भारत में ईवी क्रांति तेजी से बढ़ रही है, जिसे सरकारी इंसेंटिव, बेहतर टेक्नोलॉजिकल माहौल और सही पॉलिसी का सपोर्ट मिल रहा है। एचडीएफसी बैंक का फ्लेक्सी इलेक्ट्रिक कार लोन उस दिशा में एक और कदम है क्योंकि भारत ईवी क्रांति को अपनाने के लिए तैयार है।

राज्यसभा सांसद श्रुति गंगवार के प्रथम आगमन पर मीरगंज में होगा भव्य स्वागत

ब्लॉक सभागार में अभिनंदन समारोह, कस्बे में लगाए गए बधाई के होर्डिंग

मीरगंज:राज्यसभा सांसद मनोनीत होने के बाद श्रुति गंगवार के पहले बार मीरगंज आगमन को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। बुधवार को विकासखंड सभागार में उनके स्वागत और अभिनंदन के लिए भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। सांसद के आगमन को यादगार बनाने के लिए ब्लॉक परिसर से लेकर

कस्बे और आसपास के क्षेत्रों में बधाई संदेशों वाले होर्डिंग और फ्लेक्स लगाए गए हैं। उनके स्वागत को लेकर कार्यकर्ताओं और समर्थकों में खासा उत्साह दिखाई दे रहा है।कार्यक्रम को लेकर विकासखंड सभागार में व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। आयोजन को व्यवस्थित और भव्य बनाने के लिए स्थानीय जनप्रतिनिधि तथा कार्यकर्ता तैयारियों में जुटे हैं। सांसद के प्रथम आगमन को लेकर क्षेत्र में राजनीतिक सरगर्मी भी बढ़ गई है। जगह-जगह लगाए गए होर्डिंग के माध्यम से उन्हें राज्यसभा सांसद मनोनीत होने पर बधाई और शुभकामनाएं दी गई हैं।स्वागत की तैयारियों में विधायक डॉ. डीसी वर्मा, ब्लॉक प्रमुख गोपाल कृष्ण गंगवार, प्रधान संघ अध्यक्ष सोनू कुर्मी, सचिन गंगवार, नरेंद्र गंगवार, भगवान सिंह गंगवार,और होरीलाल गंगवार सहित अनेकों लोग जुटे हुए हैं।विधायक डॉ. डीसी वर्मा और ब्लॉक प्रमुख गोपाल कृष्ण गंगवार ने संयुक्त रूप से बताया कि राज्यसभा सांसद बनने के बाद श्रुति गंगवार पहली बार मीरगंज पहुंच रही हैं। उनके स्वागत के लिए ब्लॉक सभागार में भव्य अभिनंदन समारोह आयोजित किया जाएगा।सुबह में झुमका चौराहे पर, फिर ब्लॉक फतेहगंज पश्चिमी सभागार में स्वागत कार्यक्रम और फिर मीरगंज ब्लॉक सभागार में स्वागत कार्यक्रम आयोजित होगा।इसकी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

श्री हरि मंदिर में हुआ सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ

बरेली। पावन कृतिक मास में प्रथम मंगलवार को हरि मंदिर मॉडल टाउन बरेली में मंगलवार को भक्तों की अपार भीड़ उमड़ी। सुबह के सत्र में मंदिर के पंडित सुनील शास्त्री के द्वारा हनुमान का विधिवत पूजन व श्रृंगार किया गया। भक्तजनों द्वारा मंगलवार को अपनी अपनी मनोकामना पूर्ति हेतु पधारते है और हनुमान की पूजा करते है। पावन कृतिक मास में सुबह महिला मण्डल की सदस्यों द्वारा ठाकुर जी का पूजन आरती वा कार्तिक की कथा पंडित जी द्वारा होती है। शाम के सत्र में हरि संकीर्तन मंडल द्वारा भजनों की रसधारा बहाई गई। जिस में रवि छाबड़ा ने है दुःख भंजन मारुति नंदनए संजय आनन्द ने मंगल मूर्ति राम दुलारेए पंकज ने आज मंगलवार हैए सचिन सेठी ने कीजे केसरी के लाल और भाई सौरभए जतिन दुआ ने आदि आदि भजनों से सारा हरि मंदिर प्रांगण भक्तिमय हो गया।

फैक्टरी कर्मी संतोष साहू हत्याकांड में दो आरोपी गिरफ्तार, अन्य की तलाश में जुटी पुलिस

बरेली। सीबीगंज थाना क्षेत्र के मथुरापुर गांव में मुकदमा वापस न लेने की रंजिश में गोली मारकर घायल किए गए प्लाईवुड फैक्टरी कर्मचारी की मौत के मामले में पुलिस ने दो नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मंगलवार को थाना सीबीगंज पुलिस ने मथुरापुर मदरसे के पास से विनोद और मदनलाल को दबोच लिया। मथुरापुर निवासी 37 वर्षीय संतोष कुमार साहू परसाखेड़ा स्थित एक प्लाईवुड फैक्टरी में काम करते थे। 23 अक्टूबर की रात करीब दस बजे वह गांव में आयोजित मंडप की दावत से घर लौट रहे थे। आरोप है कि दुर्गा माता मंदिर के पास पहले से घात लगाए बैठे हमलावरों ने उन पर फायरिंग कर दी थी। एक गोली संतोष के सिर में आंख के पास लगी थीए जबकि दूसरी गोली छूकर निकल गई थी। गंभीर हालत में उन्हें बरेली के श्री राममूर्ति अस्पताल में भर्ती कराया गया था। चार दिन तक उपचार चलने के बाद मंगलवार 27 अक्टूबर को संतोष की मौत हो गई थी। परिजनों के मुताबिक संतोष की पत्नी ने करीब एक साल पहले गांव के ललित कुमार के खिलाफ छेड़खानी और मारपीट से संबंधित मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप है कि मुकदमे में समझौता करने और उसे वापस लेने के लिए लगातार दबाव बनाया जा रहा था। संतोष और उनके परिवार ने समझौता करने से इन्कार कर दिया था। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच रंजिश चल रही थी। परिजनों का आरोप है कि इसी रंजिश के चलते संतोष को गोली मारी गई थी। घटना के बाद पुलिस ने छह नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी।

मुखबिर की सूचना पर मदरसे के पास से दोनों गिरफ्तार

संतोष की मौत के बाद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी। मंगलवार को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर सीबीगंज पुलिस टीम ने मथुरापुर मदरसे के पास दबिश दी। इस दौरान पुलिस ने नामजद आरोपी विनोद ;35द्ध पुत्र ओमप्रकाश उर्फ ओमी और मदनलाल ;69द्ध पुत्र रामलाल को गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपी मथुरापुर गांव के ही रहने वाले हैं। पुलिस के मुताबिक मदनलाल के खिलाफ वर्ष 2019 में भी सीबीगंज थाने में एक मुकदमा दर्ज हुआ था। पुलिस अन्य नामजद आरोपियों की भूमिका की जांच कर रही है।

हत्या के प्रयास की धारा हटाकर हत्या की धारा बढ़ाई

पुलिस के अनुसारए संतोष पर जानलेवा हमले के मामले में सीबीगंज थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। उपचार के दौरान संतोष की मौत होने के बाद मुकदमे में हत्या की धारा बढ़ा दी गई है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में थाना प्रभारी विनोद सिंहए वरिष्ठ उपनिरीक्षक जितेंद्र कुमारए उपनिरीक्षक पवन कुमार शर्माए कांस्टेबल सुधीर कुमार और रवि कुमार शामिल रहे। संतोष की मौत के बाद से परिवार में मातम पसरा हुआ है। पत्नी और दो बच्चों का रो.रोकर बुरा हाल है। परिवार को चार दिन तक संतोष के स्वस्थ होकर घर लौटने की उम्मीद थीए लेकिन मंगलवार सुबह उनकी मौत की खबर ने सभी को झकझोर दिया। अब दो आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

संक्षिप्त खबरें...

एकल चित्र प्रदर्शनीए दृश्य के आर. पार

बरेली। प्रोफेसर आनंद लखटकिया विभागाध्यक्ष ललित कला विभाग बरेली कॉलेज बरेलीए के चित्रों की एकल प्रदर्शनी का आयोजन ललित कला विभाग में ही दिनांक 28 म 29 अक्टूबर को किया गया है। यह उनके चित्रों की 21वीं एकल प्रदर्शनी है। इससे पूर्व भी इनके चित्रों की एकल प्रदर्शनियां विभिन्न शहरों में आयोजित की जा चुकी हैं जिन्हें भरपूर सराहना भी मिली है। प्रस्तुत प्रदर्शनी में 25 चित्र प्रदर्शित किए गए हैं जिसमें उनके द्वारा चित्रित किए गए विभिन्न समयों के चित्र हैं जो विभिन्न श्रृंखलाएं प्रस्तुत करते हैं। इन चित्रों में सी स्केप्स की एक श्रृंखला है जो विशेष रूप से आकर्षण का केंद्र है इसमें समुद्र के विस्तार को और कुछ चट्टानों को दिखाया गया है कुछ यथार्थ परक दृश्य चित्र हैं कुछ चित्रों में प्रतीकात्मकता है जो तंत्र के विभिन्न प्रतीकों को प्रस्तुत करते हैं। एक श्रृंखला में इन्होंने प्राकृतिक रूपाकारों एवं तत्वों को अमूर्तन में प्रस्तुत किया है। जो अत्यधिक प्रभावशाली बन पड़े हैं। अमूर्त प्रकृति चित्रों के माध्यम से कलाकार समाज का ध्यान प्रकृति की ओर आकृष्ट करना चाहता है। जिससे मनुष्य अधिक संवेदन परक होकर प्रकृति की रक्षा कर सके। प्रोफेसर आनंद के चित्रों में माधुर्य और संवेदनशीलता के साथ.साथ नवाचार भी दिखाई देते हैं जो उन्हें समकालीन कलाकारों की श्रेणी में खड़ा करते हैं। नव प्रयोगों से ही कला का विकास होता है। निश्चित तौर पर यह प्रदर्शनी कला के छात्रों के साथ.साथ सामान्य जनमानस पर भी अपना विशिष्ट प्रभाव छोड़ने में सक्षम होगी। प्रदर्शनी का परिचय प्रोफेसर सूरज साहू ने दिया। प्रोफेसर आनंद ने अपनी कार्यशैली के विषय में बताया तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में वाराणसी से आई प्रोफेसर मंजुला चतुर्वेदी ने चित्रों के विषय में विस्तृत रूप से बताया तथा अमूर्त चित्रों की सराहना की। ए आई के समय में चित्रकला के अस्तित्व पर उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि कला को कोई खतरा नहीं है क्योंकि कला कलाकार के अनुभव और संवेदनशीलता से जुड़ी है यह मशीन कभी भी के अनुभव का स्थान नहीं ले सकती। कलाकार द्वारा निर्मित कला ही सर्वोपरि रहेगी। प्रदर्शनी में प्रदर्शित चित्र एक्रिलिक रंगो सेए तैल रंगो से एवं अन्य मिश्रित माध्यमों में विशाल आकार के कैनवास पर निर्मित किए गए हैं। सभी कला प्रेमियों का प्रदर्शनी में स्वागत है। प्रदर्शनी दर्शकों के लिए 11 से 4 बजे तक खुली रहेगी।

बॉलीवुड अभिनेता अली खान ने साझा किया अपने फिल्मी सफर का दिलचस्प किस्साए दमदार संवादों से दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

बरेली। 46वें वाल्मीकि सद्भावना मेले में बॉलीवुड अभिनेता अली खान ने अपनी शानदार उपस्थिति और दमदार अभिनय शैली से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। उन्होंने अपने फिल्मी सफर के अनुभव साझा करते हुए बताया कि वह बिहार के बोधगया से बड़े पर्दे पर हीरो बनने का सपना लेकर मुंबई पहुंचे थेए लेकिन फिल्मी दुनिया में उनकी पहचान एक दमदार खलनायक के रूप में बन गई। उन्होंने कहा कि अभिनय की दुनिया में सफलता पाने के लिए प्रतिभा के साथ मेहनतए धैर्य और निरंतर संघर्ष भी जरूरी है। अभिनेता अली खान ने अपनी चर्चित फिल्म खुदा गवाह का जिक्र करते हुए सदी के महानायक अमिताभ बच्चन के साथ काम करने के अनुभवों को याद किया। उन्होंने बताया कि इतने बड़े कलाकार के साथ पर्दे पर काम करना उनके अभिनय जीवन का महत्वपूर्ण अनुभव रहा। उन्होंने अपने फिल्मी सफर के दौरान निभाए गए किरदारों और मिले अवसरों का जिक्र करते हुए बताया कि किस तरह एक कलाकार को हर भूमिका में अपनी अलग पहचान बनाने के लिए मेहनत करनी पड़ती है। कार्यक्रम के दौरान अली खान ने अपने पुराने फिल्मी दिनों को याद करते हुए अभिनेता किरण कुमार के साथ फिल्म में निभाए गए किरदार से जुड़े संवादों को दोहराया। इसके साथ ही उन्होंने फिल्म सरफरोश में अपने चर्चित खलनायक के अंदाज को मंच पर जीवंत कर दिया। उनकी बुलंद आवाजए चेहरे के भाव और संवाद अदायगी ने दर्शकों को फिल्मों के रोमांचक दृश्यों की याद दिला दी। उनके अभिनयपूर्ण संवादों पर मेला प्रांगण तालियों और दर्शकों की उत्साहपूर्ण प्रतिक्रियाओं से गूंज उठा। उनकी प्रस्तुति ने वाल्मीकि सद्भावना मेले की सांस्कृतिक संध्या को यादगार बना दिया। दर्शक देर तक उनके संवादों और अभिनय शैली का आनंद लेते रहे। बॉलीवुड के लोकप्रिय कलाकार की मौजूदगी ने मेले के मनोरंजन कार्यक्रमों में विशेष आकर्षण जोड़ दिया।

सीएमओ ने किया संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान का स्थलीय निरीक्षण

बरेली। मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान की प्रगति का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण हेतु खंड विकास क्षेत्र मझगवां के संवेदनशील ग्राम मानपुर एवं रघुबीरपुर का भ्रमण किया गया। मानपुर एवं रघुबीरपुर में नालियों की सफाई संतोषजनक पाई गई। साफ सफाई हेतु ग्राम सचिव एवं ग्राम प्रधान को निर्देशित किया गया। एंटीलार्वा एवं फॉगिंगस मच्छर जनित रोगों की रोकथाम हेतु कार्ययोजना बनाकर साप्ताहिक एंटीलार्वा छिड़काव एवं फॉगिंग कराने के निर्देश ग्राम सचिवए ग्राम प्रधान को दिए गए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा ग्रामीणों को फुल बांह के कपड़े पहननेए मच्छरदानी में सोनेए घर के आसपास जलजमाव न होने देनेए साफ.सफाई रखनेए बुखार आने पर तत्काल जांच कराने एवं चिकित्सक द्वारा दी गई दवा का पूरा कोर्स लेने हेतु जागरूक किया गया। अंत में मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मझगवां का निरीक्षण किया गया। मरीजों की जाँच एवं दवा उपलब्धता के बारे में जानकारी ली गई।

रावण अभी मरा नहीं है, गूगल मीट पर हुई सरस ऑनलाइन काव्य गोष्ठी

बरेली। श्रीराम राष्ट्रीय साहित्यिक संस्था अयोध्या धाम की बरेली इकाई के बैनर तले सोमवार सायं गूगल मीट पर सरस ऑनलाइन काव्य गोष्ठी आयोजित की गई। अलका रानी की सस्वर सरस्वती वंदना के उपरांत एक दर्जन से अधिक कवि.कवयित्रियों ने अलग.अलग विधाओं में अपनी उत्कृष्ट रचनाएं सुनाकर खूब वाहवाही बटोरी। गोष्ठी का विषय था.रावण अभी मरा नहीं है। अधिकांश कवि.कवयित्रियों ने इस विषय को अपनी कविताओं में अत्यधिक प्रभावशाली ढंग से उठाया और हर साल विजया दशमी पर रावण का पुतला दहन करके और मेला घूमकर ही कर्तव्य की इतिश्री समझ लेने के बजाय हर मानव के अंदर बसे पाप.अनाचार के रावण को मारने का प्रयत्न करने का बड़ा संदेश दिया।

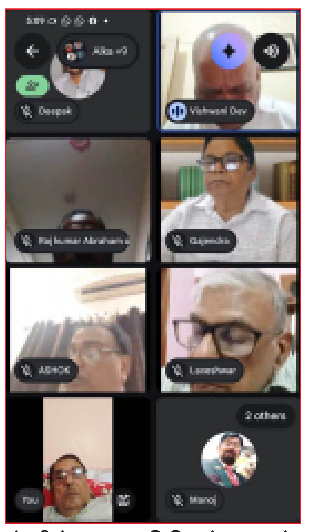

गोष्ठी के मुख्य अतिथि रहे संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक गोयल चक्रवर्ती और विशिष्ट अतिथि का दायित्व निभाया संस्था की राष्ट्रीय प्रभारी बीना गोयल ने सफल संचालन वरिष्ठ साहित्यकार तथा संस्था के बरेली इकाई अध्यक्ष एसके कपूर श्रीहंस ने किया। लगभग दो घंटे चली ऑनलाइन काव्य गोष्ठी में वरिष्ठ साहित्यकार एवं संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक गोयल चक्रवर्तीए बीना गोयलए गजेंद्र पाल सिंह राजबाला धैर्यए रंजीता नागपालए अलका रानी गुप्ताए दीपक मुखर्जी दीपए कवि.पत्रकार गणेश पथिकए मनोज सक्सेना मनोजए राजकुमार अग्रवाल राजए लक्ष्मेंद्र राजूए विश्वानिदेव अग्रवाल आदि ने दिए गए विषय से संबंधित और भक्ति.अध्यात्मए सम.सामयिक ज्वलंत मुद्दों से जुड़े गीतए सवैयाए छंद आदि सुनाकर खूब तालियां बजवाईं और वाहवाही बटोरी। राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक गोयल ने बताया कि संस्था द्वारा जम्मू.कश्मीर में भी सफल काव्य गोष्ठी करवाई गई है।

भाजपा जिला उपाध्यक्ष के पिता यशपाल सिंह का निधन, एमएलसी डा. व्यस्त पहुंचे दी सांत्वना

अंतिम संस्कार आज फरीदपुर में

फरीदपुर (बरेली)।भारतीय जनता पार्टी आंवला के जिला उपाध्यक्ष अमिताभ सिंह के पिता यशपाल सिंह जी (76 वर्ष) का हार्ट अटैक से आकस्मिक निधन हो गया। एमएलसी डॉक्टर जयपाल सिंह व्यस्त ने फरीदपुर निवास पर पहुंचकर इस दुख घड़ी में परिजनों को सांत्वना दी तथा भारतीय जनता पार्टी आंवला के जिला उपाध्यक्ष अमिताभ सिंह को ढांढस बंधाया। जिस परिचित को सूचना मिली वह सभी अमिताभ सिंह के निवास पर पहुंचे और शोक संवेदना व्यक्त की।

इसमें प्रमुख लोगों में उत्तर भारतीय जनता पार्टी उत्तराखंड के कार्यालय प्रभारी पुष्कर काला, ब्लॉक प्रमुख सोनम ग्वाल, देवेंद्र सिंह टोनी सभासद, ठाकुर महासभा के बरेली मंडल अध्यक्ष अमित तोमर एडवोकेट,

विधानसभा प्रभारी सुधीर सोलंकी, संजीव सिंह परमार, राजेश प्रताप सिंह, भाजपा नेता सिद्धराज सिंह, संजय चौहान, शैलेश सिंह बिल्लू, ईशान ग्वाल, पुष्पेंद्र यादव, उर्वेश चौहान, पुष्पेंद्र बघेल, अतुल अग्निहोत्री सहित सैकड़ों शुभचिंतकों ने पहुंचकर ईश्वर से दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने तथा शोकाकुल परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की अपील की। जानकारी के अनुसार यशपाल सिंह स्वास्थ्य थे पूर्व में पेसमेकर पड़ा था लेकिन आज मंगलवार दोपहर बाद तीन बजे हार्ट की समस्या हुई परिजन तुरंत कार द्वारा बरेली अस्पताल जाने लगे कि साढ़े तीन बजे अंतिम सांस ली। यह खबर जैसे ही क्षेत्र में पहुंची तो परिवार एवं परिचित शोक में डूब गए। कल बुधवार सुबह दस बजे कस्बा के मोहल्ला बक्सरिया स्थित शमशान घाट पर अंतिम संस्कार होगा।

चार दिवसीय क्षेत्रीय घोष वर्ग का हुआ समापन

बरेली। कांति कपूर बालिका विद्या मंदिर राष्ट्र सेविका समिति के चार दिवसीय क्षेत्रीय घोष वर्ग का समापन मनोहर भूषण इंटर कालेज के मैदान में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत संघ चालक शशांक भाटियाए नीमा अग्रवालए डा तनुए डा शरद रेणु शर्मा ने भारत माता के आगे दीप प्रज्वलित कर किया। विभिन्न प्रांतों से आयीं स्वयं सेविकाओं के घोष के प्रदर्शन ने सभी का मन मोह लिया। उनके इस प्रदर्शन से वर्ग के अनुशासन एकरूपता की झलक साफ दिखाई दे रही थी। संगीत और अनुशासन की झलक देख शहरवासी झूम उठे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रान्त संघचालक शशांक भाटिया ने कहा कि घोष प्रदर्शन में सेविकाओं के मिलते कदम एकरूपताए समरसता का प्रदर्शन करा रहे हैं। साथ ही संघ के पंच परिवर्तन के विषय में जानकारी दी। कार्यक्रम

अध्यक्षा डॉ तनु ने सेविकाओं के कठिन परिश्रम और अनुशासन की प्रशंसा की साथ ही सेविकाओं को अपने करियर के विषय के साथ राष्ट्र सेवा के प्रति हम जागरूक रहें। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता रहीं अखिल भारतीय बौद्धिक प्रमुख डॉ शरद रेणु ने अपने उद्बोधन में कहा कि विकसित भारत की परिकल्पना ही राष्ट्र के विकास की दिशा है। इस भारत भूमि की विशेषता इसकी आध्यात्मिकता ही हैए यही विशेषता भारत को विश्व में सबसे अलग बनाती है। अपनी स्थापना के 90 वर्ष पूर्ण करने के उपलक्ष्य में संपूर्ण भारतवर्ष में क्षेत्रीय घोष वर्ग वर्गों का आयोजन कर रहे हैं। इसी क्रम में पश्चिमी उत्तर प्रदेश क्षेत्रीय घोष वर्ग का आयोजन बरेली महानगर में किया गया। मुख्य शिक्षिका ब्रज प्रान्त शारीरिक प्रमुख गरिमा कश्यप रहीं। ललिता गुप्ताए सरोज अग्रवाल उपस्थित रहे। राष्ट्र सेविका समिति के चार दिवसीय क्षेत्रीय घोष वर्ग का समापन मनोहर भूषण इंटर कालेज के मैदान में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रान्त संघचालक शशांक भाटिया ने कहा कि घोष प्रदर्शन में सेविकाओं के मिलते कदम एकरूपताए समरसता का प्रदर्शन करा रहे हैं। साथ ही संघ के पंच परिवर्तन के विषय में जानकारी दी। कार्यक्रम अध्यक्षा डॉ तनु ने सेविकाओं के कठिन परिश्रम और अनुशासन की प्रशंसा की। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता रहीं अखिल भारतीय बौद्धिक प्रमुख डॉ शरद रेणु ने अपने उद्बोधन में कहा कि विकसित भारत की परिकल्पना ही राष्ट्र के विकास की दिशा है। अपनी स्थापना के 90 वर्ष पूर्ण करने के उपलक्ष्य में संपूर्ण भारतवर्ष में क्षेत्रीय घोष वर्ग वर्गों का आयोजन कर रहे हैं। इसी क्रम में पश्चिमी उत्तर प्रदेश क्षेत्रीय घोष वर्ग का आयोजन बरेली महानगर में किया गया। मुख्य शिक्षिका ब्रज प्रान्त शारीरिक प्रमुख गरिमा कश्यप रहीं।

दरगाह पर 29 व 30 अक्टूबर को मनाया जाएगा उस.ए.हामिदी

बरेली। आला हज़रत फाजिले बरेलवी के बड़े साहिबजादे हुज्जातुल इस्लाम मुफ्ती हामिद रज़ा खान ;हामिद मियांद्ध का 86 व दो रोज़ा उस.ए.हामिदी दरगाह परिसर में 29 व 30 अक्टूबर को मनाया जाएगा। इस दौरान आला हज़रत द्वारा स्थापित मदरसा मंज़र.ए.इस्लाम का 123 वा दीक्षांत समारोह ;दस्तारबंदीद्ध के कार्यक्रम के अलावा मुफस्सिर.ए.आज़म हज़रत मौलाना इब्राहीम रज़ा खान ;जिलानी मियांद्ध के 63 वे कुल शरीफ की रस्म अदा की जाएगी। सभी प्रोग्राम दरगाह प्रमुख हज़रत मौलाना सुब्हान रज़ा खान ;सुब्हानी मियांद्ध की सरपरस्ती सज्जादानशीन बदरुश्शरिया मुफ्ती अहसन रज़ा क़ादरी ;अहसन मियांद्ध की सदारत और सय्यद आसिफ मियां की देखरेख में होंगे। दरगाह के नासिर कुरैशी ने बताया कि उस.ए.हामिदी का आगाज़ 29 अक्टूबर बाद नमाज़.ए.फ़ज़र कुरानख्वानी से होगा। इसके बाद सुबह 8 बजे खत्म बुखारी शरीफ की महफ़िल होगी। जिसमें शेखुल हदीस मुफ़्ती हनीफ खान मदरसे से फ़ारिग होने वाले सभी तलबा;छात्रोंद्ध को आखिरी दर्स देंगे। सुबह 10 बजकर 30 मिनट पर हज़रत जिलानी मियां साहब के कुल शरीफ की रस्म अदा की जाएगी। इसी दिन रात में बाद नमाज़.ए.इशा तहरीरी और तकरीरी मुकाबला होगा। जो रात भर चलेगा। अगले दिन यानि 30 अक्टूबर को दिन में नात.ओ.मनकबत का दौर जारी रहेगा। मुख्य कार्यक्रम बाद नमाज़.ए.इशा;रात 09 बजेद्ध शुरू होगा। इसके बाद उलेमा हुज्जातुल.ए.इस्लाम पर रौशनी डालेंगे। रात 10 बजकर 35 पर हुज्जातुल.ए.इस्लाम के कुल शरीफ की रस्म अदा की जाएगी। सज्जादानशीन बदरुश्शरिया मुफ्ती अहसन मियां की खुसूसी दुआ होगी। इसके बाद दस्तारबंदी ;दीक्षांत समारोहद्ध का कार्यक्रम शुरू होगा।

आलमपुर जाफराबाद में 29 अक्टूबर को लगेगा वृहद रोजगार मेला

बरेली। सहायक निदेशक ;सेवायोजनद्ध ने अवगत कराया है कि उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के अन्तर्गत क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय के तत्वाधान में दिनांक 29 अक्टूबर 2026 को प्रातः 10:00 बजे से एक दिवसीय वृहद रोजगार मेले का आयोजन विधानसभा बिथरी चैनपुर के अन्तर्गत खण्ड विकास कार्यालय आलमपुर जाफराबाद में किया जाएगा। उक्त रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की लगभग 30 से अधिक प्रतिष्ठित कम्पनियों ;सिद्धि इन्फोटेक इण्डिया प्रा0 लि0ए सुब्रोजए एक्सेस बैंकए पेटीएम विलेन्केट वेयरहाउस टाटा मोटर्सए अशोका लीलेण्ड आदिद्ध द्वारा न्यूनतम वेतन 15000.30000/प्रतिमाह पर इन्टरए स्नातकए स्नातकोत्तर/आई0टी0आई0/पॉलीटेक्निक/बी0टेक आदि उत्तीर्ण शैक्षिक योग्यताधारी अभ्यर्थियों हेतु लगभग 5000 रिक्तियों के सापेक्ष चयन की कार्यवाही की जायेगी। उक्त वृहद रोजगार मेला में बरेली के समस्त महाविद्यालयए मैनेजमेन्टइंजीनियरिंगए्राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के प्रधानाचार्यए 30प्र0 कौशल विकास मिशन के जिला समन्वयकए एम0आई0एस0 मैनेजर कौशल विकास मिशन के ट्रेनिंग पार्टनर द्वारा बेरोजगार अभ्यर्थियों को प्रतिभाग कराया जाएगा। उन्होंने जनपद के समस्त बेरोजगार अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे उक्त रोजगार मेले को सफल बनाने तथा अवसर का लाभ उठाने के उद्देश्य से दिनांक 29 अक्टूबर 2026 को खण्ड विकास कार्यालय आलमपुर जाफराबाद में आयोजित होने वाले रोजगार मेले में प्रतिभाग करें। रोजगार मेले में प्रतिभाग करने हेतु अभ्यर्थी रोजगार संगम बेब पोर्टल पर अनिवार्य रूप से ऑनलाइन पंजीकरण कर आवेदन कर सकते हैं। जो अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन नहीं कर सकते हैं वह मेला स्थल पर हेल्पडेस्क से ऑफलाइन फॉर्म प्राप्त करके प्रतिभाग कर सकते है।

दिव्यांगजनों के लिए बने विशेष आयुष्मान कार्डए जनसेवा टीम ट्रस्ट ने राज्यमंत्री डॉ0 अरुण कुमार को सौंपा ज्ञापन

बरेली। जनसेवा टीम ट्रस्ट ने प्रदेश के सभी प्रमाणित दिव्यांगजनों को

बिना किसी आय सीमा और जटिल शर्तों के आयुष्मान कार्ड जारी करने की मांग उठाई है। इस संबंध में ट्रस्ट के अध्यक्ष व समाजसेवी पम्मी खाँ वारसी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने उत्तर प्रदेश सरकार के वनए पर्यावरणए जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के ;स्वतंत्र प्रभारद्ध डॉ0 अरुण कुमार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि दिव्यांगजन अधिकार अधिनियमए 2016 के तहत दिव्यांगों को समुचित स्वास्थ्य सुविधाएं मिलना उनका अधिकार है। दिव्यांगजनों को नियमित चिकित्साए थेरेपीए पुनर्वास और सहायक उपकरणों की निरंतर आवश्यकता रहती है। आर्थिक तंगी के कारण कई परिवार इलाज का खर्च उठाने में असमर्थ रहते हैं जिससे उनकी स्थिति दयनीय हो जाती है। जनसेवा टीम ट्रस्ट ने मांग की कि प्रदेश में जिला व ब्लॉक स्तर पर विशेष शिविर आयोजित कर प्राथमिकता के आधार पर दिव्यांगजनों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाएं। साथ ही इस योजना के दायरे में दिव्यांगों की विशेष चिकित्सा थेरेपी व पुनर्वास सेवाओं को भी शामिल किया जाए। इसके अतिरिक्त प्रतिनिधिमंडल ने ज़िला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी चमन सिंह को भी ज्ञापन सौंपा जिन्होंने इसे एक सराहनीय पहल बताते हुए मांग को शासन तक पहुंचाने का भरोसा दिया। इस अवसर पर भारतीय दिव्यांग सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहम्मद शकीलए निक्की वर्माए हाजी साकिब रज़ा खाँए डॉण् सीताराम राजपूतए महेश लालए वसीम रज़ाए खेमपाल मौर्यए बब्लू मौर्यए मोबिन रज़ाए मोण् यासीनए मैकू लालए जावेदए हनीफए ओमप्रकाश कश्यपए हरीश पटेलए अभिषेक शर्मा,

संस्थापक- स्व. श्री जे.बी. सुमन
स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक कुबेर सुमन द्वारा दिव्य प्रकाश प्रेस 222, प्रेमनगर, बरेली उ.प्र. से मुद्रित एवं प्रकाशित
पूर्व सम्पादक- स्व0 श्री प्रशान्त सुमन,
स्व0 श्रीमती सारिका सुमन
सम्पादक- कुबेर सुमन
RNI NO. 29140/77
पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं. यू.पी.-बी.आर.-7
फोन- 0581-2547200, 9412188200
ई-मेल- dailydivyaprakash@rediffmail.com